{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 26 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 06
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,828.25
निफ्टी	-	23,446.80
सोना	-	1,63,061
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	95.78

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

एसआईआर विवाद : मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन...दिल्ली-पटना में मार्च, देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़े, विपक्ष की मांग

ज्ञानेश कुमार इस्तीफे दें

नई दिल्ली/पटना/देहरादून। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस ने शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया। दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लखनऊ, कोलकाता और देहरादून समेत कई जगहों पर कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। दिल्ली में भी चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई और कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी कांग्रेस विधायकों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस विधायक निजामुद्दीन भट, इरफान हाफिज लोन और इफ्तिखार अहमद ने प्रदर्शन किया। उन्होंने वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ और निष्पक्ष चुनाव के बिना लोकतंत्र नहीं जैसे नारे लिखे बैनर दिखाए। दिल्ली में चुनाव आयोग कार्यालय की ओर मार्च किया गया, जबकि पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। देहरादून में प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। कांग्रेस के इस राष्ट्रव्यापी अभियान की पृष्ठभूमि में चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर सामने आई रिपोर्ट भी है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार आयोग के फैसलों और आदेशों पर औपचारिक आपत्ति दर्ज की। इन आपत्तियों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने, फॉर्म 6 में बदलाव और वोटर डेटाबेस के संचालन जैसे मुद्दे शामिल थे।

दिल्ली में चुनाव आयोग तक मार्च

दिल्ली में कांग्रेस और युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग कार्यालय की ओर मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने एसआईआर और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर सवाल उठाए तथा चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। यह प्रदर्शन राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं द्वारा आयोग की कार्यप्रणाली पर उठाए गए सवालों के बीच हुआ।

पटना में वाटर कैनन, धक्का-मुक्की

बिहार की राजधानी पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग कार्यालय के घेराव का प्रयास किया। बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।

देशभर में कहां-कहां हुए प्रदर्शन

चंडीगढ़ में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। वहीं जम्मू में प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई।

असम में गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान गौरव गोगोई को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

पंजाब में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता 25 सितंबर को चंडीगढ़ में सेक्टर-17 स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकालेंगे।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों को लेकर राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर लगे आधिकारिक बोर्ड पर कालिख पोत दी।

अरुणाचल प्रदेश में विपक्षी कांग्रेस ने शुक्रवार को पार्टी के देशव्यापी आंदोलन के तहत ईटानगर में प्रदर्शन किया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदेश कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया रोकने, मतदाता सूची से जुड़े फैसलों की स्वतंत्र जांच कराने और जांच पूरी होने तक आगामी चुनावों को स्थगित रखने की मांग की। पार्टी ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने और एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी सभी फाइलों को सुप्रीम कोर्ट की हिरासत में रखने की भी मांग की। राजधानी में निर्वाचन भवन के पास प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाए।

देहरादून में बैरिकेडिंग पर चढ़े कार्यकर्ता

उत्तराखंड के देहरादून में प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। इसी तरह देश के कई अन्य हिस्सों में भी चुनाव आयोग और एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन हुए। चंडीगढ़ में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार की, जबकि कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की खबरें हैं।

लखनऊ से रायपुर तक प्रदर्शन

लखनऊ में प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। छत्तीसगढ़ के रायपुर में बारिश के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला। कार्यकर्ताओं ने एसआईआर, मतदाता सूची में बदलाव और कथित वोट चोरी के मुद्दे उठाए। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में भी कांग्रेस ने प्रदर्शन कर सीईसी के इस्तीफे और एसआईआर की स्वतंत्र जांच की मांग की।

इस्तीफा दो, वरना आंदोलन, ज्ञानेश कुमार को सीजेपी का अल्टीमेटम

2 अक्टूबर से देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने ऐलान किया है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार शनिवार तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो वह 2 अक्टूबर को मुंबई से अपनी देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा है कि इसे देश के अन्य शहरों तक ले जाया जाएगा।

शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अभिजीत दीपके ने कहा, अगर ज्ञानेश कुमार कल तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो सीजेपी 2 अक्टूबर को मुंबई से अपना देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगा और इसे भारत भर के शहरों तक ले जाएगा। आइए, इस गांधी जयंती पर लोकतंत्र को बचाने का संकल्प लें।

चुनावी दलों ने अभिजीत दीपके ने क्या कहा?

इसके साथ ही अभिजीत दीपके ने विपक्षी दलों से अपील की कि यदि उन्हें लगता है कि चुनावी प्रक्रिया में धांधली हो रही है, तो उन्हें ऐसे चुनावों में भाग लेना बंद कर देना चाहिए। दीपके ने कहा कि उनका चुनावों में लगातार भाग लेना ऐसे चुनावों को वैधता देता है और उनके स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होने का भ्रम बनाए रखता है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक ने एक पर एक पोस्ट में कहा कि विपक्षी दल यह नहीं कर सकते कि एक तरफ चुनावों में धांधली होने का दावा करें और फिर उन्हीं चुनावों में हिस्सा भी लेते रहें। उन्होंने कहा, हां, चुनावों में धांधली हो रही है। लेकिन जब आप धांधली वाले चुनावों में लगातार हिस्सा लेते हैं, तो आप इन चुनावों को वैधता प्रदान करते हैं और यह भ्रम बनाए रखने में मदद करते हैं कि ये चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं।

चुनाव दलों पर उठाए सवाल

दीपके ने सवाल उठाया कि क्या विपक्षी दल इसलिए चुनाव लड़ते रहते हैं क्योंकि उन्हें डर है कि चुनाव से दूर रहने पर उनका राजनीतिक अस्तित्व खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, शायद आप इसलिए चुनाव लड़ते रहते हैं क्योंकि आपको डर है कि अगर आपने चुनाव नहीं लड़ा, तो आपका अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। लेकिन जब वोट चुराए जा रहे हों, आपके विधायकों और सांसदों को अपने पाले में किया जा रहा हो और आपकी पार्टियों में फूट डाली जा रही हो, तब आप किस तरह के अस्तित्व को बचाने की कोशिश कर रहे हैं?

दीपके, रत्ना सिंह और सौरव दास के खिलाफ दिल्ली में एफआईआर दर्ज

2 अक्टूबर 2026 के आंदोलन से पहले ही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के खिलाफ दिल्ली में एक एफआईआर दर्ज हुई है। यह मामला जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक 25 वर्षीय महिला की निजी तस्वीर को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके आपत्तिजनक तरीके से मॉर्फ करने और उसका इस्तेमाल करने से जुड़ा है।

मामले का विवरण

महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है कि जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान उसकी निजी तस्वीरों को बिना अनुमति हासिल किया गया। इसके बाद एआई फेस-स्वैपिंग तकनीक की मदद से उसके चेहरे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक कथित आपत्तिजनक तस्वीर में जोड़ दिया गया।

खास खबर

अल्कोहल टेस्ट में फेल होने पर पायलट सस्पेंड

नई दिल्ली। एअर इंडिया के पायलट को ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट से पहले अल्कोहल टेस्ट में फेल होने पर शुक्रवार को सस्पेंड कर दिया गया है। अंतिम मेडिकल रिपोर्ट और जांच पूरी होने तक पायलट का निलंबन जारी रहेगा। यह मामला 6 सितंबर का है। टेकऑफ से पहले ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को पायलट से शराब की गंध आई। उन्होंने अफसरों को उसकी सूचना दी, जिसके बाद पायलट को विमान से उतार दिया गया। अल्कोहल टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद पायलट को टेकऑफ से कुछ समय पहले ज्यूरिख एयरपोर्ट पर विमान से उतार दिया गया था। यात्री की तरह उसी फ्लाइट से भारत भेजा गया था। स्विस फेडरल ऑफिस ऑफ सिविल एविएशन ने इस मामले की पुष्टि की है। पायलट पर स्विस नियमों के तहत कार्रवाई की गई।

अक्टूबर में 16 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने यानी अक्टूबर में देश के सरकारी और प्राइवेट बैंक अलग-अलग शहरों में कुल 16 दिन बंद रहेंगे। इसमें 4 रविवार और 2 शनिवार की छुट्टियां भी शामिल हैं। आरबीआई ने अक्टूबर महीने के लिए बैंक छुट्टियों की लिस्ट जारी की है। अलग-अलग राज्यों और स्थानीय त्योहारों के आधार पर बैंकों की छुट्टियां तय होती हैं। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। ब्रांच बंद रहने के बावजूद ग्राहक अपने बैंकिंग काम ऑनलाइन निपटा सकेंगे। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम, एनईएफटी और आरटीजीएस जैसी सर्विसेज हर दिन 24 घंटे चालू रहती हैं।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर

पानीपत। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 4 महिला पहलवानों ने फिर कोर्ट का रुख किया है। महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के 3 अगस्त 2026 के फैसले को चुनौती दी है। निचली अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह और डब्ल्यूएफआई के तत्कालीन सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। महिला पहलवानों ने अपनी याचिका में इस फैसले को पुरानी सोच वाला बताया है। उनका कहना है कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर बनी-बनाई धारणाओं को आधार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि फैसले में यह अपेक्षा की गई कि यौन हिंसा की पीड़िता को घटना के बाद किस तरह व्यवहार करना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय का हिंदी को आधिकारिक भाषा बनाने की याचिका पर आदेश देने से इंकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इंकार किया, जिसमें हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा बनाने और उद्देश्य के लिए केंद्र सरकार को एक आयोग गठित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि भाषा से संबंधित सुधार न्यायिक आदेशों के माध्यम से नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर धीरे-धीरे और चरणबद्ध तरीके से लागू होते हैं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि इस तरह के बदलाव संवैधानिक संशोधन की मांग करते हैं, जो अदालत आदेश से संभव नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने संविधान के विभिन्न प्रावधानों का हवाला देकर तर्क दिया कि अदालत सरकार को ऐसा आयोग बनाने का निर्देश दे सकती है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस पर असहमति व्यक्त कर कहा कि शीर्ष अदालत पहले से ही प्रशासनिक स्तर पर भाषा से संबंधित सुधारों को लागू करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया, हम अब सभी फैसलों का संक्षिप्त विवरण हिंदी में उपलब्ध करा रहे हैं। इसके बाद हम अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसकी शुरुआत करने वाले हैं। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात जोर दिया कि अदालत देश की भाषाई विविधता और क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान बनाए रखेगी। पीठ ने टिप्पणी की कि याचिका में मांगी गई राहत के लिए एक संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता होगी, और ऐसे गंभीर नीतिगत बदलाव अदालती आदेशों के बजाय विधायी प्रक्रिया के तहत किए जाने चाहिए। सुनवाई के दौरान, वकील ने बार-बार कम से कम आयोग के गठन का निर्देश देने की मांग की, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने याचिका को पूरी तरह से खारिज कर दिया। अदालत ने इस मुद्दे को नीतिगत और प्रशासनिक डोमेन का हिस्सा मानते हुए इसमें सीधे हस्तक्षेप से परहेज किया, और इस बात पर जोर दिया कि भाषा के क्षेत्र में सुधार एक क्रमिक और संवेदनशील प्रक्रिया है जिसे व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही लागू किया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार ने ठुकराया पांच दिन कार्य सप्ताह का दावा

शनिवार छुट्टी पर सरकार-यूनियन आमने-सामने

नई दिल्ली। बैंक कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही पांच दिन के कार्य-सप्ताह की मांग को लेकर केंद्र और बैंक यूनियनों के बीच मतभेद बढ़ गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि मंत्रालय ने बैंकों में प्रत्येक शनिवार की छुट्टी देने का कोई वादा नहीं किया था। यह बयान तब आया है जब बैंक कर्मचारियों ने अपनी मांग के समर्थन में 28 सितंबर से तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है।

बात दें कि बैंक यूनियनों का दावा है कि मार्च 2024 के वेतन संशोधन समझौते के दौरान इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच शनिवार की छुट्टी को लेकर सहमति बनी थी। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) के महासचिव रूपम रॉय ने यह दावा किया था।

हालांकि, वित्त मंत्रालय के एक सूत्र ने दावों का खंडन कर कहा, हमारी ओर से बैंकों में पांच दिन काम करने का कोई वादा नहीं किया था। यह बातचीत का मुद्दा नहीं था और इस पर न कोई समझौता हुआ था और न ही कोई चर्चा हुई थी।

सूत्र ने बताया कि यह मांग कर्मचारी यूनियनों ने एकतरफा तरीके से रखी थी और इस पर दोनों पक्षों के बीच कोई सहमति नहीं बन पाई थी।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह के अलावा, वरिष्ठ बैंक अधिकारियों के लिए बदली गई परफॉर्मेंस-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम भी विवाद का एक प्रमुख मुद्दा है। वित्तीय सेवा विभाग ने 19 नवंबर 2024 को नई पीएलआई स्कीम की जानकारी दी थी, जो वित्त वर्ष 2026 से लागू होनी है। यह योजना स्केल-चौथे और उससे ऊपर के अधिकारियों पर लागू होती है, इसके तहत प्रदर्शन के आधार पर अधिकारी अधिकतम 365 दिनों की बेसिक सैलरी के बराबर इंसेंटिव हासिल कर सकते हैं। बैंक यूनियनों ने इस व्यवस्था का भी विरोध किया है।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की 28 सितंबर से प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के मद्देनजर, केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रविवार, 27 सितंबर को सामान्य कामकाज करने का निर्देश दिया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि रिजर्व बैंक ने 27 सितंबर को सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों और एटीएम-लिंक शाखाओं को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है। यूएफबीयू में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों के सात प्रमुख संगठन शामिल हैं, जिसमें एआईबीईए, एआईबीओसी, एनसीबीई, एआईबीओए, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी प्रमुख हैं।

यूपीआई एमडीआर :

2000 हजार से अधिक की खरीद पर दुकानदारों को चुकाना होगा शुल्क

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ किया है कि 2,000 रुपये से अधिक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर लगने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का खर्च ग्राहक नहीं, बल्कि दुकानदार या व्यापारी उठाएंगे। देश में इसबारे में चल रही अटकलों और चिंताओं को दूर करते हुए, वित्त मंत्री ने कहा कि एमडीआर कोई कर, सेस या सरचार्ज नहीं है, बल्कि यह एक शुल्क है जो सीधे सरकार के खजाने में नहीं आता है। उन्होंने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया कि उन्हें इस शुल्क को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह सीधे उन पर लागू नहीं होगा।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जिस तरह पहले क्रेडिट कार्ड पर एमडीआर लगता था, लेकिन उसका शुल्क ग्राहक नहीं बल्कि दुकानदार उठाते थे, ठीक उसी तरह यूपीआई के मामले में भी यह शुल्क व्यापारियों द्वारा वहन होगा। नए फ्रेमवर्क के अनुसार, 15 अक्टूबर 2026 से पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) लेनदेन पर, 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर 0.40 प्रतिशत तक का एमडीआर लगेगा। हालांकि, केंद्र सरकार ने एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की है, जिसका अर्थ है कि इससे अधिक एमडीआर नहीं वसूला जाएगा। इसके विपरीत, एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति को किया गया यूपीआई भुगतान (पीटूपी) पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा और उस पर कोई एमडीआर लागू नहीं होगा।

इस बीच, सरकारी सूत्रों ने बताया है कि 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले एमडीआर पर जीएसटी लगाने के संबंध में जीएसटी परिषद फैसला करेगी।

अगर हाउसवाइफ हो सकती है, तब हाउस हसबैंड भी

तलाक मंजूर और बच्चों-पत्नी को 2.5 करोड़ दें

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने महत्वपूर्ण फैसले में डॉक्टरों के एक जोड़े को तलाक की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के साथ, मद्रास हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी कर कहा कि अगर हाउसवाइफ हो सकती है, तब हाउस हसबैंड भी हो सकता है। कोर्ट ने घरेलू जिम्मेदारियों को मिल-जुलकर निभाने के महत्व पर जोर देकर कहा कि यह पारिवारिक ढांचे को मजबूत करता है। इस मामले में, पति बच्चों और पत्नी की भलाई के लिए कुल 2.5 करोड़ का भुगतान करने पर सहमत हुआ है।

यह मामला तिरुवन्नामलाई के डॉक्टर दंपत्ति से जुड़ा था, जिन्होंने थेनी के फैमिली कोर्ट के आदेशों को चुनौती देकर हाईकोर्ट में अलग-अलग अपील दायर की थीं। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और एमडी सुमति की डिवीजन बेंच ने इस पर सुनवाई की। जोड़े की शादी 2011 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं, जिनका जन्म 2012 और 2016 में हुआ। कोविड-19 महामारी के बाद उनके बीच मतभेद गहरे हो गए, जिसके बाद पत्नी ने वैवाहिक अधिकारों की बहाली और पति ने तलाक की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान परिवार के भीतर जिम्मेदारियों के बंटवारे पर गहराई से टिप्पणी की। बेंच ने कहा कि हमारी संस्कृति में परिवार मूल इकाई है, और कमाई करने के साथ-साथ घर संभालने, दोनों जिम्मेदारियों को समान सम्मान मिलना चाहिए। जजों ने यह भी गौर किया कि महिलाएं कभी-कभी शादी को अपने करियर के अवसरों में बाधा मान सकती हैं, लेकिन अगर पति घर की जिम्मेदारियां बांटें तो यह स्थिति बदल सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि होममेकर शब्द लिंग-निरपेक्ष है और घर संभालने के काम की आर्थिक अहमियत को सर्वोच्च न्यायालय ने भी बार-बार माना है। आपसी सहमति के आधार पर, पति ने बच्चों की भलाई और पत्नी को 2.5 करोड़ की राशि देने पर हामी भरी।

कुछ ना कहना

नपा की सुरक्षित व्यवस्थाओं के बीच हुआ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

बड़ी प्रतिमाओं के लिए क्रेन, विसर्जन कुंड, पेयजल, प्रकाश और निर्माल्य संग्रह की विशेष व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर नगर में विराजित श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ प्रारंभ हुआ। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए मां वैनगंगा के छोटे पुल सहित नगर के विभिन्न विसर्जन स्थलों पर समुचित व्यवस्थाएं की गईं। नगर पालिका द्वारा लगातार चौथे वर्ष बड़ी प्रतिमाओं के सुरक्षित विसर्जन के लिए नि:शुल्क क्रेन उपलब्ध कराई गई। क्रेन के माध्यम से प्रतिमाओं को पूरे सम्मान एवं सुरक्षा के साथ मां वैनगंगा में विसर्जित किया गया। इस व्यवस्था से श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान होने के साथ ही नदी में उतरने से होने वाली दुर्घटनाओं और जान-माल की हानि की आशंका भी कम होती है। क्रेन सहित विसर्जन व्यवस्थाओं पर होने वाला संपूर्ण व्यय नगर पालिका परिषद द्वारा वहन किया जा रहा है।

छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए विशेष कुंड बनाया गया, जहां नगर पालिका कर्मचारियों ने विधि-विधान और सम्मान के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन कराया। विसर्जन स्थल पर पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता एवं सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई। फूल-माला एवं अन्य निर्माल्य सामग्री के संग्रह के लिए अलग वाहन और पात्र रखे गए हैं। एकत्रित निर्माल्य का उपयोग जैविक खाद बनाने में किया जाएगा। नगर पालिका परिषद तथा भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्थापित श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन भी नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर की उपस्थिति में किया गया। छोटी प्रतिमा का विसर्जन निर्धारित कुंड में तथा बड़ी प्रतिमा का विसर्जन क्रेन के माध्यम से छोटे पुल के नीचे मां वैनगंगा में कराया गया। दिनभर श्रद्धालुओं द्वारा प्रतिमाएं लाने और विसर्जन करने का क्रम जारी रहा। नगर पालिका द्वारा विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसाद का वितरण भी किया गया।छोटे पुल के अलावा गायखुरी घाट, जागपुर घाट, शंकर घाट, वार्ड क्रमांक एक स्थित ढीमर टोला घाट तथा वार्ड क्रमांक चार एवं पांच स्थित नहर में भी प्रकाश, स्वच्छता और सुरक्षा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं नगर पालिका परिषद द्वारा की गईं। गणेश उत्सव के दौरान हवन, पूजन एवं भंडारे के लिए विभिन्न समितियों को पानी के टैंकरों के माध्यम से नि:शुल्क जल उपलब्ध कराया गया। स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से समितियों को डस्टबिन भी वितरित किए गए थे। नगर पालिका ने स्वच्छता अभियान में सहयोग प्रदान करने वाली सभी गणेश उत्सव समितियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर के साथ सभापतिगण, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी तथा नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्रीमती ठाकुर ने नगरवासियों को अनंत चतुर्दशी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगामी नवरात्र पर्व के दौरान दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए भी इसी प्रकार सुरक्षित और सुविधाजनक व्यवस्थाएं की जाएंगी। इसके लिए, आगामी दिनों में सभी दुर्गोत्सव समितियों के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों में देरी पर तीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

समय सीमा में सेवाएं उपलब्ध नहीं कराने पर कलेक्टर ने मांगा स्पष्टीकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण नहीं करने पर कलेक्टर कुमार सत्यम ने तीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में अधिकारियों से पूछा गया है कि आवेदकों को निर्धारित समय सीमा के बाद सेवा प्रदान करने के कारण उन पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। संबंधित अधिकारियों को पांच दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें बालाघाट तहसीलदार सुश्री छवि पंत, किरनापुर नायब तहसीलदार सुश्री वर्षा झारिया तथा जनपद पंचायत परसवाड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जी.आर. उईके शामिल हैं। जानकारी के अनुसार तहसीलदार सुश्री छवि पंत एवं नायब तहसीलदार सुश्री वर्षा झारिया द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवेदकों को आय एवं संपत्ति का प्रमाण पत्र निर्धारित समय सीमा के बाद एक दिन के विलंब से प्रदान किया गया। इसी प्रकार समाधान एक दिवस-तत्काल सेवा के अंतर्गत एक आवेदक को चालू नक्शे की प्रतिलिपियां भी निर्धारित समय सीमा के एक दिन बाद उपलब्ध कराई गईं। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराना अनिवार्य है। कलेक्टर द्वारा समय सीमा में सेवाएं प्रदान करने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के साथ ही अधिकारियों को नागरिक सेवाओं के प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

आम सूचना

मैं अजय राहंगडाले अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी तह:वारासिवनी जिला बालाघाट आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पक्षकार रासीदा मंसूरी पिता वारिस खान जाति मुसलमान निवासी वार्ड नं.०७,जूना मोहल्ला, मोहखेडा, तह:मोहखेडा जिला छिंदवाडा म.प्र.की ओर से अब्दुल कलीम खान पिता वारीस खान, मोहम्मद इदरीश पिता वारीस खान, मोहम्मद सकील पिता वारीस खान, अब्दुल वारीस खान पिता अब्दुल रज्जाक जाति मुसलमान निवासी वार्ड नं.१२ ग्राम अमोली तह:सभी लालबर्रा जिला बालाघाट म .प्र.एवं तबरेज खान पिता जाहिद खान निवासी वार्ड नं. ७ पांढरवानी तह:लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.आयुष वराडे पिता श्री शंकर वराडे निवासी एवं अभय मेश्राम पिता राजकुमार मेश्राम निवासी वार्ड नं.९ आमाटोला, पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.एवं आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरी पक्षकार एवं अब्दुल कलीम खान , मोहम्मद इदरीश, मोहम्मद सकील व अब्दुल वारीस खान के संयुक्त स्वामित्व आधिपत्य की भूमि मौजा ग्राम अमोली प.ह.नं.२५ ,रा.नि.मं.व तह:लालबर्रा में कृषि भूमि खसरा नं.२४७/१ रकबा १.३०८ हे. भूमि स्थित है और यह भूमि मेरे पक्षकार को उसकी माँ की मृत्यु के बाद वारसाना हक में प्राप्त हुई है और उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों के द्वारा इस वर्णित भूमि को विक्रय किये जाने का सौदा तबरेज खान, आयुष वराडे, अभय मेश्राम से मेरी पक्षकार को बिना कोई जानकारी एवं सहमति के इकरारनामा निष्पादित करा लिया गया है और यह इकरारनामा दो गवाह अफरोज एवं मो.रफीक के उपस्थिति में दिनांक ०६/०८/२०२६ को किया गया है और इनके द्वारा अग्रिम भुगतान भी प्राप्त कर लिया गया है किंतु इस इकरारनामा में मेरी पक्षकार के हस्ताक्षर नहीं है और ना ही मेरी पक्षकार के इस भूमि को विक्रय किया जा रहा है इस कारण उपरोक्त वर्णित व्यक्तियों एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि वर्णित भूमि के संबंध में कोई भी प्रलेख निष्पादित ना करें अन्यथा ऐसा निष्पादित हस्तांतरण प्रलेख अवैध व शून्य होगा और मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नही होगा।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।
वारासिवनी दिनांक २४/०९/२०२६

प्रेषक -अजय राहंगडाले अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी जिला बालाघाट

मुस्ताक खान के निधन पर बैहर में शोक

पद्मेश न्यूज़। बैहर। बॉलीवुड अभिनेता मुस्ताक खान के निधन की खबर मिलते ही उनके गृह क्षेत्र बालाघाट जिले के बैहर में सर्वत्र शोक की लहर व्याप्त हो गई।आज शुक्रवार को मुश्ताक खान को बाद नमाजे जुमा मुंबई के ही एक कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया।

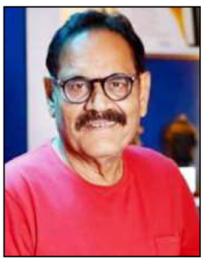

जहां फिल्मी दुनिया की कई हस्तियों ने शिरकत की। वही बैहर में उनके सभी दोस्तों रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर मुस्ताक खान के प्रति अपनी शोक संवेदनाये व्यक्त की।वही उनके लिए खुदा से दुआएं मगफिरत की। समूचे बैहर शहर में आज सन्नाटा पसरा नजर आया ,लोग उनसे जुड़ी यादों की चर्चा करते नजर आए।ज्ञात हो कि मुश्ताक खान का जन्म बैहर में ही हुआ था और यही उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा हुई थी। उसके बाद उन्होंने बालाघाट के जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में आगे पढ़ाई की, बालाघाट में हुए एक गंभीर घटनाक्रम के बाद वे मुंबई चले गए और वहां जाकर उन्होंने एक संस्था से अभिनय का विधिवत कोर्स पूरा किया और 14 वर्ष के संघर्ष के बाद उनका फिल्मों में सफर शुरू हुआ। उन्होंने कई हिट फिल्मों में अपने अभिनय कर, अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे। इसके अलावा उन्होंने थिएटर में काम किया, वही कुछ टीवी सीरियल में भी उन्होंने काम किया है। फिल्मी दुनिया में बालाघाट जिले का नाम रौशन करने वाले मुस्ताक खान के निधन पर बालाघाट के भी उनके दोस्तों और चाहने वालों ने उनके प्रति शोक संवेदनाये व्यक्त की है।

धान की फसल पर माहू और ब्लास्टिंग रोग का प्रकोप

अनुभा मुंजारे ने मुख्यमंत्री से मांगा तत्काल सर्वे और मुआवजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में धान की फसल पर माहू एवं ब्लास्टिंग रोग के बढ़ते प्रकोप ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। फसल में बीमारी फैलने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका के बीच किसानों पर एक ओर आर्थिक नुकसान का खतरा मंडरा रहा है, वहीं दूसरी ओर रोग नियंत्रण के लिए दवाइयों और अन्य कृषि सामग्री पर अतिरिक्त खर्च का बोझ भी बढ़ रहा है। किसानों की इस समस्या को लेकर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराने और किसानों को नियमानुसार उचित राहत एवं क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराने की मांग की है। अनुभा मुंजारे ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि बालाघाट जिले में वर्तमान समय में धान की फसल पर माहू एवं ब्लास्टिंग रोग का प्रकोप देखने को मिल रहा है। इन रोगों के कारण बड़ी संख्या में किसानों की धान की फसल प्रभावित हो रही है। धान जिले की प्रमुख कृषि फसलों में शामिल है और बड़ी संख्या में किसान अपनी आजीविका के लिए इसी फसल पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में फसल में बीमारी का व्यापक प्रकोप किसानों के लिए गंभीर आर्थिक संकट का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि रोग के कारण धान की फसल को भारी नुकसान होने के साथ ही किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है। फसल को बचाने के लिए किसानों को कीटनाशक एवं रोगनाशक दवाओं का छिड़काव करना पड़ रहा है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो फसल उत्पादन में कमी आने से किसानों को

दोहरी आर्थिक मार झेलनी पड़ सकती है। विधायक अनुभा मुंजारे ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम गठित कर तत्काल खेतों का सर्वे कराया जाए। सर्वे के दौरान खेतवार वास्तविक स्थिति का आकलन करते हुए माहू एवं ब्लास्टिंग रोग से धान की फसल को हुए नुकसान का रिकॉर्ड तैयार किया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को उनकी वास्तविक क्षति के आधार पर राहत उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने अपने पत्र में यह भी कहा है कि सर्वे प्रक्रिया केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि प्रभावित किसानों के खेतों तक पहुंचकर वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाए। इसके बाद शासन के निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार पात्र किसानों को उचित राहत राशि एवं क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराई जाए, जिससे किसानों को फसल नुकसान के कारण उत्पन्न आर्थिक परेशानी से कुछ राहत मिल सके। धान की फसल में बीमारी के प्रकोप को देखते हुए किसानों के बीच भी चिंता का माहौल है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते बीमारी की रोकथाम और प्रभावित फसल के नुकसान का आकलन नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ऐसे में कृषि विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, किसानों को रोग नियंत्रण के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन देने और नुकसान का वास्तविक आंकलन करने की जरूरत बताई जा रही है। अनुभा मुंजारे ने राज्य सरकार से मांग की है कि किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई शुरू की जाए। प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त सर्वे कराकर वास्तविक क्षति सामने लाई जाए और शासन के नियमों के तहत पात्र किसानों को राहत एवं क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराई जाए, ताकि बीमारी से प्रभावित धान की फसल के कारण किसानों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम किया जा सके।

JOB VACANCY
WE ARE HIRING
- RECEPTION - SALARY 5000+
- SURVEYOR - SALARY 15000+
- AREA MANEGER - SALARY 20000+
- ELECTRONIC TECHNICIAN - SALARY 10000+
- CONTACT -
9826181028, 9232652868

अवैध कॉलोनाइजरों पर प्रशासन का शिकंजा, कटंगी एसडीएम ने जारी किए नोटिस

कॉलोनी विकास से संबंधित दस्तावेज 5 अक्टूबर तक प्रस्तुत करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। क्षेत्र में बिना निर्धारित नियमों का पालन किए विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। कटंगी एसडीएम विजय सिंह यादव के निर्देश पर तहसील स्तर पर कराई गई जांच के बाद तीन अवैध कॉलोनियों से जुड़े कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए गए हैं। संबंधित कॉलोनाइजरों को 5 अक्टूबर 2026 तक कॉलोनाइजर एक्ट के तहत निर्धारित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा यह कार्रवाई मध्यप्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1993 तथा इसके अधीन बनाए गए मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रीकरण, निर्बंधन तथा शर्त नियम, 2014 के प्रावधानों के तहत की जा रही है। इन प्रावधानों के अनुसार कॉलोनाइजर के लिए कॉलोनी के विकास, पंजीयन, भूखंडों के विक्रय तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

तहसीलदार की जांच के बाद सामने आई अवैध कॉलोनियां

एसडीएम विजय सिंह यादव ने तहसीलदारों को निर्देश दिए थे कि अनुभाग क्षेत्र में जहां भी कॉलोनियों का विकास किया जा रहा है, वहां जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित कॉलोनाइजर द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है या नहीं। इसी क्रम में तहसीलदार तिरोड़ी श्रीमती गीता राहंगडाले द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान कटंगी तहसील अंतर्गत ग्राम बम्हनी एवं ग्राम बोनकट्टा में तीन अवैध कॉलोनियों की जानकारी एसडीएम कार्यालय को प्रस्तुत की गई। जांच में ग्राम बम्हनी में सर्वे नंबर 388/2/1, 388/2/2, 388/2/3 एवं 388/2/4 में कुल 0.511 हेक्टेयर भूमि पर कॉलोनी विकसित कर भूखंड काटे जाने की जानकारी सामने आई। इस मामले में नोकेश पिता तुलसीराम एवं राकेश पिता राधेलाल को नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार ग्राम बोनकट्टा में सर्वे नंबर 255/1/1/1/1 में कुल 0.698 हेक्टेयर भूमि पर भूखंडों की बिक्री किए जाने के मामले में आर्यन शर्मा, जितेंद्र ठाकुर एवं विजय कापगाते को नोटिस जारी किया गया है। ग्राम बोनकट्टा में ही सर्वे नंबर 87/8 में कुल 0.247 हेक्टेयर भूमि पर भूखंड बिक्री किए जाने के मामले में ज्योति नागपुरे को भी नोटिस जारी किया गया है।

दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर होगी नियमानुसार कार्रवाई

एसडीएम कार्यालय कटंगी द्वारा जारी नोटिस में संबंधित कॉलोनाइजरों को 5 अक्टूबर 2026 तक कॉलोनी विकास एवं पंजीयन से संबंधित निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संबंधितों से दस्तावेज प्राप्त होने के बाद उनका परीक्षण किया जाएगा और नियमों के अनुरूप आगामी कार्रवाई की जाएगी। इससे क्षेत्र में बिना अनुमति अथवा निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किए कॉलोनियों के विकास और भूखंडों की बिक्री पर प्रशासन की निगरानी और सख्त होने के संकेत हैं।

शासकीय महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान पर विविध आयोजन सांपन्न

पद्मेश न्यूज।किरनापुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत शासकीय दिलीप भटेरें महाविद्यालय, किरनापुर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय राजकुमार कर्राहे जी (विधायक, लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर श्री हजारी लाल,कमांडेंट एवं दीपक कुमार, डिप्टी कमांडेंट 07वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सुनीता जैन, प्राध्यापकगण, छात्र-छात्राओं एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।कार्यक्रम में डॉ. वाय. बी. कसवे (सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं पूर्व प्राचार्य) तथा श्रीमती दीप्ति भीमटे (महिला उद्यमी) भी उपस्थित रहीं।स्वच्छता अभियान के पश्चात हजारी लाल, कमांडेंट, 07वीं वाहिनी CRPF द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अन्य लोगों को स्वच्छता के महत्व तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका के संबंध में संबोधित किया गया। उन्होंने युवाओं को अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर कमांडेंट ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उपलब्ध शिक्षा, रोजगार एवं करियर के विभिन्न अवसरों के संबंध में जानकारी साझा की तथा उन्हें अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, जन-जागरूकता एवं युवा सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील बिरसा, जिला बालाघाट (म.प्र.)

।। ज्ञापन ।।

क्रमांक/890/प्रवा./तह./2026 बिरसा दिनांक 15/09/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद् मलाजखंड द्वारा मौजा मोहगांव तहसील बिरसा, जिला-बालाघाट में स्थित भूमि खसरा नंबर 368 रकबा 0.7610 हे. भूमि पर गीता भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैहर के माध्यम से इस न्यायालय में जॉच हेतु प्रकरण मूलत: प्राप्त हुआ है।

उक्त खसरे की भूमि के आवंटन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति दिनांक 30/09/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। ध्यान रहे समयावधि समाप्त हो जाने के उपरांत प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 15/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा सहित जारी किया गया।

जारी दिनांक- 15/09/2026
पेशी दिनांक - 30/09/2026

तहसीलदार
बिरसा

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जमीन बेचना है
52 डिसमील
बस स्टैण्ड के पास भिलाई रोड गायत्री मंदिर के सामने लांजी
मो. 7611166768

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

गणेश विसर्जन के दौरान नाचने को लेकर विवाद- युवक के सिर पर चाकू से हमला

मारपीट में घायल युवक का जिला अस्पताल में हुआ इलाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 गंगानगर बूढ़ी में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान नाचने गाने की बात को लेकर हुए विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। विवाद के बाद एक युवक के साथ एक ही परिवार के तीन लोगों द्वारा हाथ-मुक्कों से मारपीट करने तथा उसके सिर पर चाकू से वार कर घायल करने का मामला सामने आया है। घायल अविनाश पिता जीवनलाल कावरे 28 वार्ड नंबर 13 गंगानगर बूढ़ी निवासी को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां उसका इलाज किया गया।

विसर्जन के दौरान चौक पर हुआ विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार अविनाश कावरे मजदूरी करता है। 24 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे गंगानगर बूढ़ी मोहल्ले के लोग गणेश प्रतिमा लेकर बैनगंगा नदी के ढीमर टोला घाट की ओर विसर्जन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान जैसे ही गणेश प्रतिमा लेकर लोग ढीमर टोला चौक पहुंचे वहां नाचने की बात को लेकर हिमेश बाघाड़े और अनुराग नेवारे के बीच विवाद हो गया। मौके पर मौजूद अविनाश सहित अन्य लोगों ने दोनों को समझाकर विवाद शांत कराया।

चाकू और तलवार लेकर पहुंचने का आरोप

बताया गया कि विवाद शांत होने के बाद अनुराग नेवारे अपने पिता मदन नेवारे और बहन रागिनी नेवारे के साथ कथित रूप से चाकू और तलवार लेकर वहां पहुंच गया। अविनाश सहित अन्य लोगों ने उन्हें भी समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान रागिनी ने अविनाश को दो-चार थप्पड़ मार दिए। यह देखकर अविनाश की मौसी की लड़की कुमकुम मानकर वहीं बेहोश हो गई। अविनाश उसे उठाकर अपने घर गंगानगर ले गया।

घर के सामने फिर हुआ विवाद- सिर पर किया चाकू से वार

कुछ देर बाद मदन नेवारे, अनुराग नेवारे और रागिनी नेवारे अविनाश के घर के सामने पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद अविनाश घर से बाहर आया। आरोप है कि तीनों ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान अनुराग ने अविनाश के सिर पर चाकू से वार कर दिया। जिससे उसके सिर से खून निकलने लगा।मारपीट और चाकू से हमला होने की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच बचाव कर मामला शांत कराया। घटना में घायल अविनाश अपनी मां आशा कावरे और भाई विकास के साथ कोतवाली थाना पहुंचा। वहां से उसे उपचार कराने की सलाह दी गई। जिसके बाद परिजन उसे जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे।

अस्पताल पुलिस ने लिया घायल का बयान

जिला अस्पताल में अविनाश का उपचार किया गया। वहीं अस्पताल पुलिस ने घायल युवक का बयान दर्ज किया और मामले को आगे की कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दिया। घटना को लेकर पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गणेश विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने से दो की मौत

किरनापुर के मोरवाही और कोतवाली के गर्रा मशीनटोला में हादसे के बाद पसरा सन्नाटा, होमगार्ड की डीआरसी टीम ने रेस्क्यू कर निकाला शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में शुक्रवार को गणेश विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने की दो अलग-अलग घटनाओं में एक 17 वर्षीय बालक और एक 33 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पहली घटना किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोरवाही की है, जबकि दूसरी घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा अंतर्गत मशीन टोला में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई। दोनों घटनाओं में सूचना मिलते ही पुलिस एवं रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और सघन सर्चिंग करते हुए कड़ी मशक्कत के बाद मृतकों के शव तालाब से बाहर निकाले। मृतक बालक तन्मय पिता बाल गिरी गोस्वामी 17 वर्ष ग्राम मोरवाही का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है जबकि मृतक राजेंद्र पिता सालिकराम चौहान 33 वर्ष मशीन टोला गर्रा निवासी का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रख दिया गया है।

किरनापुर थाने ग्राम मोरवाही की घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोरवाही में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। तालाब के गहरे पानी में डूबने से 17 वर्षीय बालक तन्मय गिरी गोस्वामी पिता बाल गिरी गोस्वामी की मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोरवाही में गणेश उत्सव के तहत 24 सितंबर को हवन-पूजन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया था। इसके बाद 25 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे गणेश समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों द्वारा गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए डीजे के साथ झांकी निकाली गई। उत्सव के माहौल में ग्रामीण गणेश प्रतिमा लेकर विसर्जन स्थल की ओर पहुंचे।बताया गया कि विसर्जन के दौरान तन्मय गोस्वामी तालाब के गहरे पानी में चला गया और अचानक डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों द्वारा बालक की तलाश शुरू की गई तथा घटना की सूचना किरनापुर पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही किरनापुर पुलिस की होमगार्ड डीआरसी टीम मौके पर पहुंची और तालाब में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने काफी प्रयास के बाद तन्मय गोस्वामी के शव को गहरे पानी से बाहर निकाला। हादसे की खबर गांव में फैलते ही गणेश विसर्जन का उत्सव मातम में बदल गया और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा गया।पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए तन्मय के शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे से परिवार सहित पूरे गांव में शोक का माहौल है।

इनका रहा विशेष सहयोग

ग्राम मोरवाही में एक बालक के तालाब में डूबने की सूचना प्राप्त होने पर डीआरसी केन्द्र थाना किरनापुर से रेस्क्यू टीम प्रभारी नायक यशवंत राव गभने, सैनिक संवदलाल राहंगडाले, सैनिक चेतन एवं सैनिक संजय चौधरी मय जीवन रक्षक सामग्री के साथ रेस्क्यू टीम लगभग 13:30 बजे घटनास्थल पर पहुंची एवं तत्काल रेस्क्यू कार्य प्रारंभ किया गया।लगभग 1 घंटे तक सघन सर्चिंग करने के दौरान ग्राम मोरवाही स्थित तालाब से मृतक तन्मय गिरी गोस्वामी पिता बालगिरी गोस्वामी 17 वर्ष, निवासी ग्राम मोरवाही निवासी के शव को तालाब से बाहर निकाला गया। तत्पश्चात शव को आवश्यक पुलिस पंचनामा कार्यवाही हेतु पुलिस के सुपुर्द किया गया। किरनापुर पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गर्रा के मशीन टोला की घटना

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा अंतर्गत मशीन टोला में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक युवक राजेंद्र पिता सालिकराम चौहान 33 वर्ष मशीनटोला गर्रा निवासी है जिसका का शव तालाब से बाहर निकालकर जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 सितंबर को दोपहर मशीन टोला में स्थापित गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए समिति के सदस्य एवं ग्रामीण सालईटोला स्थित तालाब पहुंचे थे। प्रतिमा विसर्जन के दौरान मशीन टोला निवासी राजेंद्र चौहान अचानक तालाब के गहरे पानी में चला गया और डूब गया। युवक के डूबने की जानकारी मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई।घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने तालाब में सघन सर्चिंग करते हुए काफी मशक्कत के बाद राजेंद्र चौहान का शव बाहर निकाला।शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बालाघाट भेजा गया। शाम हो जाने के कारण शुक्रवार को पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिसके चलते शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम 26 सितंबर को किया जाएगा।

एसडीआरएफ टीम का विशेष योगदान

रेस्क्यू ऑपरेशन में एसडीआरएफ टीम के टीम प्रभारी हवलदार भीष्म सिंह सूर्यवंशी, सैनिक योगेश बघेल, सैनिक परसराम कोकोटे, सैनिक हीरालाल टेकाम, एसडीआरएफ सैनिक करण सिंह वल्के एवं वाहन चालक सैनिक चितेस्वर राहंगडाले का विशेष सहयोग रहा। टीम ने सूचना मिलते ही तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद युवक के शव को तालाब से बाहर निकाला।

दूसरे दिन भी जारी रहा गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर

भक्ति भाव में झूमते नजर आए श्रद्धालु, गाजे-बाजे के साथ निकलीं विसर्जन यात्राएं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गणेशोत्सव के समापन के साथ ही नगर सहित जिलेभर में गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। सुबह से ही विभिन्न गणेश पंडालों और घरों में विराजमान प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धालु गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए लेकर निकले। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमते नजर आए और पूरा वातावरण गणपति बप्पा के जयकारों से गूंज उठा।उधर गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। कई स्थानों पर विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। डीजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए आगे बढ़े। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर गणपति बप्पा को विदाई दी। विसर्जन यात्रा के दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष लगातार गूंजते रहे।।

सुबह से पंडालों में रही चहल-पहल

विसर्जन से पहले गणेश पंडालों में विधि-विधान से भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की गई। कई समितियों द्वारा विशेष पूजा, हवन-यज्ञ और महाआरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की आराधना कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। इसके बाद प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

भक्ति और उत्साह के बीच दी बप्पा को विदाई

गणपति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में जहां उत्साह दिखाई दिया, वहीं बप्पा को विदाई देने के समय माहौल भावुक भी नजर आया। श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष फिर से भगवान गणेश के आगमन की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी। विभिन्न गणेश उत्सव समितियों द्वारा आकर्षक रूप से सजाई गई प्रतिमाओं को वाहनों में विराजित कर विसर्जन स्थल तक ले जाया गया।

जगह-जगह हुए धार्मिक आयोजन

गणेशोत्सव के दौरान नगर के विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक आयोजनों का दौर भी चलता रहा। गणेश पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, आरती और भंडारे आयोजित किए गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इन धार्मिक आयोजनों में सहभागिता की। सुबह से देर शाम तक कई स्थानों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

प्रशासन ने संभाली व्यवस्थाएं

गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर प्रशासन और पुलिस द्वारा भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। विसर्जन मार्ग और प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ यातायात को सुचारू बनाए रखने के प्रयास किए गए। समितियों और श्रद्धालुओं से भी निर्धारित विसर्जन स्थलों पर प्रतिमाओं का विसर्जन करने तथा व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई।

एक साल से लापता मानसिक रूप से कमजोर उत्तर प्रदेश के व्यक्ति को भरवेली पुलिस ने परिजनों से मिलाया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना भरवेली पुलिस ने मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए करीब एक साल से लापता मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति की पहचान कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। उत्तर प्रदेश के कायमगंज, फर्रुखाबाद निवासी व्यक्ति को भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम मानेगांव में लावारिस हालत में घूमते हुए पाया गया था। पुलिस की सक्रियता से करीब एक वर्ष बाद वह अपने परिवार से मिल सका। भरवेली पुलिस के अनुसार 23 सितंबर 2026 को थाना भरवेली की एफआरवी डायल-112 पर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मानेगांव में एक अजनबी व्यक्ति बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के घूम रहा है और संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। सूचना मिलते ही एफआरवी में तैनात आरक्षक जगदीश बघेले तत्काल मौके पर पहुंचे और उक्त व्यक्ति को सुरक्षा की दृष्टि से थाना भरवेली लेकर आए।थाने में पुलिस द्वारा व्यक्ति से पूछताछ की गई लेकिन उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह अपने संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था। पुलिस ने उसकी पहचान के लिए सोशल मीडिया एवं विभिन्न थानों के पुलिस नेटवर्क से संपर्क कर जानकारी जुटाने का प्रयास किया। लगातार प्रयासों के बाद उसकी पहचान कायमगंज फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश निवासी अभिनित पिता हरिश्चंद्र राठौर के रूप में हुई।पहचान सामने आने के बाद भरवेली पुलिस ने उसके गृह क्षेत्र से परिजनों की जानकारी प्राप्त की और तत्काल उनके संपर्क किया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अभिनित राठौर की मानसिक स्थिति पूरी तरह ठीक नहीं है और वह करीब एक वर्ष पहले अपने घर से लापता हो गया था।

लंबे समय से परिजन उसकी तलाश कर रहे थे।पुलिस से अभिनित राठौर के भरवेली में मिलने की सूचना प्राप्त होते ही उसके भाई प्रदीप एवं जीजा मनोज कुमार उत्तर प्रदेश से बालाघाट के लिए रवाना हुए और भरवेली थाना पहुंचे। थाना पहुंचने पर दोनों ने अभिनित राठौर को पहचान लिया।इसके बाद भरवेली पुलिस द्वारा आवश्यक जांच एवं तस्दीक की कार्रवाई पूरी करने के उपरांत अभिनित राठौर को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। करीब एक वर्ष बाद अपने परिवार के सदस्य को सकुशल पाकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने भरवेली पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल एक लापता व्यक्ति को उसके परिवार से मिलाया गया बल्कि पुलिस की मानवीय भूमिका भी सामने आई। डायल-112 पर मिली सूचना पर तत्काल कार्रवाई पहचान के लिए सोशल मीडिया एवं पुलिस नेटवर्क का उपयोग और परिजनों तक पहुंच बनाने के प्रयास के चलते करीब एक साल से बिछड़ा परिवार अपने सदस्य से दोबारा मिल सका।

बैंक हड़ताल के दौरान भी जारी रहेंगी आवश्यक बैंकिंग सेवाएं

27 सितंबर को रविवार के दिन भी खुले रहेंगे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स एवं अन्य बैंक यूनियनों द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का आह्वान किया गया है। हड़ताल की अवधि साप्ताहिक अवकाश शनिवार एवं रविवार के तुरंत बाद होने के कारण सामान्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की संभावना को देखते हुए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति मध्यप्रदेश तथा प्रदेश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा ग्राहकों की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

27 सितंबर को भी खुले रहेंगे बैंक

ग्राहकों को नकदी एवं आवश्यक बैंकिंग लेन-देन में परेशानी न हो, इसके लिए 27 सितंबर 2026, रविवार को प्रदेश के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य रूप से खुले रहेंगे और बैंकिंग कार्य किया जाएगा। इसका उद्देश्य हड़ताल अवधि के दौरान आमजन को होने वाली असुविधा को न्यूनतम करना है। हड़ताल की अवधि में ग्राहकों की सुविधा के लिए 28 से 30 सितंबर तक देश के किसी भी बैंक के एटीएम से किए गए लेन-देन पर लगने वाले सभी प्रकार के एटीएम शुल्क माफ किए जाएंगे। इससे ग्राहक आवश्यकता के अनुसार किसी भी बैंक के एटीएम का उपयोग कर सकेंगे।

डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का करें अधिक उपयोग

बैंक ग्राहकों से अपील की गई है कि वे आवश्यक वित्तीय लेन-देन के लिए 24 घंटे उपलब्ध डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें। इनमें मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई, आईएमपीएस,

आरटीजीएस एवं नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन डिजिटल भुगतान माध्यमों के माध्यम से ग्राहक हड़ताल की अवधि में भी अपने आवश्यक लेन-देन कर सकेंगे। ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए सभी बैंकों के बिजनेस करेस्पॉन्डेंट (बीसी) नेटवर्क को भी सक्रिय रखा गया है। ग्राहक अपने नजदीकी बीसी संचालक के माध्यम से भी आवश्यक बैंकिंग लेन-देन कर सकेंगे।

सुरक्षा के लिए प्रशासन और पुलिस से समन्वय

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति मध्यप्रदेश के संयोजक धीरज गोयल ने बताया कि भारत सरकार के वित्तीय सेवाएं विभाग एवं भारतीय बैंक संघ के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य शासन तथा पुलिस प्रशासन से निरंतर समन्वय स्थापित किया गया है। हड़ताल के दौरान बैंक शाखाओं, करेंसी चेस्ट, डेटा सेंटर एवं एटीएम नेटवर्क के आसपास कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

बैंक प्रबंधन ने ग्राहकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए अपने महत्वपूर्ण बैंकिंग लेन-देन निर्धारित समय से पहले पूरे कर लें तथा हड़ताल अवधि में आवश्यकतानुसार डिजिटल बैंकिंग माध्यमों और अन्य उपलब्ध वैकल्पिक सेवाओं का उपयोग करें।

भवन के अभाव में हाई स्कूल में लग रही उच्चतर माध्यमिक की कक्षाएं, पढ़ाई हो रही प्रभावित

नेवरगांव वा. हायर सेकेण्डरी स्कूल का उन्नयन हुए 15 साल बाद भी नहीं हुआ भवन स्वीकृत

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शिक्षा के क्षेत्र में शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित कर शिक्षा को बढ़ावा देने का दावा किया जा रहा है। वहीं दूर-दराज के गांवों में माध्यमिक स्कूल के बाद हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूल न होने से कई छात्र-छात्राओं की पढ़ाई छूट जाती थी। इस समस्या के समाधान के लिए वर्षों पूर्व कई माध्यमिक स्कूलों को हाई एवं हाई स्कूलों को हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन किया गया है। लेकिन विडंबना यह है कि शासन उन्नयन कर भवन निर्माण करवाना ही भूल गया। ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. का है। यहां स्थित शासकीय हाई स्कूल का वर्ष 2011 में यानि 15 वर्ष पूर्व हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन किया गया था परंतु आज तक इसके नवीन भवन को स्वीकृति नहीं मिल सकी है। भवन और मूलभूत सुविधाओं के अभाव में छात्र-छात्राओं को पढ़ाई करने तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं को अध्यापन कार्य करवाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस समस्या से कई बार स्कूल प्रशासन के द्वारा शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों को अवगत करवा दिया गया है। लेकिन स्कूल उन्नयन हुए 15 वर्ष बाद भी नवीन भवन की स्वीकृत नही हो पाया है। जिससे विद्यार्थी, अभिभावकों एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

कमरे पड़े कम, माध्यमिक स्कूल में भी लगानी पड़ रहीं कक्षाएं

आपको बता दें कि शासन के द्वारा सभी छात्र-छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर बेहतर भविष्य बना सके और दुर स्कूल होने पर उनकी पढ़ाई छुट न जाये इसलिए दुर-दराज के ग्रामों में माध्यमिक स्कूल होने के बाद हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में उन्नयन किया गया। यानि की छात्र-छात्राओं की छुट रही पढ़ाई का समाधान किया गया है तो वहीं एक नई समस्या आ गई कि शासन के द्वारा जिन स्कूलों का उन्नयन किया गया था। उनमें से कुछ स्कूल अपने पुराने भवन में ही संचालित हो रहे है और कमरे व भवन छोटा होने के कारण उन्हे पढ़ाई करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शासन ने कक्षा तो बढ़ा दी परंतु उस स्कूलों को भवन देना भुल गया है जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव वा., बघोली, नगपुरा में हायर सेकेण्डरी स्कूल का भवन नही है। जबकि शासन को स्कूलों के उन्नयन के साथ ही भवन भी स्वीकृत कर देने चाहिए थे ताकि भविष्य में विद्यार्थियों की कक्षाओं के संचालन में परेशानी न हो सके। वहीं नेवरगांव वा. स्कूल का हायर सेकेण्डरी में उन्नयन हुए 15 वर्ष होने के बाद भी अब तक नवीन भवन का निर्माण नही हुआ है। जबकि वर्तमान में हाई स्कूल के सीमित भवन में ही कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। स्थान और कमरों की अत्यधिक कमी के कारण कुछ कक्षाओं को मजबूरी में पास ही स्थित माध्यमिक स्कूल के कमरों में संचालित करना पड़ रहा है। इसके अलावा परिसर में बाउंड्रीवाल न होने से असामाजिक तत्वों का प्रवेश होते रहता है। ये असामाजिक तत्व स्कूल परिसर में गंदगी फैलाने के साथ तोड़-फोड़ कर शासकीय संपत्ति को नुकसान भी पहुंचाते हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की इस अनदेखी से छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों और ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में दर्ज हैं 311 विद्यार्थी

नेवरगांव वा. स्थित हाई स्कूल का वर्ष 2011 में हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन हुआ है। जहां शैक्षणिक सत्र 2026-27 वर्ष में 311 छात्र-छात्राएं दर्ज है एवं 1 प्राचार्य सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं पदस्थ है। जिनके द्वारा सीमित संसाधनों के बावजूद अध्यापन कार्य करवा रहे है। लेकिन कमरों के अभाव में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं ग्रामीणों और स्कूल प्रशासन का कहना है कि यदि उन्नयन के साथ ही भवन भी स्वीकृत कर दिया जाता, तो आज यह स्थिति निर्मित नहीं होती। लंबे समय से की जा रही मांगों के बाद भी जिम्मेदार मौन साधे बैठे हैं। विद्यार्थी, अभिभावक एवं समस्त ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि नेवरगांव वा. में जल्द से जल्द हायर सेकेण्डरी स्कूल के नवीन भवन एवं बाउंड्रीवाल के निर्माण को स्वीकृति प्रदान कर निर्माण कार्य शुरू करवाये।

भवन और बाउण्ड्रीवाल का निर्माण होनी चाहिए - उषा

शास. उमावि. नेवरगांव वा. प्रभारी प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख ने बताया कि वर्ष 2011 में हाई से हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन हुआ है, जिसे 15 वर्ष हो चुके है। लेकिन अब तक भवन का निर्माण नही हुआ है, हाई स्कूल के भवन में ही कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक की कक्षाएं संचालित की जा रही है और वर्तमान में 311 विद्यार्थी दर्ज है, किन्तु कक्ष के अभाव में पढ़ाई प्रभावित होती है। श्रीमती देशमुख ने बताया कि नवीन भवन निर्माण की मांग को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से की गई है और प्रस्ताव भी भेजा गया है, लेकिन अब तक स्वीकृति नही मिली है। जबकि विद्यालय में आर्ट, जीविज्ञान, गणित संकाय के साथ ही व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत एग्रीकल्चर तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर जैसे विषय संचालित किये जा रहे हैं। पर्याप्त कमरे न होने के कारण अतिरिक्त कक्षाएं और प्रयोगशाला संबंधी कार्य प्रभावित होते हैं। गणित व अन्य विषयों की कक्षाओं के संपादन के लिए कई बार विद्यार्थियों को माध्यमिक शाला के भवन में भी भेजना पड़ता है। साथ ही बाउण्ड्रीवाल नही होने के कारण बाहरी लोग विद्यालय परिसर में पहुंचकर नुकसान पहुंचाते है, इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि शीघ्र ही हायर सेकेण्डरी स्कूल का भवन एवं सुरक्षा की दृष्टि से बाउण्ड्रीवाल का निर्माण करवाये।

मंडी परिसर में हवन-पूजन का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में लालबर्रा विकासखंड की सबसे पुरानी श्री गणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के तत्वाधान में गत 14 सितंबर को विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर

गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। 25 सितंबर को दोपहर में हवन-पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित के द्वारा हवनपूजन संपन्न करवाया गया। जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर हवनकुण्ड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। जिसके बाद शाम में डीजे की धून पर शोभायात्रा निकालकर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। चर्चा में श्री गणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति के द्वारा विगत वर्षों से मंडी परिसर में प्रथम आराध्य देव श्रीगणेश की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कर गणेशोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया गया। साथ ही यह भी बताया कि 25 सितंबर को हवन-पूजन संपन्न होने के साथ आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं रात में बैंडबाजे के साथ भगवान श्रीगणेश की शोभायात्रा निकाली गई। जो अमोली ढूटीवीयर बड़ी नहर पहुंची जहां विधि-विधान से पूजन अर्चन कर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय सेवा योजना का 58 वॉ स्थापना दिवस' और सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 25 सितंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सेवा संकल्प अभियान के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय सेवा योजना का 58 वॉ स्थापना दिवस एवं सेवा सेतु-सरकार आपके द्वारा योजना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को विकसित करना रहा। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायी एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसने कार्यक्रम के वातावरण को उत्साह एवं ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं समाज सेवा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को छोटी सी कहानी के माध्यम से समाज में सहयोग, संवेदना और मानवता की भावना की ओर प्रेरित किया। सुमन बरवा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को केवल शिक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करती है। "सेवा सेतु" के माध्यम से विद्यार्थियों एवं समाज के बीच सेवा सहयोग का सेतु स्थापित करने का संदेश दिया गया। डॉ. देवराज चौरे ने विद्यार्थियों को विभिन्न छात्रवृति योजनाओं के संबध में जानकारी प्रदान की और उन्होंने छात्रवृति की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन की समय-सीमा तथा छात्रवृति से मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। नरेश सौलखे ने विद्यार्थियों को शासन की आवास योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की और पात्र हितग्रहियों को आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य, योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज एवं योजना से मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। महाविद्यालय की छात्रा समरिता गजभिये ने अपने एन.एस.एस के अनुभवों को छात्राओं के साथ साझा करते हुए अपने कार्यकाल के दौरान किये गये विभिन्न सामाजिक और जनसेवा कार्यों का उल्लेख किया। विद्यार्थी गणेश कारे ने कहा कि एन.एस.एस. के माध्यम से हमें गांवों में स्व'छता अभियान, रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे अनेक कार्यक्रमों का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती अनिभा शरणागत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे, पीतम मुरते, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे सहित छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारों से गुंजायमान हुआ क्षेत्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचल में प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की आराधना का दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व अपार श्रध्दा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। 25 सितंबर को पर्व के अंतिम दिन 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' और 'एक दो तीन चार, गणेश जी की जय-जयकार' के गगनभेदी जयकारों के साथ श्रध्दालुओं ने भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। नगर मुख्यालय में सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों एवं श्रध्दालुओं द्वारा अपने घरों में गत 14 सितंबर को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित कर 10 दिवस तक आराधना की। वहीं कुछ समितियों एवं श्रध्दालुओं ने प्रतिमाओं के समक्ष 25 सितंबर को विशेष पूजन, हवन और भंडारे का

आयोजन किया। इस अवसर पर श्रध्दालुओं को महाप्रसादी वितरण करने के पश्चात डीजे, ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की मधुर धुनों के साथ भगवान श्री गणेश विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रध्दालुओं ने भक्ति गीतों पर जमकर नृत्य किये और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की खुशियां बांटी।

विभिन्न जलाशयों में किया गया विसर्जन, बारिश पर भारी पड़ा श्रध्दालुओं का उत्साह

भगवान श्रीगणेश की विसर्जन शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पांढरवानी स्थित बड़ा तालाब, सर्राटी नदी, ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर और वैनगंगा नदी के पोटियापाट घाट पहुंची। जहां विधि-विधान से महाआरती के बाद प्रतिमाओं को जल में विसर्जित किया गया। वहीं ग्रामीण अंचलों में भी श्रध्दालुओं ने स्थानीय नदी, नालों और तालाबों में प्रतिमाओं का विसर्जन किया। विसर्जन का यह दौर देर रात तक चलता रहा। 25 सितंबर को दिनभर रूक-रूक कर बारिश होती रही, लेकिन इससे श्रध्दालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। बारिश के बीच भी जनसैलाब सड़कों पर डटा रहा और पूरी निष्ठा व आनंद के साथ विसर्जन जुलूस में श्रध्दालुजन शामिल हुए और प्रतिमा विसर्जित कर भगवान श्रीगणेश को भावभीनी विदाई दिये। वहीं भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए नगर मुख्यालय और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। विसर्जन वाले स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के कारण विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जिससे समाचार लिखे जाने तक किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

दिगम्बर जैन मंदिर से निकली श्रीजी की शोभायात्रा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित दस दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण पर्व का 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ। अनंत चतुर्दशी के दिन प्रात: के समय मंदिर में जैन धर्मावलंबियों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना व अभिषेक किया गया। तत्पश्चात शाम 4 बजे बैंड-बाजे एवं भक्ति भजनों के साथ भगवान श्रीजी की शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर बस स्टैंड व हाईस्कूल मार्ग होते हुए सुधीर जैन के निवास स्थान पहुंची, जहां श्रध्दालुओं के द्वारा पूजन-अर्चन किया गया। जिसके बाद शोभायात्रा पुन: दिगम्बर जैन मंदिर पहुंची, जहां श्रीजी का पूजन-अभिषेक संपन्न हुए एवं रात 8 बजे महाआरती के बाद भजन संध्या, ब'चों द्वारा रंगारंग धार्मिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के अध्यक्ष प्रशांत जैन ने बताया कि गत 16 सितंबर से शुरू हुआ पर्युषण पर्व 25 सितंबर तक पूर्ण भक्तिभाव व उल्लास के साथ मनाया गया। पर्व के दौरान प्रतिदिन प्रात: 5.30 से 7 बजे तक अर्हं योग शिविर, प्रात: 7.30 बजे से भगवान महावीर स्वामी का पूजन-अभिषेक, प्रवचन एवं शाम में महाआरती के पश्चात विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। श्री जैन ने बताया कि इस वर्ष पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर अर्हं योग प्रणेता मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज की शिष्या अनिता जैन दीदी का सागर से लालबर्रा आगमन हुआ। उनके सानिध्य में अर्हं योग एवं पूजन-अभिषेक संपन्न करवाये गये और प्रतिदिन संगीतमय प्रवचन प्रस्तुत किये गये। साथ ही पर्युषण पर्व उत्तम क्षमा धर्म से प्रारंभ होकर उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर समाप्त होने वाले इस पर्व में संपूर्ण जैन समाज की सहभागिता रही। इस अवसर पर दिगम्बर जैन समाज के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ढोल ताशा और जय घोष के साथ गणेश प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। १४ सितंबर से प्रारंभ हुआ १० दिवसीय गणेश उत्सव का समापन २५ सितंबर को अनंत चतुर्दशी के साथ हो गया। इस वर्ष क्षेत्र के तीन थाना अंतर्गत सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियां के द्वारा जगह.जगह भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर १० दिवस पूरे भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की गई। जिसमें अंतिम दिन गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ जैसे जयकारों के साथ विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा का समापन नदी नालो नहर तालाबों पर किया गया । इस दौरान पुलिस प्रशासन के द्वारा जगह जगह पुख्ता बंदोबस्त तैनात रखा गया। इस वर्ष तिथि के अनुसार गणेश उत्सव ११ दिन का मनाया गया जिसमें २५ सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन सर्वाधिक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ।

इन स्थानों पर हुआ विसर्जन

गणपत्ती बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के गुंजायमान उद्घोष के साथ २५ सितंबर को भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। हालांकि सुबह से ही नहर में मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। नगर के वार्ड नं.३ बड़ी नहर, लाल किवाड़ी, हिमाचल नगर वार्ड क्रमांक १ एवं रामपायली रोड़ स्थित नहर ,चन्दन नदी ,शंकर तालाब के साथी ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न तालाबों एवं नालो सहित अन्य स्थानों पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन का दौर प्रारंभ रहा।

पुलिस व्यवस्था रही चाक चौबंद

गौरतलब है कि नगर के भीतरी सीमा से होकर निकली बड़ी नहर पर वहीं शंकर तालाब एवं नगर के किनारे से गुजरने वाली चंदन नदी में प्रतिवर्ष गणेश विसर्जन का कार्य किया जाता है। जिसकी वजह से नहर में पुलिस की चाक चौबंदी के साथ ही नपा द्वारा लाईट व्यवस्था बनाई जाती है। इस मर्तबा भी दोनों ही व्यवस्था ठीक रही। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच नगर वासियों के द्वारा विसर्जन कार्य किया जाता रहा।

डीजे की धुन पर झूमे भक्त

दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व का समापन भगवान श्री गणेश की प्रतिमा विसर्जन के साथ ही समारोह पूर्वक हुआ। हालांकि इस विसर्जन कार्य में दिन भर की बारिश ने जरूर लोगों को हलाकान किया लेकिन भक्तों ने डीजे की धुन पर थिरक कर भगवान श्रीगणेश का विसर्जन बड़े ही उत्साह के साथ किया। नगर के विभिन्न मार्गों पर ढोल नगाड़ों सहित डीजे की आवाज सुनाई देती रही जिसमें भगवान गणेश के भक्ति गीत बजाते रहे।

देर रात्री तक चला विसर्जन

प्रतिमा विसर्जन का सिलसिला सुबह से शुरू हुआ जो देर रात्री तक जारी रहा। आज भी कुछ सार्वजनिक पण्डाल में विराजे गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होने की बात कहीं जा रही है। इन सार्वजनिक पंडालों ने अपनी अलग ही रणनिति विसर्जन को लेकर बनाई है। नगर के सार्वजनिक पंडालों के द्वारा शोभायात्रा के रूप में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जायेगा। यह शोभायात्रा सर्वप्रथम सार्वजनिक पंडालों एवं घरों से निकलकर नगर के चौक चौराहों का भ्रमण करेगी और उसके बाद बड़ी नहर के तट पर पहुँचेगी जहां प्रतिमाओं का विसर्जन विधि विधान से किया जायेगा।

हवन पूजन व भंडारे का हुआ आयोजन

वहीं विसर्जन के एक दिन पूर्व पण्डालों में हवन पूजन के साथ ही विशाल भण्डारे का आयोजन हुआ है। जिसमें नगर ही नही आसपास के ग्रामीणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पुण्य लाभ अर्जित किया। हालांकि कुछ पंडालों में हवन पूजन का कार्य व भंडारे का आयोजन २४ सितंबर को किया ताकि भंडारे के बाद भगवान श्रीगणेश की छोटी पूजा मूर्ति का विसर्जन किया जा सके।

धूमधाम से मनाया जाता है गणेशोत्सव

गौरतलब है कि हमारा जिला महाराष्ट्र राज्य की सीमा से सटे होने के कारण श्री गणेश का दस दिवसीय पर्व धूमधाम से मनाये जाने का रिवाज प्रजलित है। जहां एक और श्रृध्दालुभक्त अपने अपने घरों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूजन अर्चन करते है, वहीं सार्वजनिक पण्डालों में भी भगवान श्री गणेश की स्थापना होती है। सार्वजनिक रूप से रखे जाने वाले भगवान श्री गणेश के पण्डालों में आराधना के साथ भक्तिपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। इस मर्तबा भी नगर के सार्वजनिक पंडालों में विभिन्न प्रकार के भक्तिपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

केशव स्कूल में गूंजा सामूहिक वंदे मातरम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा आयोजित नमामि भारतम् वंदे मातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम के अंतर्गत केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल, में सामूहिक वंदे मातरम् गायन का आयोजन उत्साह एवं देशभक्ति के वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम भाद्रपद शुक्लपक्ष चर्तुदशी विक्रम संवत २०८३ २५ सितम्बर २०२६ प्रात: ११ बजे वंदे मातरम् के १५० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में योगेश राहंगडाले , भोजराज पटले उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय मंधाता ने की। इस अवसर पर ज्ञान विकास समिति के सचिव शौर्य रूसिया एवं विद्यालय के प्राचार्य मयंक मिश्रा सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने निर्धारित समय पर एक साथ एक लय और एक स्वर में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। सामूहिक गायन के दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति के भाव से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। योगेश राहंगडाले ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम के ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मूल भाव एक समय एक लय एक स्वर वंदे मातरम रहा। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक साथ वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर राष्ट्रप्रेम एवं एकता की भावना को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन एवं देश के प्रति गौरव की भावना को सुदृढ़ करना रहा। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को भारत की सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में संजय मंधाता के द्वारा सभी अतिथियों, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति की भावना में हुआ। विद्यालय परिवार ने इस अखिल भारतीय आयोजन में सहभागिता को गौरवपूर्ण अनुभव बताया।

किसानों की समस्याओं को लेकर खैरलांजी में गरजा किसान संगठन

मुख्यमंत्री के नाम ११ सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलाँजी क्षेत्र के किसानों की विभिन्न गंभीर समस्याओं और उनके हक अधिकारों को लेकर २५ सितंबर को किसान गर्जना संगठन के द्वारा शासन प्रशासन के खिलाफएक विशाल जनांदोलन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी, किसान गर्जना जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे सहित ने आंदोलन के दौरान उपस्थित किसान नेताओं और ग्रामीणों ने सरकार के द्वारा किसानों के साथ की जा रही वादाखिलाफी तथा शासन की दोहरी नीतियों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने ने कहा कि सरकार अपने चुनावी वादों से मुकर रही है जिससे किसान भुखमरी और आर्थिक तंगी की कगार पर पहुंच गए हैं। किसानों ने मांग की कि शासन अतिशीघ्र अपने वादों पर खरा उतरे और क्षेत्र के किसानों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करें। इस आंदोलन में किसान गर्जना संगठन के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

नायाब तहसीलदार को सौंपा ११ सूत्रीय ज्ञापन

आंदोलन के समापन पर किसान गर्जना संगठन के बैनर तले मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम ११ सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन नायाब तहसीलदार खैरलांजी को सौंपा गया। ज्ञापन में क्षेत्र में लगातार बारिश एवं कीट व्याधि के प्रकोप से धान की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। खैरलांजी क्षेत्र को अविलंब आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर किसानों को फसल मुआवजा, प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ एवं २५००० रुपये प्रति किसान बोनस राशि दी जाने, सरकार अपने चुनावी वादे के अनुसार किसानों की धान ३१०० रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर खरीदें, कृषि पंपों के लिए प्रतिदिन १८ घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए, उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए धान की खरीदी ३१०० रुपये प्रति क्विंटल सरकारी समर्थन मूल्य पर ही की जाए, क्षेत्र के सभी किसानों की बिना किसी शर्त के संपूर्ण कर्जमाफी की जाने, धान की फसलों में कीट एवं माहू लगने से फसलें नष्ट हो रही हैं तत्काल सर्वे कराकर अतिशीघ्र मुआवजा राशि दी जाने,क्षेत्र में जारी जुआ सट्टा, अवैध शराब, गोतस्करी एवं चोरी की घटनाओं पर तत्काल सख्त कार्यवाही की जाने, बाजार में बिक रहे नकली खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाइयों पर तुरंत कार्यवाही करते हुए कड़े प्रतिबंध लगाए जाने, ग्रामीणों की सुविधा के लिए खैरलांजी मुख्यालय, आरंभा और मिरगपुर इन तीन स्थानों में आधार कार्ड सेंटर खोले जाने, क्षेत्र में जंगली सुअरों का आतंक अत्यधिक बढ़ चुका है, जिससे धान, गन्ना,सुरन, सुहिया, चना, हल्दी आदि की फसलें बर्बाद हो रही हैं। डर के मारे किसान खेतों में नहीं जा पा रहे हैं, अत: किसानों को सुअर मारने का अधिकार दिया जाने। जर्जर हो चुकी सिंचाई नहरों की तत्काल मरम्मत कराई जाने मांग की गयी। कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी से भी क्षेत्र में अमन चैन बनाए रखने, पीडित किसानों व ग्रामीणों की समस्याओं का संवेदनशीलता से निराकरण करने और अपराधों पर नियंत्रण हेतु कड़े कानून का पालन कराने की मांग की गई। थाना प्रभारी ने क्षेत्र में पूरी तरह से शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का भरोसा दिया।

भाजपा सरकार किसानों के साथ वादाखिलाफी और दोहरी नीति अपना रही-रामकुमार नगपुरे

जिलाध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने कहा की मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के साथ लगातार वादाखिलाफी और दोहरी नीति अपना रही है। चुनाव के समय किसानों से बड़े.बड़े वादे किए गए थे लेकिन आज जब किसान प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है तो सरकार ने आंखें मूंद ली हैं। खैरलांजी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश और कीट.व्याधि माहू के प्रकोप से किसानों की धान की फसलें पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं। हमारी शासन.प्रशासन से मांग है कि पूरे खैरलांजी क्षेत्र को अविलंब आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित किया जाए। किसानों को तत्काल फसल मुआवजा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ देकर सरकार अपने चुनावी वादे पर खरा उतरते यदि शासन प्रशासन ने हमारी ११ सूत्रीय मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कदम नहीं उठाया और किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो किसान गर्जना संगठन पूरे जिले में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी।

वारा में बने जामुन की लकड़ी के भोलेबाबा और इलायची से बने श्रीगणेश को देख मन प्रसन्न -प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।नगर के निकट वारा ग्राम पंचायत में वार्ड नं.८ में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवयुवक बाल गणेश उत्सव समिति ने अपनी विशिष्ट पहचान कराकर ईको फेंडली गणेश प्रतिमा की शानदार स्थापना की है। इस पंडाल के दर्शन के लिये ग्रामो से ही नही अपितू नगर से भी भक्तगण अधिक संख्या में दर्शन के लिये आते देखे जा रहे है। इस पंडाल में विशेष रूप से सिवनी के कलाकारो से बनाकर लायी हुयी गणेश प्रतिमा में भोलेबाबा का स्वरूप आंजन,पीपल,बड और जामुन की लकडी से दिया गया है। वहीं श्रीगणेश जी का स्वरूप मूंगफली,लौंग, फल्ली दाना और ईलायची से देकर भक्तो को भावविभोर कर दिया गया है। बेहद मनोहारी प्रतिमा के उपर भी साज सज्जा में ईको फेंडली स्वरूप का ध्यान रखकर डेकोरेशन में बांस की टोकनी, हरियाली और कुम्हारो के हाथ से बने मिटटी के घडो का उपयोग किया गया है। और तो और डेकोरेशन के बाहरी स्वरूप को असम की लाल रंग की झोपडी की तरह बनाकर कलाकार ने अपनी कला की विशेष पहचान बनायी है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की इसके पूर्व भी वारा ग्राम में इसी समिति ने नारियल, रूद्राक्ष और मावा से तैयार प्रतिमा तैयार कर अपनी अलग पहचान कायम की है। इस साल भी ईको फेंडली का ध्यान रखकर समिति ने प्रकृति की रक्षा और हमारी परपंराओं को जीवित रखने का एक बेहतरीन और सराहनीय कदम उठाया है। दूसरी ओर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने वारा फ्लाई ओवर के पास इंडेन गैस एंजेसी के निकट बेहद मनोहारी गणेश प्रतिमा के दर्शन कर आर्शीवाद भी प्राप्त किया है। इस साल पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के निज निवास में भी लंबोदर महाराज की स्थापना की गयी। प्रतिदिन प्रात व शाम की आरती में भक्तो की भारी भीड ने दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया। आज दोपहर समय पूर्व मंत्री ने गणेश जी का विधि विधान के साथ हवन पूजन कर धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न किया। पश्चात भक्तिपूर्ण व मंगलमय वातावरण में गाजे बाजे के साथ नहर में विसर्जन कर कामना की कि विघ्नहर्ता गणेश जी क्षेत्र के सभी भक्तो के सभी संकटो और बाधाओं को आप दूर करे। साथ ही हे बप्पा, अगले वर्ष हमारे घर में आप जल्दी आईये।

सरस्वती विद्यालय में हुआ नमामि भारत वंदे मातरम् कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित एक समय एक लक्ष्य और एक स्वर में वंदे मातरम् गायन को लेकर नमामि भारतम् .वंदे मातरम् कार्यक्रम २५ सितंबर को किया गया । वंदे मातरम् के १५० वर्ष पूर्ण होने पर मातृभूमि के प्रति श्रद्धा सम्मान और राष्ट्र प्रेम की भावना को जन जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया । इस कार्यक्रम में साक्षी के रूप में बालचंद राहंगडाले ,कुंजीलाल चौहान ,जितेंद्र टेभंरे , विजय तेलास्कर की उपस्थिति में संपन्न हुआ ।जिसमें सर्वप्रथम भारत माता ,मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर सरस्वती वंदना की गई । तत्पश्चात अधिकारियों का परिचय देकर तिलक अभिनंदन एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया । तत्पश्चात प्रात: ११ बजे एक स्वर एक लक्ष्य एक समय एक साथ सभी अधिकारियों ,विद्यालय प्राचार्य ,आचार्य परिवार एवं भैया बहन कें द्वारा वंदे मातरम् गायन किया गया । गायन के पश्चात संकुल प्राचार्य ने वंदे मातरम् का अर्थ बताते हुए अपना उद्बबोधन पूर्ण किया । विद्यालय प्राचार्य रविशंकर पटले ने यह अवसर देश भर के नागरिकों को एक सूत्र में जोड़ने वाला गौरव पूर्ण अविस्मरणीय पल बताते हुए आभार व्यक्त कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की । कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती पल्लवी चित्रीव ने किया साथ ही श्रेया बिसेन ,दिव्या नेवारे, चारु पटेल ने विशेष सहयोग प्रदान किया ।

डिजिटल युद्ध के झांसे में युवा वर्ग

कहा जाता है कि किसी भी व्यक्ति या समाज को उद्देश्य विहीन करने के लिए उसको किसी विषय में ऐसा उलझा दिया जाए, जो उसकी दिशा को बदल दे। आज सोशल मीडिया पर बहुत बड़े पैमाने पर यही खेल चल रहा है। तर्क और कुतर्क के सहारे नैरेटिव गढ़ने का यह प्रयास निश्चित ही देश के लिए घातक ही कहा जाएगा। आज सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रचार में भी यह बात गहरे तक दिखाई देती है। समाज को इससे निकलने का प्रयास करना चाहिए, नहीं तो आने वाला समय अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही होगा। खास बात यह है कि इस नैरेटिव को युवा वर्ग और समाज के बीच ले जाने का कार्य कुछ राजनीतिक दल के नेता कर रहे हैं। आज नैरेटिव चलाने के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग भी किया जा रहा है। जो एक प्रकार से युद्ध के रूप ले चुका है। आज सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग समाज में भेद पैदा करने और युवाओं के मानस को भ्रमित करने के लिए किया जा रहा है। वर्तमान समय में देश में युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। इसके साथ ही यह सत्य है कि किसी भी देश को समाप्त करना हो तो वहां की युवा पीढ़ी को गुमराह कर दीजिए। वह देश स्वत: ही समाप्त हो जाएगा। इस खेल वामपंथी ताकतें आग में घी डालने का काम कर रही हैं। युवाओं के मध्य यह नैरेटिव स्थापित करने का खेल इसलिए भी किया जा रहा है, क्योंकि युवाओं का मन एक कोरे कागज की तरह होता है, उसे जो बताया जाएगा, उसी को सत्य मान लेता है। यह खेल युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा ही है। इसलिए ऐसे किसी भी कृत्य से बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है। यह एक ऐसा युद्ध है, जिसकी कोई सीमा दिखाई नहीं देती। यह युद्ध सूचनाओं, तस्वीरों, वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट और डिजिटल नैरेटिव के माध्यम से लड़ा जा रहा है। किसी देश की छवि को प्रभावित करना, उसकी संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करना और झूठ को इतनी तेजी से फैलाना कि सत्य पीछे छूट जाए। डिजिटल युद्ध की यही सबसे गंभीर चुनौती है। आज सत्य पर प्रहार करने का प्रयास किया जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के विस्तार ने इस खतरे को और जटिल बना दिया है। अगर एआई का उपयोग युवाओं को सार्थक दिशा देने के लिए किया जाए तो इसके अपेक्षित परिणाम भी मिल सकते हैं, लेकिन इसके लिए केवल सरकारी प्रयास ही काफी नहीं हैं, समाज के जागरण में सक्रिय संस्थाओं और व्यक्तियों को खुलकर सामने आना होगा। आज किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज को बदलकर ऐसा वीडियो तैयार किया जा सकता है, जिसमें किसी वास्तविक घटना के साथ झूठा विवरण जोड़कर उसका अर्थ बदला जा सकता है। यही वह बिंदु है जहां सूचना और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। हालांकि भारत सरकार ने भी डीपफेक और एआई जनित भ्रामक सामग्री की चुनौती को गंभीरता से लिया है। लेकिन झूठ की ताकत हमारी जल्दबाजी से बढ़ती है। किसी दुष्प्रचार अभियान की सफलता केवल उसे बनाने वाले पर निर्भर नहीं करती। उसकी असली शक्ति उस समाज से आती है, जो बिना जांचे उसे आगे बढ़ाता है। एक सनसनीखेज शीर्षक दिखाई दिया, भावनाएं भड़कीं और व्यक्ति ने बिना स्रोत देखे उसे साझा कर दिया। कुछ ही मिनटों में वह सामग्री हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। यहीं नागरिक की जिम्मेदारी शुरू होती है। सोशल मीडिया पर किसी संदेश को साझा करना अब केवल व्यक्तिगत प्रतिक्रिया नहीं रह गया है। प्रत्येक शेयर उस सूचना की विश्वसनीयता को बढ़ाता है। यदि सूचना गलत है तो अनजाने में किया गया साझा करना भी दुष्प्रचार की श्रृंखला का हिस्सा बन जाता है। इसलिए डिजिटल नागरिकता का अर्थ केवल तकनीक का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि सूचना के प्रति विवेकपूर्ण व्यवहार करना भी है।

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

(विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस, 26 सितंबर 2026 पर विशेष:)

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना। यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव ब?ने की जमीन तैयार हो रही है। जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बड़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जु? जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जु?ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या ब?ना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को रखकर केवल

इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा। आज दुनिया को इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था से रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौ?ी स?कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पी?ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को ब? लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक ब?ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले वन हैल्थ दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है। नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना पर्यावरण स्वास्थ्य बजट बनाए। इसमें केवल स?क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल, कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं, हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है, जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है, मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं, बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता। दोनों को एक साथ चलना होगा। स्वच्छ हवा, निर्मल जल, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित भोजन, संतुलित जलवायु और समृद्ध जैव-विविधता-ये पर्यावरण के विषय भर नहीं, मानव जीवन के मौलिक अधिकार हैं। अंतत: हमें ऐसी दुनिया बनानी है जहां अस्पताल कम और स्वस्थ जीवन अधिक दिखाई दे, जहां बोतलबंद पानी खरीदना मजबूरी नहीं, सुरक्षित प्राकृतिक जल सामान्य जीवन का हिस्सा हो। जहां वृक्ष सजावट नहीं, जीवन-सहचर माने जाएं, जहां नदी संसाधन नहीं, जीवंत धरोहर समझी जाए। पर्यावरण को स्वस्थ करना ही मानव स्वास्थ्य को स्वस्थ करना है और मानव जीवन को स्वस्थ बनाना ही पर्यावरण की सबसे बड़ी सुरक्षा है।

-ललित गर्ग

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

-कांतिलाल मांडोत

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे।

रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा

परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि परमाणु शक्ति का वैश्विक संतुलन अभी भी मुख्य रूप से रूस और अमेरिका के इर्द-गिर्द केंद्रित है। हालांकि चीन की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। एसआईपीआरआई के अनुसार चीन अपने परमाणु जखीरे का विस्तार किसी भी अन्य परमाणु शक्ति की तुलना में तेज गति से कर रहा है। उसके पास जनवरी 2026 तक करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है और वह बड़ी संख्या में मिसाइल प्रणालियों को विकसित और तैनात कर रहा है। चीन के परमाणु आधुनिकीकरण का असर एशिया के सामरिक संतुलन पर भी पड़ता है। भारत की स्थिति को केवल परमाणु हथियारों की संख्या से नहीं देखा जा सकता। किसी देश की सैन्य शक्ति में परमाणु क्षमता के साथ मिसाइल प्रणाली, समुद्री शक्ति, वायुसेना, थलसेना, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, साइबर क्षमता, रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीक की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से भारत दुनिया की प्रमुख सैन्य शक्तियों में शामिल है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 92.1 अरब डॉलर हो गया और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा। अमेरिका 954 अरब डॉलर के साथ पहले, चीन 336 अरब डॉलर के साथ दूसरे और रूस 190 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर था। भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु सुरक्षा, समुद्री निगरानी, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, ड्रोन, अंतरिक्ष तकनीक, साइबर सुरक्षा और स्वदेशी रक्षा उत्पादन आज राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। दुनिया के बड़े देशों में सैन्य खर्च बढ़ने का एक कारण भी यही बदलता हुआ सुरक्षा वातावरण है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 2.9 लाख करोड़ डॉलर के बराबर पहुंच गया और लगातार 11वें वर्ष इसमें वृद्धि हुई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत दुनिया के पांच सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देश रहे। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह सुरक्षा जरूरतों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करे। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन बढ़ने से न केवल सुरक्षा मजबूत होती है बल्कि विदेशी निर्भरता भी कम होती है। आधुनिक तकनीक और अनुसंधान में निवेश आने वाले समय में पारंपरिक हथियारों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

मजबूत प्रतिरोधक क्षमता ही सुरक्षा की आधारशिला

परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाना अपने आप में किसी देश को अधिक सुरक्षित बनाने का एकमात्र रास्ता नहीं है। परमाणु शक्ति का वास्तविक महत्व विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता, सुरक्षित कमान और नियंत्रण तथा ऐसी क्षमता में है जिससे किसी भी संभावित हमले की स्थिति में प्रभावी जवाब दिया जा सके। भारत लंबे समय से विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति की बात करता रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत अपनी परमाणु नीति में विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है। वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में भारत को अपनी सुरक्षा नीति का लगातार मूल्यांकन करते रहना होगा। रूस और अमेरिका के विशाल परमाणु जखीरे, चीन के तेजी से बढ़ते परमाणु भंडार और पाकिस्तान की परमाणु क्षमता के बीच भारत के लिए रणनीतिक संतुलन बनाए रखना आसान नहीं है। इसके साथ ही आधुनिक युद्ध का स्वरूप भी बदल रहा है। अब केवल परमाणु हथियार ही नहीं बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर तकनीक, ड्रोन, अंतरिक्ष और सटीक मारक क्षमता भी युद्ध की दिशा प्रभावित कर सकती है। इसलिए भारत को अपनी रक्षा शक्ति को व्यापक आधार पर मजबूत करना होगा। स्वदेशी रक्षा उत्पादन, अत्याधुनिक अनुसंधान, मजबूत सीमाई ढांचा, समुद्री सुरक्षा, वायु शक्ति और विश्वसनीय रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता पर लगातार निवेश आवश्यक है। किसी भी देश की सुरक्षा केवल बयानबाजी से नहीं बल्कि उसकी वास्तविक क्षमता से सुनिश्चित होती है। एसआईपीआरआई ने यह भी चेतावनी दी है कि दुनिया में परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण के साथ गलत आकलन और तनाव बढ़ने का खतरा भी बढ़ रहा है। इसलिए भारत के सामने चुनौती दोहरी है। उसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त और विश्वसनीय सैन्य क्षमता बनाए रखनी है और साथ ही परमाणु टकराव के जोखिम को नियंत्रित रखने के लिए जिम्मेदार नीति भी अपनानी है। रूस का विशाल परमाणु जखीरा, अमेरिका की व्यापक सैन्य क्षमता और चीन का तेजी से बढ़ता सामरिक ढांचा यह संकेत देता है कि आने वाला समय तकनीकी और रणनीतिक रूप से और अधिक प्रतिस्पर्धी होगा। भारत को इस बदलती दुनिया में अपनी सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करते हुए आर्थिक शक्ति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सैन्य क्षमता तीनों को साथ लेकर चलना होगा। यही दीर्घकालीन राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बन सकती है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय

चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार लिखित आपत्ति की अनदेखी का मतलब है कि केंदीय चुनाव आयोग में सब कुछ सही नहीं चल रहा है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की प्रक्रिया का नाम नहीं है। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से तय होती है कि चुनाव कितने पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय तरीके से कराए जाते हैं। ऐसे में चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के भीतर उठने वाली किसी भी असहमति को महज प्रशासनिक प्रक्रिया मानकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची से जुड़े फैसलों पर चुनाव आयोग के दो आयुक्तों की ओर से बार-बार यानी 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज किए जाने की खबर ने इसी कारण गंभीर सवाल खड़े किए हैं। राजनीतिज्ञों को भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि इसका हल कैसे निकाले ? वहीं ऐसी बातों से मतदाताओं के बीच भी लोकतंत्र की इस संवैधानिक संस्था के प्रति सोचना पड़ता है। यह ऐसे संस्था है कि जहां कुछ भी हो तुरंत प्रभावी कार्य हो जिससे पारदर्शिता सबके सामने आये।

देश के प्रतिष्ठित अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद देश में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब दस महीनों में आयोग के विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराईं। बताया गया है कि इन आपत्तियों का संबंध केवल तकनीकी या प्रक्रियागत विषयों तक सीमित नहीं था, बल्कि मतदाता सूची में नाम जोडने और हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता डेटा के केंद्रीकरण तथा चुनावी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तक अधिकारियों की पहुंच जैसे संवेदनशील मुद्दों से था। यहां मूल चिंता यह नहीं है कि किसी संवैधानिक संस्था में अलग-अलग राय क्यों सामने आईं। लोकतांत्रिक संस्थाओं में असहमति अपने आप में कोई कमजोरी नहीं है। बल्कि स्वस्थ संस्थागत व्यवस्था में अलग राय रखना और उसे रिकॉर्ड पर दर्ज करना एक आवश्यक प्रक्रिया मानी जाती है। चिंता तब पैदा होती है जब यह सवाल उठे कि क्या उन आपत्तियों पर पर्याप्त विचार किया गया और क्या निर्णय प्रक्रिया वास्तव में सभी संबंधित सदस्यों की भागीदारी से आगे बढ़ी?

चुनाव आयोग तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी इसके सदस्य हैं। यदि दो सदस्यों की ओर से महत्वपूर्ण मामलों में बार-बार लिखित आपत्तियां दर्ज की गई हैं, तो इन आपत्तियों की प्रकृति, उनका निस्तारण और अंतिम निर्णय तक पहुंचने की प्रक्रिया सार्वजनिक विमर्श का विषय बनना स्वाभाविक है। विशेष रूप से मतदाता सूची का मामला अत्यंत संवेदनशील है। मतदाता सूची केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं होती। यही वह आधार है जो तय करती है कि चुनाव के दिन कौन नागरिक अपने मताधिकार का

इस्तेमाल कर सकेगा। इसलिए मतदाता सूची में किसी नाम का जुडऩा, हटना या बहाल होना सीधे तौर पर नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर सामने आई आपत्ति इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। फॉर्म-6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला वैधानिक फॉर्म है। रिपोर्ट के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान इसमें ऐसा घोषणा-पत्र जोड़ा गया, जिसमें आवेदक से यह बताने को कहा गया कि उसका या उसके माता-पिता अथवा दादा-दादी का नाम पिछली मतदाता सूची में था या नहीं। यदि किसी प्रक्रिया में इस तरह का महत्वपूर्ण बदलाव किया जा रहा हो और उससे पहले आयोग के ही दो सदस्यों की आपत्ति सामने आई हो, तो यह जानना जरूरी हो जाता है कि उस आपत्ति पर क्या विचार हुआ और बदलाव का अंतिम आधार क्या था। मामला केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। मतदाता सूची के डिजिटल प्रबंधन को लेकर भी सवाल उठे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर के निर्वाचन अधिकारियों की मतदाता डेटा से जुड़े फैसलों को सिस्टम में दर्ज करने की क्षमता प्रभावित हुई। पश्चिम बंगाल में कुछ ऐसे मामलों का भी उल्लेख है, जहां दस्तावेजों की जांच के बाद लोग पात्र पाए गए, लेकिन सॉफ्टवेयर में उनके नाम जोडने की प्रक्रिया को लेकर तकनीकी बाधाएं सामने आईं। गोवा में 97 पात्र मतदाताओं का मामला भी इसी तरह की तकनीकी समस्या से जुड़ा बताया गया है। यह स्थिति एक बुनियादी सवाल खड़ा करती है कि चुनावी प्रक्रिया में अंतिम निर्णय किसका होगा, मैदानी स्तर पर काम कर रहा निर्वाचन अधिकारी या केंद्रीकृत डिजिटल सिस्टम? तकनीक चुनावी प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने का माध्यम हो सकती है, लेकिन वह लोकतांत्रिक निर्णय का विकल्प नहीं बन सकती। किसी तकनीकी प्रणाली में हुई त्रुटि के कारण यदि पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं हो पाता, तो इसका सीधा असर उसके मताधिकार पर पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरे विवाद का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग ने रिपोर्ट में बताए गए कथित आंतरिक मतभेद के निष्कर्ष को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि सदस्यों की ओर से नोटिंग, टिप्पणियां, सुझाव और अलग-अलग राय देना सामान्य संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। आयोग के अनुसार, अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित प्रक्रियाओं के तहत विचार-विमर्श के बाद अंतिम फैसले लिए जाते हैं और एसआईआर सहित महत्वपूर्ण निर्णय तीनों आयुक्तों की मंजूरी से हुए हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि लिखित आपत्तियां अपने आप में आयोग के भीतर किसी निर्णायक विभाजन का प्रमाण हैं। लेकिन यह भी उतना ही सही है कि ऐसी आपत्तियों को पूरी तरह सामान्य प्रशासनिक टिप्पणी कहकर सार्वजनिक चिंता को समाप्त नहीं किया जा सकता। यदि 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज हुई हैं, तो लोकतांत्रिक पारदर्शिता की मांग यही होगी कि कम से कम यह स्पष्ट किया जाए कि किन मुद्दों पर असहमति थी, उन पर क्या विचार हुआ और अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया के तहत लिया गया। विपक्ष ने इन घटनाओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुप्रीम कोर्ट से स्वत- संज्ञान लेने की मांग की है, जबकि राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई और विशेष गहन पुनरीक्षण रोकने की मांग उठाई है। राहुल गांधी ने भी मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे को लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान से जोड़ा है। इन राजनीतिक दावों की अपनी राजनीतिक पृष्ठभूमि है, इसलिए इनका मूल्यांकन स्वतंत्र तथ्यों और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। असल चुनौती किसी एक व्यक्ति या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि चुनावी संस्थाओं पर जनता के भरोसे की है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियादी पूंजी है। इसलिए आयोग के भीतर असहमति सामने आए तो उसका समाधान अधिक पारदर्शिता, स्पष्ट जवाबदेही और सार्वजनिक स्पष्टीकरण से होना चाहिए, न कि केवल विवाद को खारिज कर देने से। जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बदलावों का स्पष्ट ऑडिट ट्रेल उपलब्ध हो। किस अधिकारी ने क्या निर्णय लिया, किस आधार पर लिया, किस स्तर पर उसे बदला गया और तकनीकी प्रणाली ने उस निर्णय को कैसे दर्ज किया। इन सवालों के जवाब लोकतांत्रिक व्यवस्था में अस्पष्ट नहीं रहने चाहिए। साथ ही, आयोग के भीतर दर्ज असहमति और उसके निस्तारण की संस्थागत प्रक्रिया भी स्पष्ट होनी चाहिए।

चुनाव लोकतंत्र का उत्सव तभी बन सकता है, जब हर पात्र नागरिक को यह भरोसा हो कि उसका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित है और चुनावी प्रक्रिया किसी अदृश्य तकनीकी या प्रशासनिक हस्तक्षेप से प्रभावित नहीं होगी। चुनाव आयोग के दो सदस्यों की 14 लिखित आपत्तियों का मामला इसी भरोसे की कसौटी है। असहमति लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं होती; असहमति को सुनने और उसका पारदर्शी समाधान न करने की व्यवस्था जरूर लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकती है।

- सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। शुक्रवार को सामान्य कामकाज के बीच किराना बाजार में शक्कर सुस्त रही। खोपरा गोला टिका रहा। खाद्य तेलों में बाजार सुस्त नज़र आये। अनंत चतुर्दशी के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में व्यापार सुस्त रहने से शुक्रवार को बाजार में नरमी बनी। खोपरा गोला पूर्वस्तर पर टिका रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। अनंत चतुर्दशी के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे :-

किराना- शक्कर 4720-4800, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीर्ड?यम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1760-1780, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1350-1375, सोया रिफाइंड 1410-1420, कपास्या 1520, धूलिया 1510, कड़ी 1510,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन-सरसो 8000, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7000-7100, विशाल 6900-7000, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल-चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, हंसा पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोबेस स्थिरता रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 230500, चाँदी (99) 230400, टंच 229800, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149800,

गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.83 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे चढ़कर 95.85 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू आयातकों, विशेषकर तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख के चलते डॉलर सूचकांक में व्यापक मजबूती घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रही है। हालांकि, कारोबारियों का कहना है कि मुद्रा बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को थामने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हस्तक्षेप कर सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.92 पर खुला। इसके बाद इसमें कुछ सुधार देखा गया और यह 95.85 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे टूटकर 95.99 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था पर अंतिम कारोबारी दिन इसमें तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 315.20 अंक करीब 0.43 फीसदी की बढ़त के साथ ही 73,895.74 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 77.40 अंक तकरीब 0.34 फीसदी की तेजी दर्ज करते हुए 23,140.50 के स्तर पर बंद हुआ। यह बढ़त गुरुवार को हुई भारी बिकवाली के बाद बाजार के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो दिखाता है कि निवेशकों का भरोसा पूरी तरह से डगमगाया नहीं है। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स में शामिल 30 प्रमुख शेयरों में से 20 शेयरों ने बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि बाकी के 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के टॉप गेनर में एक्सिस बैंक सबसे आगे रहा, जिसमें 2.82 फीसदी की उछाल दर्ज की गई। वहीं, ट्रेंट 1.41 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहा। निफ्टी के टॉप गेनर्स की बात करें तो एक्सिस बैंक (3.03फीसदी), एशियन पेंट्स (2.14फीसदी), महिंद्रा एंड द्रा (1.75फीसदी), बजाज फाइनेंस (1.52फीसदी) और पावरग्रिड (1.16फीसदी) ने निवेशकों को मुनाफा दिया। दूसरी ओर, निफ्टी के टॉप लूजर्स में मैक्स हेल्थकेयर (3.06फीसदी), टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (1.54फीसदी), इन्फोसिस (1.41फीसदी), ओएनजीसी (1.31फीसदी) और ट्रेंट (1.14फीसदी) शामिल रहे, जिन्होंने गिरावट दर्ज की। शेयर बाजार में आई इस अप्रत्याशित गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे, जिन्होंने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इनमें सबसे प्रमुख था अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का 19 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना, जिसने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दी थी। इसके अलावा, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीदें भी मजबूत हुई थीं, जिससे विदेशी संस्थागत निवेशकों में बिकवाली का दबाव देखा गया। इन कारकों ने मिलकर भारतीय शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर गिरावट आई, जिसके परिणामस्वरूप निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा और बाजार में नकारात्मक धारणा हावी हो गई थी। हालांकि, शुक्रवार की वापसी ने बाजार में कुछ उम्मीदें जगाई हैं।

भारत का नया निवेश संधि मॉडल कैबिनेट मंजूरी के करीब

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत का नया मॉडल द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) ढांचा तैयार हो चुका है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की संभावना है। वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए मसौदा नोट कैबिनेट सचिवालय को भेज दिया है। यह संशोधित मॉडल भारत की वार्ता प्रक्रियाओं को आसान बनाएगा और निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। 2015 के मौजूदा मॉडल की जगह लेने वाले इस नए ढांचे में कुछ लक्ष्मण रेखाएं तय की गई हैं। इनमें कर से संबंधित कोई प्रावधान शामिल नहीं होगा, ताकि भारत अपनी कराधान संप्रभुता पर कोई समझौता न करे। इसके साथ ही स्थानीय कानूनी प्रावधानों को भी बीआईटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जिससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे। नया मॉडल विदेश में निवेश करने वाले भारतीय कंपनियों को भी पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने पर केंद्रित है। मौजूदा ढांचे में विदेशी निवेशकों के लिए संधि-आधारित मध्यस्थता शुरू करने से पहले पांच साल तक इंतजार करना अनिवार्य है, जिसे अब और अधिक निवेशक-अनुकूल बनाने की मांग की जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के बजट में भी मौजूदा मॉडल में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। भारत इस समय कनाडा और ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ नई संधियों पर बातचीत कर रहा है।

भारत-अमेरिका ने रूस-ईरान प्रतिबंधों पर चर्चा की

न्यूयॉर्क। एजेंसी। अमेरिका और भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के इतर उन देशों पर लगाए जा सकने वाले संभावित प्रतिबंधों पर गहन चर्चा की, जो रूस और ईरान से आर्थिक रूप से जुड़े हैं। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की और क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, रुबियो और जयशंकर ने पश्चिम एशिया और उससे आगे के घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। रुबियो ने जोर देकर कहा कि अमेरिका क्षेत्रीय साझेदारों की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने में बेहतर स्थिति में है। जयशंकर ने रूस प्रतिबंध कानून को लेकर भारत के हितों और चिंताओं को दोहराया। दोनों राजनयिकों ने सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका की भी पुष्टि की। जयशंकर ने एक्स पर इस मुलाकात को अच्छा बताया और खाड़ी तथा यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। इसी बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएन महासभा के इतर कई अन्य महत्वपूर्ण बैठकें भी कीं। उन्होंने भारत-कैरिकॉम विदेश मंत्रियों की बैठक में कैरेबियाई देशों के साथ आर्थिक, डिजिटल और आवागमन के क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कैरेबियाई क्षेत्र में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन व वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का अनुरोध किया। एक सकारात्मक घटनाक्रम के रूप में, भारत को प्रशांत द्वीप समूह फोरम (पीआईएफ) में रणनीतिक साझेदार श्रेणी में शामिल किया गया, जिसे जयशंकर ने इस क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग को और मजबूत करने वाला बताया।

मेष- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और उत्साह से भरा रहेगा। सुबह से ही मन प्रसन्न रहेगा और कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। करियर में मिलने वाला कोई शानदार अवसर भविष्य को लेकर आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। परिवार का साथ और घर का माहौल सुकून देने वाला रहेगा।

वृषभ- आज मेहनत और व्यस्तता दोनों अधिक रहेंगी, लेकिन आपकी यही मेहनत आगे चलकर अच्छे परिणाम देगी। कारोबार में नया आइडिया आज आपको आगे बढ़ने का रास्ता दिखा सकता है। किसी नए प्रोडक्ट या योजना पर काम शुरू करने के लिए भी समय अनुकूल रहेगा। आपकी समझदारी और बेहतर प्लानिंग लोगों का ध्यान खींचेगी।

मिथुन- आज आर्थिक मामलों में राहत और मजबूती महसूस हो सकती है। कमाई के अतिरिक्त साधन मिलने की संभावना है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी। खर्चों को लेकर आप पहले से ज्यादा समझदारी दिखाएंगे और बचत पर भी ध्यान देंगे। हालांकि बातचीत करते समय शब्दों का चुनाव सोच-समझकर करें, क्योंकि आपकी कही कोई छोटी बात गलत समझी जा सकती है। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

कर्क- आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना हो सकती है। तारीफ मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप नई जिम्मेदारियों को भी उत्साह के साथ निभाएंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और घर का माहौल भी खुशनुमा रहेगा। परिवार से जुड़ी कोई पुरानी परेशानी सुलझ सकती है।

सिंह- आज किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से बचना जरूरी होगा। सोच-विचार के बिना उठाया गया कदम परेशानी बढ़ा सकता है। काम को टालने की आदत भी आज नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए अपनी जिम्मेदारियां समय पर पूरी करने की कोशिश करें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें।

कन्या- आज का दिन कुछ उलझनों के साथ शुरू हो सकता है, लेकिन आपकी समझदारी और धैर्य आपको हर स्थिति से बाहर निकाल लेंगे। नया काम शुरू करने का विचार मन में आएगा, मगर अगर किसी बात को लेकर संशय है तो फैसला लेने में जल्दबाजी न करें। परिवार आज आपकी प्राथमिकता रहेगा और घर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मन को खुश कर सकती है। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशी भी मिल सकती है।

तुला- आज आपकी सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के संकेत हैं और आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ नए प्रयास कर सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने से मन को बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि बढ़ती सुविधाओं के साथ खर्च भी बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट का ध्यान रखना जरूरी होगा। किसी दूर रहने वाले रिश्तेदार से बातचीत या मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर सकती है। नौकरी बदलने या किसी नए अवसर से जुड़ी खबर आपके लिए उत्साहजनक साबित हो सकती है।

वृश्चिक- आज नई शुरुआत आपके लिए उत्साह और सफलता के नए रास्ते खोल सकती है। कुछ अलग करने की इच्छा मजबूत रहेगी और सही दिशा में किया गया प्रयास आपको अच्छा लाभ दे सकता है। वाहन या किसी बड़ी वस्तु की खरीदारी का विचार आगे बढ़ सकता है। माता जी के साथ धार्मिक यात्रा या किसी आध्यात्मिक स्थान की यात्रा मन को शांति देगी।

धनु- आज अपनी सेहत को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतना आपके लिए अच्छा रहेगा। काम के बीच पर्याप्त आराम लें और खानपान को लेकर लापरवाही न करें। मौसम का असर शरीर पर महसूस हो सकता है। दूसरी ओर, किसी नई योजना या प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह बढ़ेगा और आप भविष्य की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करेंगे। आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते तलाशने की इच्छा रहेगी। संतान की पढ़ाई से जुड़ी किसी परेशानी को बातचीत और समझदारी से आसानी से सुलझाया जा सकता है।

मकर- आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रह सकता है, लेकिन आपकी सूझबूझ हर स्थिति को संभालने में मदद करेगी। अतीत से जुड़ी कोई बात अचानक सामने आने पर थोड़ी असहजता हो सकती है, मगर परिवार का सहयोग आपको मजबूती देगा। करियर में नई जिम्मेदारी मिलने या नौकरी से जुड़ा कोई अवसर सामने आने की संभावना है। स्वास्थ्य में पेट से जुड़ी परेशानी को नजरअंदाज न करें। साथ ही दूसरों की बातों या अफवाहों पर तुरंत भरोसा करने के बजाय तथ्यों की जांच करना बेहतर रहेगा।

कुंभ- आज आपके जीवन में प्रगति की रफ्तार बढ़ती हुई महसूस हो सकती है। परिवार या संतान की ओर से मिलने वाली कोई अच्छी खबर आपका मन खुश कर देगी। घर के किसी मामले को बातचीत के जरिए सुलझाने से रिश्तों में और मजबूती आएगी। विद्यार्थियों के लिए भी राहत का समय रहेगा और मानसिक दबाव कम होने से पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना आसान होगा।

मीन- आज आपके कामों को एक नई दिशा मिलेगी और आत्मविश्वास पहले से मजबूत होगा। रिश्तों में ताजगी महसूस होगी और आप पुरानी गलतियों को पीछे छोड़कर बेहतर शुरुआत करने की कोशिश करेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई प्यारा सरप्राइज आपका दिन खास बना सकता है।

शब्दजाल - 8402

अ	ट	र	प	ट	र	धि	क	र	प	इ
न	ग	क	म	इं	डे	ने	ह	ति	म	श्त
अ	दा	आ	ई	र	र	अं	ना	ह	प	फ
हु	ग	ल	मा	ज	क्ष	स	रा	ह	इ	र
ब	क्म	अ	नु	म	ति	क	र	क	त्ते	मा
द	अ	कि	र	क	दा	क	नि	र्दे	श	न
स	मा	दे	श	व	था	र	त	म	क	ग
आ	दे	श	र	न	प	य	रा	घु	ग	ला
अ	दि	ल	वा	ले	दा	र	जा	म	वी	दे
र	ज	ति	मा	हि	द	ह	ज	द	ल	र
बां	र	ल	प	रु	इ	जा	ज	त	र	म

शब्दजाल में 'आज्ञा' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

आदेश, आर्डर, कहना, फरमान, समादेश, निर्देश, हिदायत, इजाजत, अनुमति, हुक्म

शब्दजाल - 8401 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

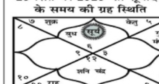

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	मीन में
मंगल	कर्क में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	07.26 बजे से
वृश्चिक	09.41 ब.से
धनु	11.57 बजे से
मकर	14.02 बजे से
कुंभ	15.49 बजे से
मीन	17.22 बजे से
मेष	18.52 बजे से
वृष	20.32 बजे से
मिथुन	22.30 बजे से
कर्क	00.44 बजे से
सिंह	03.00 बजे से
कन्या	05.12 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 269 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 22.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 11.32 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 13.18 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 10.47 बजे तदनन्तर बव 22.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 10'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872844
जूलियन दिन 2461309.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 14
विशेष स्नानदान व्रत पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक

रात का चौघड़िया			
लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
काल	02.51	से	04.23 बजे तक
लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7336

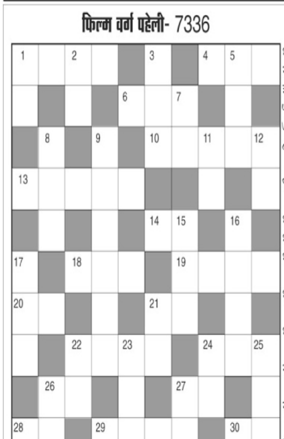

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१. राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7335

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सादगी का संदेश

पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री सादगीपूर्ण जीवन के लिए प्रसिद्ध थे। उन्हें किसी भी तरह का दिखावा या आडम्बर पसंद नहीं था। वह मानकर चलते थे कि जनता के लिए काम करने वाले नेताओं को बिल्कुल उसी तरह रहना चाहिए जिस तरह आम आदमी रहता है। यही नहीं उन्हें यथासंभव अपनी सुविधाओं का त्याग कर देना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जेल में भी शास्त्री जी बिल्कुल सादगी के साथ रहते थे। राजनैतिक कैदी होने के कारण उनको जेल प्रशासन की ओर से कुछ विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती थीं, जिनमें से एक उनकी भोजन की थाली भी थी। मगर शास्त्री जी वह विशिष्ट थाली स्वयं न खाकर अपने अन्य कैदी साथियों में बांट दिया करते थे और स्वयं आम कैदियों को मिलने वाला साधारण भोजन ही उनके साथ बैठकर किया करते थे। इस दौरान वे उनका हालचाल भी पूछ लेते थे। जेलर को इस बात का पता चला तो वह उनके पास जांच के लिए आया और बोला, 'महाशय, यह जेल प्रशासन की ओर से आपके लिए बनाया गया भोजन होता है, मगर आप इसे औरों को बांट देते हैं। आखिर आप ऐसा क्यों करते हैं?' इस पर शास्त्री जी बोले, 'मेरे भाई, मुझे यहां सदा के लिए तो रहना नहीं है। आज यहां मिलने वाला उम्दा भोजन मुझे बाहर तो मिलने वाला नहीं है, फिर क्यों इसे खाकर मैं अपना स्वाद और आदत खराब करूं। मेरे लिए यह सादा भोजन ही छप्पन भोग के समान है।' यह कहकर शास्त्री जी जेल का साधारण खाना खाने लगे। जेलर भी उनके प्रति नतमस्तक हो गया।

सूडोकू नवताल- 7645

★★★★☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7644 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 8860

बाएँ से दाएँ

1. उचित,गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान,प्रसिद्धि-2
9. उल्टी,कै,वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल,फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम,वहम-3
22. आश्रय,शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा,टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते,आदाब-3
2. देह,बदन,तन-2
3. शराब,मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम,संदेह-2
10. जश्नतमंद-5
11. नाग,सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला,सुस्त-3
19. नुकसान,घाटा-2
20. सदकार्य-3
21. नशा,सरुर,खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन,कोठी-3
25. क्षण,पल-2
26. कलिका,फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली - 8859 का हल

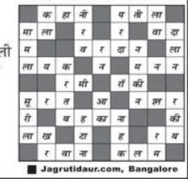

Jagrutidaur.com, Bangalore

गणपति बप्पा की विदाई में गूंजे जयकारे, डीजे के शोर और झिलेटिन के कचरे ने भी खींचा ध्यान

विसर्जन यात्राओं में देर रात तक तेज आवाज, नाच-गाने के साथ सड़कों पर बिखरा झिलेटिन बना स्वच्छता और पर्यावरण को लेकर चिंता का विषय

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणपति बप्पा की विदाई के साथ लांजी नगर और आसपास का अंचल 25 सितंबर को भक्तिमय नजर आया। 23 सितंबर से शुरू हुआ गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला अनंत चतुर्दशी के दिन देर रात तक जारी रहा। दिनभर पूजा-अर्चना, भक्ति गीतों और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने गणपति प्रतिमाओं को भावपूर्ण विदाई दी। हालांकि, शाम ढलने के बाद कई विसर्जन यात्राओं में तेज आवाज में बजते डीजे, नाच-गाने के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में गैस के माध्यम से उड़ाए जाने वाले झिलेटिन ने भी लोगों का ध्यान खींचा। विसर्जन यात्रा निकलने के बाद नगर की सड़कों पर जगह-जगह झिलेटिन के टुकड़े और कचरा बिखरा नजर आया। बताया जाता है कि इन कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाला झिलेटिन सामान्य कागज की तरह आसानी से गलने या नष्ट होने वाला नहीं होता। ऐसे में कुछ समय के उत्सव के बाद सड़कों पर जमा यह कचरा स्वच्छता व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। सवाल यह है कि धार्मिक उत्सव की सजावट और उत्साह के बीच क्या सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और पर्यावरण की जिम्मेदारी को भी उतनी ही गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए?

भक्ति के पर्व में मनोरंजन और प्रदर्शन का बढ़ता प्रभाव

लांजी धार्मिक आस्था और परंपराओं के लिए पहचाना जाता है। यहां गणेशोत्सव के दौरान वर्षों से श्रद्धालु पूरे विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश की आराधना करते आए हैं। विसर्जन के समय भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच प्रतिमाओं को विदाई देने की परंपरा रही है। लेकिन बदलते दौर में विसर्जन यात्राओं में तेज डीजे, नाच-गाने और विभिन्न तरह के प्रदर्शन का प्रभाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। ऐसे में यह विचार करने की जरूरत है कि क्या आस्था के पर्व में उत्साह की सीमा इतनी बढ़ जाए कि भक्ति पीछे और मनोरंजन आगे हो जाए?

उत्साह जरूरी, लेकिन आस्था की मर्यादा भी रहे

समाजसेवियों का कहना है कि गणेशोत्सव में उमंग और उत्साह स्वाभाविक है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी आयोजन की बड़ी ताकत है, लेकिन धार्मिक पर्व की अपनी गरिमा और मर्यादा भी होती है। गणेशोत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि श्रद्धा, संस्कार और सामाजिक एकजुटता से जुड़ा पर्व है। विसर्जन यात्रा में भक्ति गीतों, भजनों और जयकारों की जगह यदि देर रात तक तेज डीजे और नाच-गाने को प्रमुखता मिलने लगे तो आयोजन की मूल भावना पर विचार करना जरूरी हो जाता है। उत्सव ऐसा हो, जिसमें श्रद्धालु आनंद भी लें और आसपास के लोगों को असुविधा भी न हो।

देर रात तक शोर, सड़कों पर कचरा-दोहरी चुनौती

देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजने से आसपास के रहवासियों को परेशानी होने की बात सामने आती रही। बुजुर्गों, छोटे बच्चों, विद्यार्थियों और अस्वस्थ लोगों के लिए देर रात तक होने वाला तेज ध्वनि प्रदूषण परेशानी का कारण बन सकता है। वहीं दूसरी ओर विसर्जन यात्राओं के बाद सड़कों पर बिखरा झिलेटिन और अन्य सजावटी सामग्री स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। कुछ घंटों के उत्सव के बाद यदि सार्वजनिक सड़कें कचरे से भर जाएं तो आयोजन समितियों और आयोजकों की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद संबंधित स्थानों की सफाई सुनिश्चित की जाए।

परंपरा बचाने के साथ स्वच्छता की जिम्मेदारी भी जरूरी

गणेश विसर्जन केवल प्रतिमा को जल में प्रवाहित करने की रस्म नहीं, बल्कि दस दिनों तक की गई आराधना के भावपूर्ण समापन का अवसर है। इसलिए विसर्जन यात्रा में भक्ति, अनुशासन, सामाजिक सौहार्द और स्वच्छता का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। डीजे और आधुनिक मनोरंजन से पूरी तरह परहेज की बात नहीं, लेकिन उसकी सीमा, समय और सार्वजनिक स्थानों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर सामूहिक संवेदनशीलता जरूरी है। इसी तरह कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाली ऐसी सामग्री से भी बचने की जरूरत है, जो बाद में सड़कों पर कचरे का रूप लेकर रह जाए। गणपति बप्पा की विदाई ऐसी हो, जहां जयकारों में आस्था सुनाई दे, भजनों में श्रद्धा झलके, उत्सव में संस्कार दिखाई दें और विसर्जन यात्रा के बाद सड़कें भी साफ नजर आएं। आखिर धार्मिक पर्व की सुंदरता केवल सजावट और शोर में नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता, मर्यादा और सामाजिक जिम्मेदारी में भी दिखाई देती है।

आज से पितृपक्ष - तिथि के अनुसार होगा श्राद्ध

पितरों के स्मरण, तर्पण और श्राद्ध का क्रम प्रारंभ, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सनातन परंपरा में पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का विशेष अवसर

पितृपक्ष 26 सितंबर से प्रारंभ हो रहा है। इस वर्ष 26 सितंबर, शनिवार को पूर्णिमा श्राद्ध होगा, जबकि 27 सितंबर, रविवार से प्रतिपदा श्राद्ध के साथ मुख्य पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाएगी। पितृपक्ष का समापन 10 अक्टूबर, शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। पितृपक्ष में सामान्य नियम यह है कि दिवंगत परिजन की मृत्यु जिस चंद्र तिथि को हुई हो, उसी तिथि पर पितृपक्ष में उनका श्राद्ध किया जाता है। इसलिए परिवारों के लिए अपने पूर्वज की मृत्यु तिथि की जानकारी रखना महत्वपूर्ण माना जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख के बजाय श्राद्ध के लिए हिंदू पंचांग की तिथि देखी जाती है।

किस दिन किस तिथि का श्राद्ध

26 सितंबर, शनिवार — पूर्णिमा श्राद्ध

पूर्णिमा तिथि को जिन परिजनों का निधन हुआ हो, उनके लिए पूर्णिमा श्राद्ध किया जाता है।

27 सितंबर, रविवार — प्रतिपदा श्राद्ध

28 सितंबर, सोमवार — द्वितीया श्राद्ध

29 सितंबर, मंगलवार — तृतीया श्राद्ध एवं महाभरणी

30 सितंबर, बुधवार — चतुर्थी एवं पंचमी श्राद्ध

1 अक्टूबर, गुरुवार — षष्ठी श्राद्ध

2 अक्टूबर, शुक्रवार — सप्तमी श्राद्ध

3 अक्टूबर, शनिवार — अष्टमी श्राद्ध

4 अक्टूबर, रविवार — नवमी श्राद्ध (मातृ नवमी)

5 अक्टूबर, सोमवार — दशमी श्राद्ध

6 अक्टूबर, मंगलवार — एकादशी श्राद्ध

7 अक्टूबर, बुधवार — द्वादशी श्राद्ध

8 अक्टूबर, गुरुवार — त्रयोदशी श्राद्ध

9 अक्टूबर, शुक्रवार — चतुर्दशी श्राद्ध

10 अक्टूबर, शनिवार — सर्वपितृ अमावस्या

पितृपक्ष की अंतिम और महत्वपूर्ण तिथि सर्वपितृ अमावस्या होगी। जिन पूर्वजों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है या जिनका श्राद्ध निर्धारित तिथि पर नहीं हो पाया हो, उनके लिए इस दिन श्राद्ध किया जाता है। अमावस्या तिथि पर मृत पूर्वजों का श्राद्ध भी इसी दिन किया जाता है। परंपरानुसार पूर्णिमा और चतुर्दशी से संबंधित कुछ श्राद्ध भी सर्वपितृ अमावस्या पर किए जाने का विधान बताया गया है।

पितरों के स्मरण और तर्पण का पर्व

पितृपक्ष के दौरान परिवार अपने दिवंगत पूर्वजों का स्मरण कर तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध और दान-पुण्य जैसे कर्म करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह समय पितरों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। घर-परिवार में पूर्वजों के संस्कार और उनके योगदान को याद करने के साथ ही जरूरतमंदों को भोजन कराने तथा दान करने की परंपरा भी रही है। पितृपक्ष की प्रत्येक तिथि का अपना धार्मिक महत्व है। ऐसे में परिवारों द्वारा अपने पूर्वज की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म किया जाएगा। तिथि को लेकर किसी प्रकार का संशय होने पर स्थानीय पंचांग अथवा आचार्य से पुष्टि करना उचित माना जाता है, क्योंकि श्राद्ध की गणना चंद्र तिथि के आधार पर होती है।

लांजी में गूंजा वंदे मातरम

150 वर्ष पूर्ण होने पर 'नमामि भारत' कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों व अतिथियों ने एक स्वर में किया राष्ट्रगीत का गायन

लांजी। वंदे मातरम राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में 25 सितंबर को सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 'नमामि भारत' कार्यक्रम के तहत सामूहिक वंदे मातरम गायन का आयोजन किया गया। प्रात: ठीक 11 बजे विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों, पालकों और अतिथियों ने एक साथ एक स्वर में राष्ट्रगीत का गायन किया। वंदे मातरम के स्वरों से पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय भावना से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व छात्र एवं खंड कार्यवाह योगेंद्र दहिकर उपस्थित रहे। उनके साथ विजय रामटेक्कर सचिव, संतोष तिडके उपाध्यक्ष, टीडी लिल्हारे सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष, सुखपाल भर्रे, सामाजिक कार्यकर्ता अजय खरगाल, सांसद प्रतिनिधि राकेश रामटेककर, नीलम भर्रे, मीना बिलगौर, सुशीला दुग्गड़, रमा नरताम, रेखा नगपुरे, प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी एवं प्रधानाचार्य सदरुलाल बोहने मंचासीन रहे।

वंदे मातरम के इतिहास और महत्व पर रखे विचार

मुख्य वक्ता योगेंद्र दहिकर ने वंदे मातरम के इतिहास और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वंदे मातरम का अर्थ 'मां, मैं तुम्हें नमस्कार करता हूं' है। उन्होंने बताया कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उनके उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा था। वर्ष 1896 में कोलकाता अधिवेशन में इसे पहली बार सार्वजनिक रूप से गाया गया तथा वर्ष 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान यह प्रमुख राष्ट्रीय उद्घोष बना। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम देश की राष्ट्रीय एकता, अखंडता, मातृभूमि के सम्मान और राष्ट्रभावना के विकास का महत्वपूर्ण प्रतीक है। राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में सामूहिक गायन के माध्यम से नई पीढ़ी को इसके ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय महत्व से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है।

देशभर में एक साथ हुआ सामूहिक गायन

प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्या भारती के मार्गदर्शन में 'नमामि भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत देशभर के विद्यालयों में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया जा रहा है। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिक, विद्यार्थी और शिक्षक सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय गीत के प्रति सम्मान और राष्ट्रभावना को और मजबूत किया जा सकता है। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, पूर्व छात्र, पालक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में भैया-बहिन उपस्थित रहे। निर्धारित समय पर सभी ने एक स्वर में वंदे मातरम का गायन किया और राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर को गरिमापूर्ण ढंग से मनाया।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान मधुमक्खियों का हमला, 15-20 लोग घायल

आरती शुरू होते ही टूट पड़ा मधुमक्खियों का झुंड, प्रतिमाएं घाट पर छोड़ भागे श्रद्धालु; शाम 7 बजे अंधेरा होने पर किया विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम बड़गांव (क) में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सोन नदी के छेरकाटोला घाट पर

अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने श्रद्धालुओं पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के अचानक हमले से विसर्जन के लिए पहुंचे लोगों में भगदड़ मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस घटना में करीब 15 से 20 लोग मधुमक्खियों के डंक से घायल हो गए। ग्राम के डॉ. जियालाल रणदिवे ने बताया कि अनंत चतुर्दशी के अवसर पर उनके घर सहित श्रीराम मंदिर में स्थापित सार्वजनिक गणेश प्रतिमा तथा युवराज मानकर के घर की गणेश प्रतिमा को पिकअप वाहन से विसर्जन के लिए सोन नदी स्थित छेरकाटोला घाट ले जाया गया था। सुबह करीब 11.30 बजे 200 से अधिक श्रद्धालु बाजे-गाजे के साथ घाट पहुंचे थे। घाट पर पहुंचने के बाद तीनों गणेश प्रतिमाओं को वाहन से नीचे उतारा गया और श्रद्धालुओं ने आरती शुरू की। इसी दौरान अचानक मधुमक्खियों का झुंड लोगों पर टूट पड़ा। देखते ही देखते वहां चीख-पुकार और भगदड़ की स्थिति बन गई। मधुमक्खियों से बचने के लिए लोग घाट छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। प्रतिमाएं भी कुछ समय के लिए घाट पर ही रह गईं। इस दौरान करीब 15 से 20 लोगों को मधुमक्खियों ने डंक मारकर घायल कर दिया।

दोबारा पहुंचे तो फिर हुआ हमला

घटना के बाद लोगों ने कुछ समय बीतने का इंतजार किया। शाम करीब 4 बजे 10-12 लोग घाट पर रखी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचते ही एक बार फिर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। दोबारा हमले से लोग घबरा गए और प्रतिमाओं को वहीं छोड़कर वापस लौट आए। लगातार दो बार हुए हमले के बाद श्रद्धालुओं ने दिन में विसर्जन करने का निर्णय टाल दिया।

अंधेरा होने पर 7-8 लोगों ने किया विसर्जन

मधुमक्खियों के हमले की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों ने तय किया कि अंधेरा होने के बाद ही घाट पर जाकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। इसके बाद शाम करीब 7 बजे 7-8 लोग घाट पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक तीनों गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया। वहीं, गांव में स्थापित अन्य गणेश प्रतिमाओं को ग्रामीणों ने दूसरे घाट पर ले जाकर विसर्जित किया। मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले से

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम यादव ने 351 बसों को दिखाई हरी झंडी

मप्र में 21 साल बाद सरकारी बस सेवा की वापसी

भोपाल। मध्यप्रदेश में 21 साल बाद सरकारी बस सेवा की वापसी हो गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल के भेल दशहरा मैदान से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ किया। दोनों नेताओं ने रिमोट के जरिए 351 बसों को हरी झंडी दिखाकर सेवा की शुरुआत की। ये बसें प्रदेश के 7 शहरों में इंटरसिटी और इंट्रासिटी सेवाएं देंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नई सेवा के तहत 180 इलेक्ट्रिक बसें भी सड़कों पर उतारी गई हैं। सरकार का उद्देश्य शहरों के साथ गांवों को भी बेहतर बस कनेक्टिविटी से जोड़ना है। इसके लिए 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों तक बस सेवा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। बसों में आधुनिक सुविधाओं के साथ यात्रियों की सुरक्षा और रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी रहेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले वर्ष में 1,500 बसें संचालित करने का लक्ष्य है। इसके बाद हर साल करीब 2,500 से 3,000 बसें बढ़ाई जाएंगी और वर्ष 2031 तक प्रदेश में 15 हजार बसें संचालित करने की योजना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बन चुकी हैं, जिससे छोटे गांवों और कस्बों से आवागमन आसान हुआ है। स्कूल-कॉलेज और शहरों तक पहुंच भी सुगम हुई है। उन्होंने कहा कि आज से प्रधानमंत्री ई-बस और मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा शुरू हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के लिए कुछ नहीं किया। बस सेवा की शुरुआत कांग्रेस के समय हुई, लेकिन इसे धीरे-धीरे बंद कर दिया गया। राहुल गांधी के बयान पर उन्होंने कहा कि वे बिना मतलब के 'हाय रे यार' कह रहे हैं।

सीएम ने कहा- सरकार जनता के लिए जरूरी कामों को प्राथमिकता से कर रही है। उन्होंने सालभर में 1 लाख पदों पर भर्ती करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो संकल्प लिया था, उसे आज पूरा किया जा रहा है।

गडकरी बोले- पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाना सरकार का विजन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार के विजन का हिस्सा है। ट्रांसपोर्ट सिस्टम में सुधार के लिए पांच प्रमुख एजेंडे तय किए गए हैं, जिनमें पहला एजेंडा क्लीन ट्रांसपोर्ट यानी स्वच्छ परिवहन है। गडकरी ने कहा कि देश के वायु प्रदूषण में परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। उन्होंने प्रदूषण की समस्या को कम करने के लिए परिवहन व्यवस्था में बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परिवहन क्षेत्र से जुड़े प्रदूषण की जिम्मेदारी उनकी है, जबकि मध्यप्रदेश में प्रदूषण को कम करने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य परिवहन व्यवस्था को अधिक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। इसके लिए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के साथ आधुनिक और स्वच्छ तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सेवा मील का पत्थर साबित होगी; मंत्री उदय प्रताप

परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि 21 साल पहले बंद हुई सरकारी परिवहन सेवा की दोबारा शुरुआत मध्यप्रदेश के लिए महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा परिवहन क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में बस मालिकों के हितों का ध्यान रखा जाएगा और उनके साथ किसी तरह का टकराव नहीं होगा। सेवा को आगे भी सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। वहीं, पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि पहले सरकारी बसों में सफर करना मजबूरी माना जाता था। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद भी इन बसों में यात्रा की है। अब आधुनिक सुविधाओं के साथ सरकारी बस सेवा की शुरुआत प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में बड़ी पहल है।

पीपीपी मॉडल से होगा बसों का संचालन

सेवा का संचालन पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर होगा। निजी बस ऑपरेटरों की भागीदारी के लिए पारदर्शी अनुबंध और प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएंगी। ऑपरेटरों को विज्ञापन और कार्गो जैसी गैर-किराया आय के जरिए अतिरिक्त कमाई का अवसर भी मिलेगा। परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि 21 साल पहले बंद हुई सरकारी परिवहन सेवा की दोबारा शुरुआत प्रदेश के परिवहन क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल है। वहीं, पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने इसे प्रदेश में कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में बड़ी पहल बताया।

मध्य प्रदेश में मिले 70 फर्जी पासपोर्ट, एसटीएफ ने 6 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

-बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की मिलीभगत की भूमिका की भी की जा रही जांच

भोपाल। मध्य प्रदेश एसटीएफ ने संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच में करीब 70 फर्जी पासपोर्ट का पता लगाया है। ये पासपोर्ट राज्य में अलग-अलग पतों का इस्तेमाल करके बनवाए गए थे। अब जांच में बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की मिलीभगत की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसटीएफ के डीआईजी ने शुक्रवार को बताया कि अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और फर्जी पासपोर्ट बनाने और हासिल करने के पीछे पूरे नेटवर्क का पता लगाने की जांच जारी है।

डीआईजी ने कहा कि यह एक बहुस्तरीय मामला है और जांच अभी भी चल रही है। अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो दिन पहले की गई ताजा गिरफ्तारी भी शामिल हैं। 23 सितंबर को गयाप्रसाद गौतम को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 25 अगस्त से 18 सितंबर के बीच रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद, विप्लव अधिकारी, प्रियन रॉय, जॉय चौधरी और नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ के मुताबिक जांच में सामने आया है कि पासपोर्ट आवेदनों में बौद्ध मठों के पतों का बार-बार इस्तेमाल किया गया। ऐसे मामले भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, डबरा और पाढ़ुर्ना में सामने आए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक एसटीएफ ने भोपाल के अन्नानगर से जुड़े 40 मामले, डबरा से 17, बैतूल के आमला बौद्ध मठ से 11 और छिंदवाड़ा-पाढ़ुर्ना से 2 मामले चिह्नित किए हैं। गवाहों के इस्तेमाल में भी एक बड़ा पैटर्न सामने आया है। अब तक मिले 70 फर्जी पासपोर्ट में से करीब 50 मामलों में तीन लोग गवाह के तौर पर पेश हुए थे। कई पासपोर्ट आवेदनों में उनके मोबाइल नंबर भी दर्ज मिले हैं। एक ही मठ के पते और गवाहों का बार-बार इस्तेमाल जांच का अहम बिंदु बना। एसटीएफ यह भी जांच कर रही है कि पासपोर्ट आवेदन कैसे प्रोसेस हुए।

डीआईजी ने बताया कि आरोपियों ने भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, डबरा और पाढ़ुर्ना में मठों के पतों का इस्तेमाल करके पासपोर्ट बनवाए। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मदद से पासपोर्ट तैयार किए गए थे।

शहपुरा टोल एक-दो दिन में होगा बंद, पुल बनने तक नहीं लगेगा शुल्क

भोपाल। जबलपुर-भोपाल रोड पर शहपुरा रेलवे ब्रिज क्षतिग्रस्त होने के बाद डायवर्ट किए गए यातायात को देखते हुए शहपुरा टोल नाका अब एक-दो दिन में बंद किया जाएगा। शुक्रवार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि जब तक शहपुरा का पुल दोबारा बनकर तैयार नहीं हो जाता, तब तक टोल कलेक्शन बंद रहेगा। इससे डायवर्ट रूट से गुजरने वाले वाहन चालकों को टोल शुल्क नहीं देना होगा। मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि शहपुरा रेलवे ब्रिज के क्षतिग्रस्त होने के बाद यातायात को वैकल्पिक मार्ग से निकाला जा रहा है। ऐसे में टोल वसूली को लेकर लोगों में नाराजगी थी। उन्होंने कहा कि अब टोल बंद करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है और एक-दो दिन में वसूली बंद हो जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री ने इसको लेकर फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

इससे पहले भी लोक निर्माण मंत्री ने शहपुरा टोल को अस्थायी रूप से बंद करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद टोल नाके पर वाहनों से शुल्क वसूली जारी रहने का मामला सामने आया था। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था और पुलिस से भी शिकायत की थी। उस समय टोल नाके के मैनेजर ने कहा था कि उन्हें टोल बंद करने का लिखित आदेश नहीं मिला है। लिखित निर्देश मिलने के बाद वसूली बंद करने की बात कही गई थी। अब मंत्री ने स्पष्ट किया है कि फाइल पुल बनने तक टोल बंद रहेगा।

लोकपथ एप पर बसों की टाइमिंग भी मिलेगी

राकेश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत चलने वाली बसों की समय सारणी भी आने वाले समय में लोकपथ एप पर उपलब्ध कराई जाएगी।

5 साल में सबसे ज्यादा बच्चों को मिला परिवार, 57 प्रतिशत बेटियां, वेटिंग 3 साल तक

- बेटियों को अपनाने में भी बढ़ी परिवारों की दिलचस्पी

भोपाल। मध्य प्रदेश में बच्चों को गोद लेने के प्रति परिवारों का रुझान तेजी से बढ़ा है। बीते पांच साल में वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश में सबसे ज्यादा 221 बच्चों को परिवार मिला। इनमें 125 बेटियां और 96 बेटे हैं। यानी गोद लिए गए हर 100 बच्चों में करीब 57 बेटियां हैं। लगातार दूसरे साल बेटियों की संख्या बेटों से ज्यादा रही है। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 133 बच्चों को गोद लिया गया था। इस बार यह संख्या 88 बढ़कर 221 हो गई। इनमें 207 बच्चों को देश में और 14 बच्चों को विदेश में परिवार मिला। दत्तक ग्रहण के मामले में मध्य प्रदेश अब देश में 13वें से नौवें स्थान पर पहुंच गया है।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रीति साहू के मुताबिक पहले कई परिवार सिर्फ बेटे को गोद लेने की इच्छा रखते थे, लेकिन अब बेटियों को लेकर भी परिवार आगे आ रहे हैं। कारा के पंजीयन में परिवारों की लड़की, लड़का या कोई पसंद नहीं का विकल्प मिलता है। उन्होंने बताया कि कई ऐसे परिवार भी हैं, जिनके यहां पहले से एक बेटा है और वे परिवार पूरा करने के लिए बेटी को गोद लेना चाहते हैं। वहीं, ऐसे दंपती भी हैं जिनके बच्चे नहीं हैं और वे बेटी को अपनाने की इच्छा लेकर आ रहे हैं।

परिवार बढ़े तो लंबी हुई बच्चों की प्रतीक्षा

बच्चे को गोद लेने के इच्छुक परिवारों की संख्या बढ़ने के साथ प्रतीक्षा अवधि भी लंबी हो गई है। प्रीति साहू के अनुसार नए पंजीयन के बाद प्रतीक्षा सूची में करीब 1500 के आसपास परिवार हो सकते हैं। छोटे बच्चों के लिए कई मामलों में परिवारों को ढाई से तीन साल, साढ़े तीन साल और कुछ मामलों में चार साल तक इंतजार करना पड़ रहा है। मातृ छाया सेवा भारती के अनुसार, पहले पंजीयन के बाद करीब एक से डेढ़ साल में बच्चा मिल जाता था, लेकिन अब इच्छुक परिवारों की संख्या बढ़ने से कई मामलों में ढाई से तीन साल तक इंतजार करना पड़ रहा है।

संस्थान में रहने वाला हर बच्चा गोद लेने के लिए उपलब्ध नहीं

बच्चे को गोद लेने के इच्छुक परिवार बढ़ने के बावजूद बच्चों की उपलब्धता सीमित है। संस्थान में रहने वाला हर बच्चा तत्काल दत्तक ग्रहण के लिए उपलब्ध नहीं होता। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही बच्चे को दत्तक ग्रहण के लिए कानूनी रूप से मुक्त घोषित किया जाता है। इसके अलावा बच्चे की उम्र और स्वास्थ्य को लेकर परिवारों की प्राथमिकताएं भी प्रतीक्षा अवधि को प्रभावित करती हैं।

महाराष्ट्र सबसे आगे, एमपी नौवें नंबर पर

वर्ष 2025-26 में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 792 बच्चों को गोद लिया गया। गुजरात में 547, तमिलनाडु में 501, कर्नाटक में 377, ओडिशा में 308, तेलंगाना में 307, पश्चिम बंगाल में 237 और उत्तर प्रदेश में 231 बच्चों को परिवार मिला। मध्य प्रदेश 221 बच्चों के साथ नौवें स्थान पर रहा। राजस्थान 172 दत्तक ग्रहण के साथ दसवें स्थान पर रहा।

28 को भाजपा कार्यालय घेरेंगे अस्थायी, अंशकालीन और आउटसोर्स कर्मचारी

भोपाल। प्रदेश में न्यूनतम मजदूरी लागू होने के सरकारी दावों के बीच अस्थायी, अंशकालीन और आउटसोर्स कर्मचारियों ने अब सीधे सत्ता के संगठनात्मक केंद्र पर दस्तक देने की तैयारी कर ली है। 28 सितंबर को हजारों कर्मचारी भोपाल स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर उपवास आंदोलन करेंगे। आंदोलनकारियों का दावा है कि सरकार की घोषित न्यूनतम मजदूरी 12,425 से 16,769 रुपए महीना है, लेकिन कई विभागों और स्थानीय निकायों में कर्मचारियों को इससे काफी कम भुगतान किया जा रहा है। अस्थायी, आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को पत्र भेजकर आंदोलन की सूचना दी है। आंदोलन को 'न्यूनतम वेतन दिलाओ उपवास आंदोलन' नाम दिया गया है। संगठन का दावा है कि जिला स्तर पर इसकी तैयारियां चल रही हैं और 3 से 5 हजार रुपए महीना पाने वाले कर्मचारी बड़ी संख्या में भोपाल पहुंचेंगे।

पंचायतों से स्कूल और स्वास्थ्य विभाग तक कर्मचारी

आंदोलन में ग्राम पंचायतों के चौकीदार, पंप ऑपरेटर, भृत्य, सफाईकर्मी और लोकल यूथ सर्वेयर के साथ शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग के स्कूलों व छात्रावासों में काम करने वाले अंशकालीन और अस्थायी कर्मचारी शामिल होने की बात कही गई है। कर्मचारी संगठनों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर 10 से 12 घंटे काम लेने के बावजूद 4 से 5 हजार रुपए महीना ही भुगतान किया जा रहा है।

20 हजार लंबित शिकायतों के निपटारे के लिए लगेंगे विशेष शिविर

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग में कर्मचारियों और शिक्षकों की करीब 20 हजार लंबित शिकायतों के निपटारे के लिए अब हर सप्ताह चार दिन विशेष कैंप लगाए जाएंगे। वेतन, पेंशन, अवकाश, मेडिकल बिल, पदोन्नति और विभागीय जांच जैसे मामलों को लंबित रखने के बजाय विभाग ने इनके निराकरण के लिए जिला और राज्य स्तर पर अलग-अलग दिन तय किए हैं। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने सभी संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को कर्मचारी कल्याण कैंप लगाने के निर्देश जारी किए हैं। अभियान का पहला चरण 26 सितंबर से शुरू होगा।

कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला स्तर पर शनिवार, रविवार और सोमवार को कैंप लगाए जाएंगे। राज्य स्तर पर मंगलवार को कर्मचारी कल्याण कैंप आयोजित होगा। इस तरह सप्ताह के चार दिन लंबित सेवा संबंधी मामलों को अभियान के तहत लिया जाएगा। जिला स्तर पर संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र से जुड़े मामलों का निराकरण करेंगे। वहीं राज्य स्तर के कैंप में लोक शिक्षण संचालनालय से संबंधित प्रकरणों को लिया जाएगा।

कैंप में कर्मचारियों की अलग-अलग सेवा संबंधी समस्याओं को शामिल किया गया है। इनमें वेतन निर्धारण और भुगतान से जुड़े मामले, पेंशन प्रकरण, अवकाश, विभागीय जांच, मेडिकल बिल, पदोन्नति और अन्य सेवा संबंधी शिकायतें शामिल हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कैंप में प्राप्त मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए और पात्र प्रकरणों का निराकरण किया जाए। स्कूल शिक्षा विभाग में बड़ी संख्या में कर्मचारियों की शिकायतें लंबित रहने के बाद अब इन्हें नियमित कार्यालयीन प्रक्रिया के बजाय अभियान के रूप में निपटाने की व्यवस्था की गई है।

पढ़े-लिखों को टिकट, भाई-भतीजावाद नहीं चलेगा

-अतिथि विद्वानों ने अपने राजनीतिक संगठन विद्वान जनता पार्टी का एजेंडा किया जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अतिथि विद्वानों ने अपने राजनीतिक संगठन विद्वान जनता पार्टी का एजेंडा जारी कर दिया है। पार्टी के पोस्टरों में अतिथि विद्वानों के नियमितीकरण, रोजगार, शिक्षा, महंगाई, भ्रष्टाचार और शासन में आम जनता की भागीदारी समेत 15 प्रमुख एजेंडों को शामिल किया गया है। पार्टी ने अपना चुनाव चिह्न 'सफेद कमल का फूल' बताया है। अतिथि विद्वानों ने 15 सितंबर को विद्वान जनता पार्टी के गठन की सांकेतिक घोषणा की थी। अब 30 सितंबर से सदस्यता अभियान शुरू करने की तैयारी है। पार्टी के संस्थापक के तौर पर पोस्टर में डॉ. आरके सिंह का नाम दिया गया है।

विद्वान जनता पार्टी के एजेंडे में सबसे पहले अतिथि विद्वानों के स्थायित्व और नियमितीकरण की बात कही गई है। इसके साथ वर्ग-1, 2 और 3 के अतिथि शिक्षकों के स्थायित्व एवं नियमितीकरण को भी शामिल किया गया है। पार्टी ने संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण तथा स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्सिंग और ठेका कर्मचारियों को नियमित करने की बात कही है। अन्य विभागों में आउटसोर्स और ठेका व्यवस्था के तहत काम कर रहे कर्मचारियों के स्थायित्व और भविष्य की सुरक्षा को भी एजेंडे में रखा गया है।

शिक्षा, रोजगार और भ्रष्टाचार प्रमुख मुद्दे

पार्टी के प्रमुख मुद्दों में अशिक्षा और बेरोजगारी खत्म करना, महंगाई और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना तथा बेरोजगारों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना शामिल है। पोस्टर में अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने, कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा करने तथा शासन-प्रशासन और सरकारी नौकरियों में भाई-भतीजावाद खत्म करने की बात कही गई है। विद्वान जनता पार्टी ने राजनीति में शिक्षित युवाओं और आम शिक्षित लोगों की भागीदारी बढ़ाने को भी अपने एजेंडे में शामिल किया है। पार्टी ने सरकार में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने और वीआईपी कल्चर खत्म करने की बात कही है। पोस्टर पर 'शिक्षित समाज, सशक्त भारत' और 'समान अवसर सभी के लिए' जैसे संदेश दिए गए हैं। पार्टी का नारा 'सत्ता नहीं, सेवा 7 समर्पण' है।

विद्वान जनता पार्टी का एजेंडा ऐसे समय सामने आया है, जब अतिथि विद्वानों का आंदोलन 3 अक्टूबर तक स्थगित है। उनकी मुख्य मांग है कि स्थायित्व की नीति बनने तक 'फॉलन आउट' प्रक्रिया रोकी जाए। फॉलन आउट में नियमित प्राध्यापक की नियुक्ति या तबादले के बाद पहले से काम कर रहे अतिथि विद्वान की सेवा समाप्त होने की स्थिति बनती है।

मप्र सहित कई राज्यों में नई व्यवस्था का हो रहा विरोध

सिस्टम खुद कर रहा वाहन ट्रांसफर, जांच खत्म... अधिकारियों ने बताया खतरनाक

भोपाल। वाहन की खरीद-बिक्री के बाद अब आरटीओ में दस्तावेजों की जांच और अधिकारी की मंजूरी के बजाय ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज अपलोड और ओटीपी के आधार पर वाहन ट्रांसफर की नई व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वाहन पोर्टल पर शुरू किए गए फेसलेस ऑटो-अप्रूवल सिस्टम पर परिवहन अधिकारियों ने परिवहन आयुक्त को विस्तृत आपत्ति भेजी है। इसमें सिस्टम की कानूनी और तकनीकी कमियां बताते हुए व्यवस्था में बदलाव की मांग की गई है। आरटीओ का कहना है कि सॉफ्टवेयर कई महत्वपूर्ण जांच करने में सक्षम नहीं है, जो अब तक अधिकारी स्तर पर की जाती थीं।

अधिकारी के स्तर पर वाहन ट्रांसफर से पहले यह देखा जाता है कि वाहन पर टैक्स या पेनल्टी बकाया तो नहीं है, बीमा और फिटनेस की स्थिति क्या है, किसी फाइनेंसर का हक तो नहीं है और फॉर्म पर किए गए दस्तखत वास्तविक हैं या नहीं। ऑटो-अप्रूवल में इनमें से कई महत्वपूर्ण जांच नहीं होतीं। आरटीओ की आपत्ति में फाइनेंसर की एनओसी, हाइपोथिकेशन खत्म करने के लिए फॉर्म-35, परमिट वाले वाहनों का ट्रांसफर, नीलामी से खरीदे वाहन, चेसिस-इंजन नंबर, स्क्रैप वाहन और टैक्स बकाया जैसे मामलों में जोखिम गिनाए गए हैं।

गलत दस्तावेज या खाली पन्ना भी बन सकता है आधार

आरटीओ ने सबसे बड़ी तकनीकी कमी अपलोड किए गए दस्तावेजों की वास्तविक जांच नहीं होने को बताया है। आवेदन में पीडीएफ दस्तावेज अपलोड किए जाते हैं, लेकिन सिस्टम उनकी सामग्री को पढ़कर वास्तविकता की पुष्टि नहीं करता। ऐसे में गलत या अधूरे दस्तावेज, यहां तक कि किसी दस्तावेज के स्थान पर खाली पन्ना अपलोड होने पर भी ऑटो-अप्रूवल की स्थिति बन रही है। अपलोड किए गए दस्तावेजों का बीमा कंपनी, पीयूसी सेंटर, फाइनेंसर या संबंधित आरटीओ के मूल रिकॉर्ड से एपीआई के जरिए क्रॉस-वेरिफिकेशन भी नहीं हो रहा है। इसलिए आरटीओ ने व्यवस्था के साथ एआई आधारित डॉक्यूमेंट रीडर और वेरिफिकेशन सिस्टम जोड़ने का सुझाव दिया है।

सिर्फ ओटीपी से मालिक की सहमति मानना भी जोखिम भरा

नोट में कहा गया है कि आधार या ओटीपी से व्यक्ति की पहचान हो सकती है, लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि वही व्यक्ति वाहन का वास्तविक मालिक है और उसे वाहन बेचने का अधिकार भी है। वाहन रिकॉर्ड में दर्ज मोबाइल नंबर पुराना हो सकता है, डीलर या एजेंट का हो सकता है या बाद में किसी दूसरे व्यक्ति को जारी हो चुका हो सकता है। फॉर्म 29 और 30 पर किए गए हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान की भी वास्तविक जांच नहीं होती। साथ ही विक्रेता के लिए ऐसी प्रभावी कन्फर्मेशन विंडो नहीं है, जिसमें वह ट्रांसफर पूरा होने से पहले आपत्ति दर्ज कर सके।

साइबर फ्रॉड का खतरा भी बढ़ने की आशंका

आपत्ति में वाहन पोर्टल से जुड़े देश के अलग-अलग मामलों का उल्लेख किया गया है। हिमाचल प्रदेश के सोलन में जनवरी 2026 के एक मामले में वाहन पोर्टल के रिकॉर्ड में अनधिकृत बदलाव, हाइपोथिकेशन हटाने और स्वामित्व में बदलाव जैसी गड़बड़ियों का उल्लेख है। दिल्ली से जुड़े एक मामले में भी वाहन पोर्टल के ओटीपी तक पहुंच बनाकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर चोरी के वाहनों के पंजीयन का उल्लेख किया गया है।

सालों पुरानी बसों की डेंटिंग-पेंटिंग कर जनता को नई बसों का सपना दिखा रही भाजपा सरकार-जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में परिवहन सेवाओं के नाम पर पुरानी बसों को मैदान में उतारने और बसों के रंग को लेकर की जा रही बहस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार 10-10 साल पुरानी बसों को कबाड़खाने से निकालकर डेंटिंग-पेंटिंग कराकर सड़क पर उतार रही है और फिर इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया जा रहा है।

जीतू पटवारी ने कहा कि किसी भी नई सेवा की शुरुआत सकारात्मक सोच के साथ होना अच्छी बात है, लेकिन कुछ बसें शुरू करके उसे बड़ी उपलब्धि बताना और लगातार बड़े-बड़े आंकड़े गिनाना सिर्फ प्रचार का हिस्सा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 300 बसें शुरू की जा रही हैं और प्रचार किया जा रहा है।

श्री पटवारी ने कहा कि सरकार को यह भी स्वीकार करना चाहिए कि मध्य प्रदेश में पिछले करीब 25 वर्षों से भाजपा की ही सरकार रही है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश की परिवहन व्यवस्था में कमियां हैं तो उनकी जिम्मेदारी से सरकार बच नहीं सकती। उन्होंने कहा, 25 साल से आपकी ही सरकार है। अगर कोई पाप हुआ है तो आपके ही लोगों ने किया है, इसे भी स्वीकार करना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार और भाजपा से जुड़े लोग बसों के रंग को लेकर बहस कर रहे हैं, जबकि असली सवाल बसों की उम्र, फिटनेस, सुरक्षा और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं का है। उन्होंने कहा कि सिर्फ डेंटिंग-पेंटिंग और रंग बदलने से 10 साल पुरानी बस नई बस नहीं बन जाती। सरकार को जनता को यह बताना चाहिए कि सड़क पर उतारी जा रही बसों की वास्तविक स्थिति क्या है, उनकी फिटनेस कैसे सुनिश्चित की गई है और यात्रियों की सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं।

श्री जीतू पटवारी ने कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत नहीं किया गया और अब पुरानी बसों को नए रंग-रूप में पेश करके उपलब्धि का प्रचार किया जा रहा है।

श्री जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री की सुगम सेवा का जिक्र करते हुए कहा कि यदि यह सेवा समाप्त हुई है तो इसकी जिम्मेदारी भी पिछली भाजपा सरकार की नीतियों और फैसलों पर तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को नई शुरुआत का श्रेय लेने के साथ-साथ पुरानी व्यवस्था की विफलताओं की जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी चाहिए।

श्री पटवारी ने कहा कि सुगम सेवा अगर समाप्त हुई तो उसका दोष भी शिवराज सिंह चौहान की सरकार का था। उन्होंने कहा कि जनता को लंबे भाषणों और विज्ञापनों की नहीं, बल्कि जमीन पर बेहतर और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की जरूरत है।

मेंडिस के शतक से श्रीलंका ने दूसरे एकदिवसीय में इंग्लैंड को 16 रनों से हराया

लीड्स। कुसल मेंडिस के शानदार शतक और गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन की सहायता से श्रीलंका ने लीड्स में खेले गये दूसरे एकदिवसीय में मेजबान टीम को 16 रनों से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। इस मैच में लंकाई टीम की जीत के हीरो कुसल मेंडिस रहे उनके शतक से ही टीम 300 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही। इस मैच में इंग्लैंड की ओर चार बल्लेबाजों ने भी अर्धशतक लगाये पर वे टीम को जीत नहीं दिला पाये।

मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 321 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम 9 विकेट के नुकसान पर 305 रन ही बना पायी।

श्रीलंकाई पारी की बात करें तो मेंडिस ने अपनी टीम के लिए जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए केवल 100 गेंदों में 14 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 121 रनों की आक्रामक पारी खेली। उन्हें कामिंदु मेंडिस 54 रन, पवन रत्नायके 48 रन और जनिथ लियांगे 32 रनों का अच्छा साथ मिला। इंग्लैंड के गेंदबाजों में गस एटकिंसन और रेहान अहमद ने सबसे अधिक 2-2 विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर को एक विकेट मिला।

322 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज टॉम बेंटन और बेन डकेट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 147 रनों की विशाल साझेदारी की। बेंटन ने 73 रन और डकेट ने 67 रनों की बेहतरीन पारियां खेलीं, जिससे एक समय लगा कि इंग्लैंड आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेगा। इन दोनों के आउट होने के बाद, मध्यक्रम में कप्तान जोस बटलर ने 69 रन और विल जैक्स ने 52 रन बनाकर पारी संभाली। इंग्लैंड के लिए कुल चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाये पर इसके आउट होते ही श्रीलंकाई गेंदबाज हावी हो गये।

श्रीलंका के गेंदबाजों ने अंत के ओवरों में बेहतरीन वापसी करते हुए इंग्लैंड को 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 305 रन पर ही रोक दिया, जिससे वे लक्ष्य से 16 रन दूर रह गए।

यानसेन ने पकड़ा असंभव सा कैच, दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया को हराया

डरबन। दक्षिण अफ्रीका ने यहां खेले गये पहले टी20 क्रिकेट मैच में मेहमान टीमी ऑस्ट्रेलिया को 67 रनों से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन ने एक असंभव सा कैच पकड़कर सभी को हैरान कर दिया। 6 फीट 8 इंच लंबे यानसेन का ये कैच विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ कैचों में से एक माना जा रहा है।

इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम 298 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहा थी और जीत की ओर बढ़ रही थी। उसे जीत के लिए 83 गेंदों में 83 रनों की जरुरत थी। मैच में कड़ी टक्कर जारी थी। तभी 37वें ओवर में तेज़ गेंदबाज गेराल्ड कोएट्ज़ी की गेंद पर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने मिड विकेट की दिशा में खेलने का प्रयास किया। गेंद तेजी से बाउंड्री की ओर जा रही थी पर तभी यानसेन ने गेंद के जमीन पर गिरने से पहले लपक लिया। यह कैच

इतना अविश्वसनीय था कि इसे देखने वाला दंग रह गया।

यानसेन ने इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान मात्र 59 गेंदों पर 75 रनों की तूफानी पारी खेली थी। जिसमें कई चौके और छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने साउथ अफ्रीका का स्कोर 297/8 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। गेंदबाजी में भी उन्होंने सात ओवर में 64 रन देकर ट्रेविस हेड जैसा महत्वपूर्ण विकेट लिया। फील्डिंग में तो वह पूरे मैच में छाये रहे, जहां उन्होंने मैच में कुल चार-चार कैच लिए।

यानसेन के इस शानदार प्रदर्शन के चलते विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 41.2 ओवर में ही केवल 230 रनों पर सिमट गई। इससे दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला 67 रनों के बड़े अंतर से जीतकर तीन मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

सड़क पर कैब चलाने वाले सलमान ने एशियाई खेलों में कांस्य जीता

नगोया। एशियाई खेलों में भारत को पुरुष डबल स्कल्स में ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाने वाले सलमान खान का सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं है। एक समय दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर उबर कैब चलाने वाले सलमान के हाथों में अब स्टीयरिंग की जगह पतवार है। सतनाम सिंह के साथ मिलकर उन्होंने न केवल भारत के लिए एशयाई खेलों की इस स्पर्धा का पहला पदक जीता, बल्कि दिखाया है कि संघर्ष से ही सफलता मिलती है। सलमान का यह कठिन सफर तब शुरू हुआ जब 2016 में उनके पिता का निधन हो गया। परिवार में सबसे बड़े होने के नाते, सारी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई।

एशियाई खेलों में भारत के लिए अच्छा रहा छठा दिन स्वर्ण और रजत जीता, कई अन्य पदक भी पक्के हुए

नगोया । जापान के ऐची-नागोया एशियाई खेल 2026 का छठा दिन भारत के लिए अच्छा रहा। निशानेबाजों ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर देश की पदक संख्या 19 तक पहुंचा दी. सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम फाइनल में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्रांक्ष पाटिल ने पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा अन्य खेलों से भी उसके लिए पदक की उम्मीद बनी है। दिया चिताले और मानुष शाह ने टेबल टेनिस मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक पक्का किया है। वहीं, स्क्वैश में जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्का कर चुकी है.

महिला हॉकी में भारत ने जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली. दूसरी ओर, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने नेपाल को हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश कर लिया है. स्क्वैश में अनाहत सिंह ने ऑल-इंडियन क्वार्टरफाइनल में तन्वी खन्ना को 3-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बना ली! भारत के लिए यह दिन अब तक शानदार रहा है और पदकों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद बनी हुई है. टीम स्पोर्ट्स में, भारतीय महिला हॉकी टीम ने पूल बी मैच में जापान को 3-1 से हराकर सेमीफ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं, कबड्डी में भारत को दो स्वर्ण जीतने के अवसर पक्के कर लिए, क्योंकि पुरुष और महिला दोनों कबड्डी टीमें फ़ाइनल में पहुंच गईं. महिला टीम ने सेमीफ़ाइनल में नेपाल को हराया, जबकि पुरुष टीम ने भी थाईलैंड के खिलाफ़ सेमीफ़ाइनल मैच आसानी से जीतकर गोल्ड मेडल मैच में अपनी जगह बना ली।

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने ल्यूक विलियम्स

मुम्बई । मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के 2027 सत्र के लिए ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच बनाया है। विलियम्स पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली की जगह कोच बनाये गये हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक महिला लीग के चार में से दो सत्र जीते हैं, जिससे यह फ्रेंचाइजी लीग की सबसे सफल टीमों में से एक बनी हुई है। अब उसे नये कोच से इस सिलसिले को आगे बढ़ाते रहने की उम्मीद है।

मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर विलियम्स को सत्र से पहले टीम का नया मुख्य कोच घोषित किया। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में बताया, मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि लिसा ने टीम के हेड कोच पद से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह 2027 महिला प्रीमियर लीग सीज़न से पहले ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली ने फ्रेंचाइजी के साथ अपने कार्यकाल को समाप्त करने का निर्णय लिया। मुंबई इंडियंस ने उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

वहीं मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम अंबानी ने ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हम ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। ल्यूक ने खुद को एक सफल कोच साबित किया है और उनके पास काफी अनुभव, महिला क्रिकेट की गहरी समझ और खिलाड़ियों के विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता है। अंबानी ने विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम के भविष्य पर भरोसा जताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएगी, बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगी और युवा लड़कियों को प्रेरित करती रहेगी।

वहीं नए मुख्य् कोच ल्यूक विलियम्स ने मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित और सफल संस्था से जुड़कर और खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करके बेहद उत्साहित हूं। हमारे पास मिलकर कुछ खास तैयार करने, रोमांचक क्रिकेट खेलने और सफलता के लिए प्रतिस्पर्धा करने का शानदार मौका है। उन्होंने इस नई चुनौती का सामना करने और प्रशंसकों को गर्व करने के कई अवसर देने की अपनी इच्छा दोहराई।

गौरतलब है कि विलियम्स कोचिंग के क्षेत्र में लगभग दो दशकों का लंबा अनुभव रखते हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत में विभिन्न भूमिकाएं शामिल हैं। उन्होंने 2005/06, 2007/08 और 2009/10 सीज़न में ग्रेड क्रिकेट के लिए तीन बार ब्रैडमैन मेडल भी जीता है। विलियम्स 2025 से इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम के सहायक कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं, और अब मुंबई इंडियंस की महिला टीम की कमान संभालेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में रोहित-कोहली तोड़ सकते हैं तेंदुलकर के ये दो बड़े रिकार्ड

मुम्बई। भारत और वेस्टइंडीज के टीम के बीच 27 सितंबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज शुरु होगी। इस सीरीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। इसका कारण है कि इसमें उन्हें काफी समय के बाद अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को बल्लेबाजी करते देखने का अवसर मिलेगा। इस सीरीज में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के दो बड़े विश्व रिकॉर्ड्स भी निशाने पर रहेंगे।

विराट एकदिवसीय क्रिकेट में 15,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने से केवल 59 रन दूर हैं। यदि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ इस सीरीज में यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह एकदिवसीय इतिहास में इस मुकाम तक पहुंचने वाले विश्व के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे। वहीं बल्लेबा सचिन तेंदुलकर के नाम एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे अधिक 18,426 रनों का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सचिन ने एकदिवसीय में सबसे तेज 15,000 रन 387 मैचों की 377 पारियों में पूरे किए थे। वहीं, विराट कोहली ने अब तक 314 मैचों की 302 पारियों में 14,941 रन बनाए हैं। कोहली अपनी शानदार निरंतरता के चलते सचिन से काफी कम पारियों में यह मील का पत्थर पार करने वाले हैं, जो उनकी बल्लेबाजी की असाधारण क्षमता को दर्शाता है।

विराट के साथ-साथ भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी इस सीरीज में तेंदुलकर के एक रिकॉर्ड को तोड़ने की कगार पर हैं। रोहित की एकदिवसीय क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सबसे तेज 10,000 रन बनाने के विश्व रिकॉर्ड पर नजरें लगाये हैं। वर्तमान में यह रिकॉर्ड भी सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है, जिन्होंने बतौर सलामी बल्लेबाज 259 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था। रोहित शर्मा इस रिकॉर्ड को तोड़ने से केवल 135 रन दूर हैं। रोहित ने बतौर ओपनर अब तक 201 पारियों में 54.5 की शानदार औसत से 9,865 रन बनाए हैं। यदि वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 135 रन बना लेते हैं, तो वह सचिन को पीछे छोड़कर सबसे कम पारियों में बतौर ओपनर 10,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरेन सैमी को भारत दौरे में जीत की उम्मीद

मुम्बई । भारत दौरे पर आई वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी ने माना है कि उनकी टीम पिछले 24 साल से भारत में नहीं जीती है पर कहा कि इस बार वह जीत के पूरे प्रयास करेगी। भारत दौरे पर आई वेस्टइंडीज टीम को तीन एकदिवसीय और पांच टी20 खेलने हैं। सैमी ने इस बात पर हैरानी जतायी है कि वेस्टइंडीज की टीम पिछले 24 सालों से भारत में कोई एकदिवसीय सीरीज नहीं जीत पाई है पर कहा कि इस बार उन्हें यह सूखा खत्म होने की प्रबल उम्मीद है। यह दावा वेस्टइंडीज के प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाएगा जो पिछले काफी समय से अपनी टीम को भारत की धरती पर जीतते हुए देखना चाहते हैं।

सैमी ने भारत जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनके घरेलू हालातों में खेलने के महत्व को भी बताया है। उनके अनुसार, यह सीरीज स्पष्ट रूप से यह दिखाएगी कि विश्व क्रिकेट में वेस्टइंडीज की टीम वर्तमान में किस पायदान पर खड़ी है और उसमें कितनी क्षमता है।

वेस्टइंडीज बोर्ड द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, सैमी ने अपने विचार खुलकर व्यक्त किए। उन्होंने कहा, भारत में खेलने का मतलब एक शानदार सीरीज का हिस्सा बनना है, क्योंकि भारत दुनिया की नंबर-1 टीम है। हमें यहां जीते हुए 24 साल हो गए हैं। हमने

भारत में कोई सीरीज नहीं जीती है, इसलिए एक टीम के तौर पर हमारे लिए यहां आकर खुद को चुनौती देने और यह जानने का यह एक शानदार मौका है कि एकदिवसीय क्रिकेट में दुनिया में हम कहां पर हैं। उनके ये शब्द टीम के भीतर आत्मविश्वास और आत्म-मूल्यांकन की भावना को दर्शाते हैं।

गौरतलब है कि ये सीरीज वेस्टइंडीज के लिए और भी अहम हो जाती है क्योंकि वे 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई नहीं कर पाए हैं। उन्हें अगले साल क्वालीफायर राउंड खेलना होगा, जिसके लिए यह भारत दौरा एक तैयारी के साथ ही अपने स्तर को जांचने का एक मंच साबित होगा। हालांकि वह जानते हैं कि भारतीय टीम को उसकी धरती पर हराना बेहद कठिन है। भारतीय टीम घरेलू मैदान पर बेहद मजबूत मानी जाती है और उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। ऐसे में कैरेबियाई टीम को उसके टक्कर देने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा।

एकदिवसीय सीरीज रविवार 27 सितंबर को पहले मैच के साथ होगा। दूसरा एकदिवसीय 30 सितंबर को और तीसरा व अंतिम एकदिवसीय 3 अक्टूबर को खेला जाएगा। कार्यक्रम इस प्रकार है।

27 सितंबर - पहला एकदिवसीय - भारत बनाम वेस्टइंडीज

30 सितंबर - दूसरा एकदिवसीय - भारत बनाम वेस्टइंडीज

3 अक्टूबर - तीसरा एकदिवसीय - भारत बनाम वेस्टइंडीज

हरमनप्रीत ने तोड़ा धोनी का रिकार्ड

टोक्यो । जापान में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के स्वर्ण पदक जीतने के दौरान ही कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एक विश्व रिकार्ड अपने नाम किया है। हरमनप्रीत ने इसी के साथ ही पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों में ही एक ऐसा रिकार्ड बनाया है जो किसी अन्य के नाम नहीं है। हरमनप्रीत अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा फाइनल जीतने वाली कप्तान बन गई हैं। उन्होंने इसी के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने के साथ ही हरमनप्रीत ने अपनी कप्तानी में आठवां टी20 फाइनल जीता है। इसी के साथ ही वह धोनी से आगे निकल गये हैं।

धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम और आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स ने कुल सात टी20 फाइनल जीते थे। एशियाई खेलों में यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है, जो हरमनप्रीत की अगुवाई में टीम की निरंतरता और बड़े मंच पर दबाव झेलने की क्षमता को दिखाता है। इससे पहले हांगझोउ एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता था, और अब जापान में खिताब जीता है।

एशियाई खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में सुरुचि और कमलजीत ने दिलाया भारत को दूसरा स्वर्ण

नगोया। एशियाई खेलों में भारत के दूसरा स्वर्ण पदक निशानेबाज सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने दिलाया है। शुक्रवार सुबह आईची-नागोया में 10 मीटर एयर पिस्टल की मिश्रित टीम स्पर्धा में सुरुचि और कमलजीत की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। यह भारत के लिए 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पदक जीतने का अंतिम अवसर था जिसका लाभ उठाने में ये जोड़ी सफल रही। भारत की ओर से पहला स्वर्ण महिला क्रिकेट टीम को मिला था।

भारतीय महिला कबड्डी टीम नेपाल को हराकर फाइनल में पहुंची

नागोया । भारतीय महिला कबड्डी टीम ने यहां खेले गये सेमीफाइनल मुकाबले में नेपात टीम को 48-24 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने पहले हाफ में 31-17 की बढ़त बनाने के साथ ही एक और स्वर्ण की ओर कदम बढ़ाये हैं।

सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने नेपाल को 48-24 के बड़े अंतर से हराकर देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस शानदार जीत के साथ ही मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम ने लगातार चौथे स्वर्ण पदक की ओर अपना मजबूत कदम बढ़ाया है।

शुक्रवार को हुए इस एकतरफा मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरूआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। पहले हाफ में टीम ने 31-17 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी, जिसमें चार ऑल-आउट और चार बोनस अंक शामिल थे, जिससे नेपाल टीम को वापसी का कोई अवसर नहीं मिला। नेपाल की टीम भारतीय आक्रमण के सामने टिक नहीं पायी और दूसरे हाफ में भी वह केवल सात अंक ही हासिल कर सकी। इससे भारत की जीत का अंतर और भी बढ़ गया। भारतीय महिला टीम ने सेमीफाइनल तक पहुंचने के दौरान ग्रुप चरण में ईरान, बांग्लादेश और जापान को भी बड़े अंतर से हराया जिससे फाइनल में उनकी दावेदारी और भी बेहतर हो गयी। महिला कबड्डी को पहली बार 2010 में एशियाई खेलों में शामिल किया गया था, और तब से भारतीय टीम का इस खेल में

दबदबा बना रहा है। इससे टीम लगातार शीर्ष पर बनी हुई है। दूसरी और भारतीय पुरुष कबड्डी टीम भी मौजूदा चैंपियन के रूप में अपना अभियान जारी रखे हुए है और सेमीफाइनल में उसका सामना थाईलैंड से होगा। पुरुषों की कबड्डी 1990 से एशियाई खेलों का हिस्सा रही है, और भारत ने इस वर्ग में अब तक आठ स्वर्ण पदक जीतकर अपना ऐतिहासिक दबदबा स्थापित किया है। हालांकि, 2018 में भारत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था, जब ईरान ने स्वर्ण पदक जीता था, जो इस प्रतियोगिता में भारत के अलावा स्वर्ण जीतने वाला एकमात्र अन्य देश है।

सीमा कुमारी ने 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता

मिज़ुहो पार्क। भारत की सीमा कुमारी ने यहां जारी एशियाई खेलों में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता है। इस प्रकार भारत को 16 साल के लंबे इंतजार के बाद ये पदक मिला है। मिज़ुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में सीमा 32 मिनट 50.05 सेकंड समय निकालकर तीसरे स्थान पर रही। इसी के साथ ही एथलेटिक्स स्पर्धा में भारत को पहला पदक मिला है। सीमा 5000 और 10,000 मीटर की विशेषज्ञ हैं, का खेल सफर आसान नहीं रहा है। एशियाई खेलों में उनका यह यादगार प्रदर्शन उनके अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिणाम है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (भवन)
लोक निर्माण विभाग, कलेक्टर आफिस के सामने,
प्रथम तल, विश्वेश्वरैया भवन बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :- 07632-358737 ई-मेल :- dpepiu.balaghat@mp.gov.in

एन.आई.टी. नं.-26/2026/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/भवन/व.ले.लि. बालांघाट दिनांक 21.09.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWPIU_537617_1	सबजेल बैहर, जिला बालाघाट के कैम्पस में 04 नग एच-टाईप आवासगृह 04 का एक ब्लॉक का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	84.94	84940.00	10000.00	म.प्र. लोक निर्माण विभाग के इम्पैनल्ड/पंजीयकृत	10 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http:// mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 24.09.2026 समय सुबह 09:00 बजे से दिनांक 14.10.2026 समय शाम 6:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-19068/26

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

22/9/26
कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग बालाघाट

नपा ने सेवा, अंत्योदय और विकास के संकल्प के साथ मनाई पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती

जरूरतमंदों को कराया नि:शुल्क भोजन, वार्ड 19 एवं 21 में 29 लाख रुपये के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती सेवाभाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीनदयाल रसोई में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत रसोई में उपस्थित जरूरतमंद नागरिकों को भोजन कराया गया। सभापति योगिता विनय बोपचे ने बताया कि इस अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा दीनदयाल रसोई के माध्यम से जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुँचे मरीजों, उनके परिजनों एवं अन्य जरूरतमंद लोगों को भी नि:शुल्क भोजन वितरित किया गया। सेवा और अंत्योदय की भावना के साथ आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को जनसेवा के रूप में साकार किया गया।

लगभग 29 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा वार्ड क्रमांक 19 एवं 21 में लगभग 28 लाख 97 हजार रुपये की लागत से होने वाले दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया।

सभापति वकील वाधवा व पार्षद मानक बर्वे ने बताया कार्य के अंतर्गत 20 लाख रुपये की लागत से झूलेलाल धर्मशाला से चिजवानी जी के मकान होते हुए प्रेम प्रकाश आश्रम से मानक बर्वे के घर तक सड़क पर वेयरिंग कोट, नालियों पर स्लैब कवर तथा गट्ठू लगाने का कार्य किया जाएगा। इस निर्माण से वार्ड क्रमांक 19 एवं 21 के नागरिकों को बेहतर आवागमन, जल निकासी और स्वच्छता की सुविधा मिलेगी।

पार्षद गिरीश कावड़े ने बताया कि दूसरे कार्य के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18-19 में 8 लाख 97 हजार रुपये की लागत से बिल्लू चौरसिया के घर से गोंदिया रोड तक सड़क के दोनों ओर नालियों पर स्लैब कवर लगाने का कार्य किया जाएगा। दोनों निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा तथा नागरिक सुविधाओं में विस्तार होगा।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना हमारा संकल्प

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार ही सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का आधार है। अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना नगर पालिका परिषद का संकल्प है और इसी लक्ष्य को लेकर परिषद लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में नगर पालिका परिषद द्वारा बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं आवासहीन परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया है। सबसे बड़ी चुनौती अधूरे पड़े एएचपी प्रधानमंत्री आवासों को पूर्ण कर आवासहीन परिवारों को आवास प्रदान करना था। परिषद ने इस कार्य को प्राथमिकता के साथ प्रारंभ किया और अब तक लगभग 200 परिवारों को मात्र दो लाख रुपये में ईडब्ल्यूएस आवास आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि एक आवास की वास्तविक लागत लगभग 10 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल से प्रारंभ स्ट्रीट वेंडर एवं अन्य रोजगारमूलक योजनाओं के माध्यम से हजारों जरूरतमंद हितग्राहियों को अपना रोजगार और व्यवसाय संचालित करने के लिए 10 हजार, 20 हजार, 50 हजार तथा दो लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इस उल्लेखनीय कार्य के लिए बालाघाट ने पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार संबल कार्ड सहित अनेक जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि जनकल्याण, विकास और जरूरतमंदों की सेवा का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। नगर में जो भी पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश 'पप्पू' बिसेन, सभापति योगिता विनय बोपचे, पार्षद वकील वाधवा, उज्ज्वल आमडारे, कमलेश पंचे, गजेंद्र भारद्वाज एवं मानक बर्वे, गिरीश कावड़े, विशाल मंगलानी, बिट्टू कौशल एवं जैनेन्द्र कटरे,राजू छत्री,संजू वराड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी तथा नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उकवा ग्राम पंचायत में सीसी सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने से खिले ग्रामीणों के चेहरे

जर्जर हो चुकी सड़कों की जगह अब बन रही नई सड़के

पद्मेश न्यूज। उकवा । जनपद पंचायत परसवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा में विकास कार्यो ने फिर से र?तार पकड़ी है जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर देखने मिल रही है । पानी टोला में सीसी सड़क आरसीसी नाली बाजार चौक एवं पानी टोला में स्मार्ट लाइट जैसे निर्माण कार्य पूर्ण करने के बाद अब लगभग एक करोड़ 23 लाख 42 हजार की राशि से कराये जा रहे हैं विकास कार्य । नवागत सरपंच श्रीमती रामवती उयके उपसरपंच शिव शंकर तिवारी एवं सचिव भजन वल्के ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 अगस्त 2026 को जिन जगहों पर निर्माण कार्य के लिए भूमि पूजन किया गया था उनमें सबसे पहले वार्ड नंबर 04 मे दुर्गा प्रसाद पटले के घर से बोपचे बाबू के घर तक 40 मी सीसी सड़क , ओम प्लाई सेंटर से बड़ा देव परिसर तक सीसी सड़क, बड़ा देव परिसर से संजय अग्रवाल के घर तक सीसी सड़क, संजय अग्रवाल के घर से सामुदायिक भवन उकवा कैंप तक सीसी रोड ,तिहारी बहारे के घर से ब्रम्हे के घर तक सीसी रोड । वार्ड नंबर 16 में भी तिलकबाबू के घर से मेन रोड तक सीसी रोड निर्माण कार्य, बाजार परिसर में गट्टू निर्माण कार्यो का सरपंच श्रीमती रामवती उईके उप सरपंच श्री शिव शंकर तिवारी सचिव श्री भजन वल्के पंच श्रीमती रीना जीजोतिया ललिता रौतीया प्रमिला मेश्राम आरती भारद्वाज एवं पंच रमेश कुमार जंक्शन सरभांग सुमित बांगरे संजय अग्रवाल केस्टो चरण उत्कल नंदा एवं सभी पंचगणो और ग्रामीणों की उपस्थिति में भूमि पूजन किया गया था ऊन विकास कार्यों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है सामुदायिक भवन उकवा कैंप से संजय अग्रवाल के घर तक 8 इंच मोटी एवं 13 फीट चौड़ी सीसी सड़क का कार्य जोरों से चल रहा है इसके पश्चात जिन-जिन विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया है उन सभी निर्माण कार्यों का निर्माण कार्य शुरू कर जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा । ग्राम पंचायत उकवा के पंच एवं उकवा की जनता का निर्माण कार्यों में सराहनीय सहयोग मिल रहा है ।

13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए

नई दिल्ली। ईसीआई को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसी बीच शुक्रवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा की प्रतिक्रिया पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास लगाए गए आरोपों के तथ्य और सबूत मौजूद हैं। जिन्हें राहुल गांधी कई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सार्वजनिक कर चुके हैं। इसके साथ ही दावा किया कि 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

प्रियंका गांधी ने क्या कहा?

प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, माफ कीजिए, यह बहुत पुरानी और कमजोर कहानी है। इसके लिए तथ्य और सबूत मौजूद हैं। पूरा देश इसे देख सकता है। मेरे भाई (राहुल गांधी) ने कई प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे दिखाया है। उन्होंने सबूत सबके सामने रखे हैं। अब यह बात बिल्कुल साफ है। 13 करोड़ वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं। यह एक बेतुका बहाना है। भाजपा को ऐसे बेतुके बहाने बनाना बंद कर देना चाहिए।

कितने वर्षों से चुनावों में धांधली कर रहे?

उन्होंने आगे कहा कि अगर वे हमारे चुनावों में दखल दे रहे हैं और अगर उनकी लीडरशिप चुनाव आयोग से ऐसा करवा रही है, तो यह देशद्रोह जैसा काम है। उन्हें इस बात का एहसास होना चाहिए। वे गैर-कानूनी काम कर रहे हैं। वे कितने वर्षों से चुनावों में धांधली कर रहे हैं?

कुख्यात लेडी डॉन पार्वती दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली। कुख्यात नार्को किंगपिन पार्वती और उसके एक साथी को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। पार्वती के घर से डायल्यूटेड फॉर्म में ड्रग्स बरामद किया गया है। कभी बड़ी डॉन वाली कुर्सी पर तो कभी ड्रग्स की काली कमाई के साथ नार्को किंगपिन पार्वती की तस्वीरें उसकी कहानी को साफ बयां करती हैं। जब वह अपने गैंग को चलाती तो बड़ी कुर्सी पर बैठती, जरूरत पडने पर ड्रग्स की डिलीवरी खुद लेने जाती और तस्करी से लेकर स्ट्रीट पैडलिंग तक फैले पूरे धंधे को खुद संभालती थी।

पुलिस ने पार्वती के एक साथी को भी गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पार्वती के घर से चरस और उसका डायल्यूटेड फॉर्म बरामद हुआ है। पुलिस ने लग्जरी एसयूवी भी जब्त की है। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि नरेला इलाके में बड़ी मात्रा में स्मैक बेचने के लिए लाई गई है। सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स टीम नरेला पहुंची और एक बिल्डिंग में रेड की। वहां फर्स्ट फ्लोर पर एक महिला और एक आदमी मिले।

1990 से ड्रग्स के धंधे में शामिल है पार्वती

इस महिला पर पहले भी नारकोटिक्स के कई मुकदमे दर्ज हैं। पार्वती 1990 से ड्रग्स के धंधे में शामिल है। पहले कोतवाली इलाके, फिर नॉर्थ दिल्ली, फिर नॉर्थ-वेस्ट और अब कुछ सालों से आउटर नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में यह ड्रग्स का धंधा चला रही थी। जानकारी के मुताबिक, ड्रग्स बाहर से मंगाया जाता था, फिर तीसरी जगह स्टोर किया जाता था और इसके बाद कई चैनल्स से होते हुए स्ट्रीट पैडलिंग तक पहुंचता था। पुलिस फिलहाल इसकी फाइनेंशियल जांच करा रही है। महिला के तीन बेटे हैं। पुलिस महिला की प्रॉपर्टी और फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन की जांच भी कर रही है। पुलिस के मुताबिक लेडी ड्रग माफिया पार्वती ने ड्रग के कारोबार से अकूत कमाई की है।

बद्रीनाथ धाम में डीजे कॉन्सर्ट पर विवाद, मुरली मनोहर जोशी ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली । उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान डीजे और तेज संगीत को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कार्यक्रम के वीडियो सामने आने के बाद साधु-संतों और तीर्थ पुरोहितों ने धार्मिक मर्यादाओं का हवाला देते हुए आपत्ति जताई है। अब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने भी इस आयोजन पर सवाल उठाए हैं।

बद्रीनाथ धाम में 19 और 20 सितंबर को 'देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव-2026' का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम बद्रीनाथ के अराइवल प्लाजा में भारतीय सेना की 'ऑपरेशन सद्भावना' पहल के तहत चमोली जिला प्रशासन और उत्तराखंड पर्यटन के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम में उत्तराखंड की लोक गायिका प्रियंका मेहर और लोक गायक किशन महिपाल ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान लोगों के डांस करने के वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिसके बाद विवाद बढ़ गया।

मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह की अनुमति देना सांस्कृतिक मर्यादाओं का उल्लंघन और धाम की पवित्रता पर आघात है। उन्होंने कहा कि यहां धार्मिक मान्यताओं के चलते शंख बजाना तक वर्जित माना जाता है, ऐसे में तेज संगीत और डीजे जैसे आयोजनों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

32 साल बाद गिरफ्तार हुआ दो साध्वियों की हत्या का आरोपी, मंगोलपुरी की फैक्ट्री से पकड़ा गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 1994 में दो साध्वियों की हत्या और आश्रम में डकैती के मामले में करीब 32 साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बिहार के समस्तीपुर निवासी ललित के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे दिल्ली के मंगोलपुरी फेज-2 स्थित एक फैक्ट्री से पकड़ा, जहां वह पैकेजिंग मजदूर के तौर पर काम कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक, वर्ष 1994 में शकरपुर थाना क्षेत्र स्थित एक आध्यात्मिक आश्रम में दो साध्वियों की गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि वारदात के बाद बदमाश आश्रम से नकदी, गहने और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस का दावा है कि ललित भी वारदात में शामिल था और उसने दोनों साध्वियों का गला दबाने में अन्य आरोपियों का साथ दिया था। लूटे गए सामान में उसे भी हिस्सा मिला था।

इस मामले में सुनील कुमार, दिलीप राम और सुशील को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि ललित फरार हो गया था। 26 अक्टूबर 1995 को अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

जांच के अनुसार, ललित वर्ष 2000 तक बिहार में अलग-अलग जगहों पर काम करता रहा। इसके बाद वह दिल्ली आ गया और घरेलू सहायक के रूप में काम करने लगा। बाद में उसने कई फैक्ट्रियों में पैकेजिंग मजदूर के तौर पर काम किया और लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा।

क्राइम ब्रांच को उसकी मंगोलपुरी में मौजूदगी की सूचना मिली थी। टीम ने उसकी पहचान की पुष्टि के बाद फैक्ट्री में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसकी पहचान आधार कार्ड से भी सत्यापित की है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने तोड़ी चुप्पी, विस चुनाव से पहले ऐलान

न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं। कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह 2021 में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है। अमरिंदर सिंह ने खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ से बाहर बताया है। उन्होंने कांग्रेस में वापसी की अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर सकता है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 20 से ज्यादा घर बहे

नई दिल्ली। सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी गांव में लगातार बारिश के कारण गुरुवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 20 से ज्यादा घर और सरकारी क्वार्टर बह गए। हालांकि, अभी तक किसी की मौत की सूचना नहीं है। बंगाल की खाड़ी से उठा अर्नब चक्रवात अब कमजोर पड़ गया है। इसके कारण ओडिशा में भारी बारिश के साथ अचानक बाढ़ और लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है। राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों में निचले और लैंडस्लाइड प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले करीब 10 हजार लोगों को 200 राहत केंद्रों में भेजा गया है। चक्रवात से 9 राज्य प्रभावित हैं। अगले 24 घंटे में छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में भारी बारिश हो सकती है। इन इलाकों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ गरज-चमक भी हो सकती है। मध्य प्रदेश में स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। जबलपुर समेत 13 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 16 जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। बिहार में आज 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। हरियाणा में भी यमुनानगर, करनाल और पानीपत समेत 6 जिलों में बारिश होने की संभावना है।

'नमामि भारतम्' कार्यक्रम, 600 भैया-बहनों ने एक स्वर में गाया वंदे मातरम्

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार, 25 सितंबर को सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती नगर बालाघाट में 'नमामि भारतम्' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों, अतिथियों एवं अभिभावकों ने 'एक समय, एक लय, एक स्वर' में सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं मां भारती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक घनश्याम परते, साक्षी रविन्द्र श्रीवास्तव एवं सत्यापनकर्ता डॉ. दीपांक रामटेक्कर सहित मुख्य अतिथि मनोजपुरी गोस्वामी, सुन्दरलाल बिसेन, अनिल जी, लालचंद पिपलेवार, गजेन्द्र भारद्वाज, रामेश्वर मटाले, क्षिप्रा पाण्डेय, ध्यानवी पटेल सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रविन्द्र श्रीवास्तव ने वंदे मातरम् और बंग-भंग आंदोलन के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। वहीं सुन्दरलाल बिसेन एवं अशोक बिसेन ने प्रगति की ओर बढ़ते भारत में राष्ट्रीय गीत की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की संयोजिका कुन्ता नेवारे एवं सावित्री राहंगडाले ने उपस्थितजनों को सामूहिक संकल्प दिलाया। विद्यालय की बहिन दिव्या श्रीवास्तव, नंदनी वरकड़े एवं भैया कृष्णा चंदानी ने वंदे मातरम् के संदर्भ में ओजस्वी भाषण प्रस्तुत किए। मंच संचालन बहिन ईशिका कटरे ने किया।कार्यक्रम में करीब 600 भैया-बहिन, अतिथि एवं अभिभावक शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह और देशभक्ति का जोश देखने को मिला। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य राजेश राहंगडाले ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

7 विदेशियों को यूएस-यूक्रेन जाने की परमिशन

नई दिल्ली। दिल्ली की एक स्पेशल कोर्ट ने सात विदेशी नागरिकों को परिवार से मिलने के लिए विदेश जाने की परमिशन दी। इनमें अमेरिकी भाड़े के सैनिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और 6 यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। एनआईए कोर्ट ने सभी आरोपियों को अधिकतम एक महीने के लिए अमेरिका और यूक्रेन जाने की परमिशन दी है। इसके बाद उन्हें भारत लौटना होगा और वापसी के 72 घंटे के भीतर कोर्ट को इसकी जानकारी देनी होगी। एनआईए ने मार्च 2026 में अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक समेत सात विदेशी नागरिकों को म्यांमार के ट्रेनिंग कैंप में उग्रवादियों को हथियार-ड्रोन की ट्रेनिंग देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

स्ट्रांग सिस्टम से बारिश का दौर जारी, दिन भर की लगी झड़ी

2 दिनों तक एक्टिव रहेगा,स्ट्रांग सिस्टम, जिले में अब तक 43 इंच वर्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश में सक्रिय स्ट्रांग सिस्टम के चलते जिले में बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गई, जो देर शाम तक जारी रही। बारिश के कारण मौसम में ठंडक घुल गई और जनजीवन भी प्रभावित हुआ। बाजारों में अपेक्षाकृत कम चहल-पहल रही और व्यापार भी प्रभावित रहा।उधर मौसम मौसम में आए बदलाव के बीच शुक्रवार को नगर का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।तो वही न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।उधर मौसम विभाग ने शुक्रवार की तरह शनिवार को भी मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने और सुनह के वक्त बारिश होने की संभावना जताई है।

जिले में मानसून सीजन के दौरान 1 जून से 25 सितंबर तक 43 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। हालांकि, यह जिले की औसत सामान्य वर्षा की तुलना में करीब 14 इंच कम है।

तहसीलवार बारिश के आंकड़ों में बालाघाट तहसील 56 इंच बारिश के साथ सबसे आगे है, जबकि कटंगी तहसील में सबसे कम 27 इंच वर्षा दर्ज हुई है।

तहसीलवार बारिश का आंकड़ा

कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से जारी आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 25 सितंबर तक वारासिवनी में 53 इंच, बैहर में 47, लांजी में 42, कटंगी में 27, किरनापुर में 46, खैरलांजी में 37, लालबर्रा में 47, बिरसा में 40, परसवाड़ा में 41 और तिरोड़ी में 35 इंच बारिश दर्ज की गई है।

2025 में कई तहसीलों में ज्यादा हुई थी बारिश

पिछले वर्ष इसी अवधि यानी 25 सितंबर तक जिले में कई तहसीलों में इस साल की तुलना में अधिक बारिश दर्ज की गई थी। वर्ष 2025 में बालाघाट में 56, वारासिवनी में 59, बैहर में 57, लांजी में 31, कटंगी में 44, किरनापुर में 48, खैरलांजी में 19, लालबर्रा में 53, बिरसा में 39, परसवाड़ा में 63 और तिरोड़ी में 47 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

मौसम विभाग की नजर बारिश पर

शुक्रवार को बारिश के चलते लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ ही आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में जिले में मानसून की सक्रियता पर लोगों की नजर बनी हुई है।

लामता में हुआ सामूहिक वंदे मातरम् गायन

पद्मेश न्यूज। लामता। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में आयोजित किए जा रहे एक करोड़ लोगों के सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम में लामता स्थित विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर भी शामिल हुआ। शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं सामूहिक भावना को मजबूत करना रहा। इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए एक राष्ट्र, एक भावना, एक सामूहिक स्वर के संदेश को साकार किया।

विद्यालय की ओर से बताया गया कि विद्या भारती द्वारा आयोजित इस अभियान के माध्यम से देशभर में एक करोड़ लोगों को एक साथ जोड़कर वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कराया जा रहा है। अभियान को विश्व कीर्तिमान बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

सामूहिक गायन के दौरान विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से ओत-प्रोत रहा। विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ कार्यक्रम में भाग लिया और देश की एकता एवं अखंडता का संदेश दिया।

इस वंदे मातरम् गायन के कार्यक्रम में लामता सरपंच हुलासमल कोचर,मूलचंद कोचर, प्रकाश गुप्ता एवं गणमान्य नागरिक शामिल रहे

विद्यालय के प्रधानाचार्य विनायक राव पेंढारकर ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और सामूहिक भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

मरार समाज की दो टूक.. न्याय नहीं मिला तो आंदोलन अंतिम विकल्प

कहा..कानून के रास्ते लड़ेंगे लड़ाई: पहले जेल में बंद समाज के लोगों की कानूनी मदद, बेगुनाहों को मामले से बाहर करने की कवायद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने में चौधरी दंपति के साथ हुई कथित मारपीट, सावित्री चौधरी के गर्भपात, पुलिस कार्रवाई और थाने में हुई तोड़फोड़ को लेकर मरार-माली समाज ने 25 सितंबर को बूढ़ी स्थित पानी टंकी के नीचे समाज भवन में प्रदेश स्तरीय बैठक कर अपने अगले कदम को लेकर स्थिति साफ कर दी। दोपहर 2 बजे आयोजित इस बैठक में बालाघाट मरार समाज के जिला अध्यक्ष रमेश पांचे, भाजपा जिला अध्यक्ष एवं समाज पदाधिकारी रामकिशोर कावरे, पूर्व विधायक हिना कावरे सहित जिले के विभिन्न पदाधिकारी और प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे समाज प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बैठक में समाज के तेवर जरूर तल्ख रहे, लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया गया कि अब किसी भी तरह का नेतृत्वहीन और कानून के दायरे से बाहर आंदोलन नहीं होगा। समाज पदाधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आगे जो भी कदम उठाया जाएगा, वह पूरी तरह विधि और कानूनी प्रक्रिया के तहत होगा। कुछ वक्ताओं ने कहा कि समाज ने पहले भी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का प्रयास किया था, लेकिन आंदोलन को गलत दिशा देकर समाज के लोगों को ही कटघरे में खड़ा कर दिया गया। इसी अनुभव के बाद अब समाज ने सीधे कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि फिलहाल जिले में किसी बड़े धरना, प्रदर्शन या आंदोलन की योजना नहीं है। पहले पूरे मामले में कानूनी स्थिति को समझा जाएगा और जिन समाज के लोगों पर प्रकरण दर्ज हैं तथा जो जेल में बंद हैं, उन्हें नियमानुसार कानूनी सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही ऐसे लोगों को मामले से बाहर कराने की कोशिश होगी, जिनका घटनाक्रम से कोई संबंध नहीं है। किरनापुर थाने में चौधरी दंपति के साथ कथित मारपीट और सावित्री चौधरी के गर्भपात को लेकर भी बैठक में जमकर सवाल उठे। वक्ताओं ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यदि शुरुआत से ही पूरे मामले में नियम और प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जाती तो विवाद इतना आगे नहीं बढ़ता। उनका कहना था कि यदि समाज के किसी व्यक्ति ने गलती की थी तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए थी और यदि पुलिसकर्मियों की ओर से गलती हुई थी तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए थी। समाज ने किसी दोषी को बचाने के बजाय दोषी पर कार्रवाई और बेगुनाह को बचाने की बात कही। किरनापुर थाने में हुई तोड़फोड़ की घटना को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि घटना में जो वास्तव में दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, लेकिन ऐसे लोगों को आरोपी बनाकर कार्रवाई का हिस्सा नहीं बनाया जाए, जिनकी घटना में कोई भूमिका नहीं है। समाज की ओर से इसी मुद्दे को आगामी कानूनी लड़ाई का प्रमुख आधार बनाए जाने के संकेत दिए गए। बैठक में पूर्व विधायक हिना कावरे ने भी समाज को संयमित और कानूनसम्मत तरीके से आगे बढ़ने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरार-माली समाज शांतिप्रिय और सभ्य समाज है तथा वह किसी भी प्रकार के अनावश्यक दबाव, गलत तरीके के प्रदर्शन या कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधि के पक्ष में नहीं है। उन्होंने समाज पदाधिकारियों से कहा कि पूरी लड़ाई कानून और विधि के दायरे में रहकर ही लड़ी जानी चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष एवं समाज पदाधिकारी रामकिशोर कावरे ने कहा कि पूरे मामले में फंसे लोगों को विधि के अनुसार बचाने और बेगुनाहों को प्रकरण से बाहर कराने की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने सावित्री चौधरी के साथ हुई घटना में भी दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की बात कही। कावरे ने कहा कि समाज के पदाधिकारियों की राय लेने के साथ विधिक सलाह के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। कुल मिलाकर 25 सितंबर की प्रदेश स्तरीय बैठक में मरार-माली समाज ने तत्काल सड़क पर उतरने के बजाय कानून के रास्ते लड़ाई लड़ने का फैसला किया है। समाज ने एक ओर संयम का संदेश दिया है तो दूसरी ओर यह भी साफ कर दिया है कि यदि उसे लगता है कि निर्दोष लोगों को फंसाया गया या न्यायसंगत कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन का विकल्प बंद नहीं हुआ है। अब समाज की आगामी रणनीति प्रदेश और जिला पदाधिकारियों की राय तथा कानूनी सलाह के बाद सामने आएगी।

फिलहाल कोई बड़े आंदोलन नहीं होंगा - रमेश पांचे

मरार समाज जिला अध्यक्ष रमेश पांचे ने बैठक के बाद कहा कि प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए समाज पदाधिकारियों से पूरे मामले पर राय ली जाएगी। सभी की राय और विधिक सलाह के आधार पर आगे की रणनीति तय होगी। उन्होंने कहा कि समाज की ओर से लिए जाने वाले निर्णयों की जानकारी जल्द ही मीडिया के सामने रखी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी बड़े आंदोलन या प्रदर्शन का निर्णय नहीं लिया गया है। रमेश पांचे ने कहा कि समाज की पहली प्राथमिकता जेल में बंद अपने लोगों को नियम के अनुसार कानूनी मदद दिलाना और उन लोगों को बचाना है, जो पूरे घटनाक्रम में शामिल नहीं हैं। यदि नियमानुसार कार्रवाई नहीं होती, निर्दोष लोगों को मामले से बाहर नहीं किया जाता और न्यायसंगत कार्रवाई नहीं होती, तो बड़ा आंदोलन समाज के पास अंतिम विकल्प के रूप में मौजूद रहेगा। हालांकि फिलहाल आंदोलन का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

बुजुर्ग महिला से जेवरात की ठगी

नगर के गुजरी बाजार, सब्जी कॉम्प्लेक्स का मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर सहित पूरे जिले में चोरी लूट और ठगी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। जिस पर अंकुश लगाना पुलिस प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। जहा चोरों और लुटेरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें ना तो पुलिस का डर है और ना ही कानून की परवाह। जो बेखौफ होकर आए

दिनों चोरी, लूट व ठगी की वारदातो को अंजाम दे रहे हैं। जिले में लगातार बढ़ते जा रहे इन मामलों के चलते जिले का क्राइम ग्राफ लगातार बढ़ते जा रहा है।आए दिनों सामने आ रही इन्ही घटनाओ के बीच किन्ही 2 अज्ञात युवको ने भंडारे में खाना बनाने के काम पर मजदूरी में आई एक बुजुर्ग महिला से जेवरात की ठगी कर फरार हो गए।बुजुर्ग महिला को बातों में लगाकर ठगी कर, जेवरात लेकर फरार होने का ताजा मामला शुक्रवार की शाम नगर के गुजरी बाजार परिसर स्थित सब्जी काम्प्लेक्स में सामने आया है।हालांकि खबर लिखे जाने तक महिला ने इस वारदात की शिकायत पुलिस से नही की है।जिनके द्वारा ठेकेदार के पहुचने के बाद मामले की शिकायत किए जाने की बात कही गई है।

थैला पकड़ाकर पैसे देने का दिया था लालच, कर ली जेवरात की ठगी

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नं 4 देवटोला निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला गुणवंती बाई पति धरम लाल बघेले मजदूरी का काम करती है।बताया गया कि ठेकेदार के कहने पर वह गणपति विसर्जन कार्यक्रम में भंडारे का खाना बनाने नगर के गुजरी बाजार स्थित सब्जी काम्प्लेक्स में आई थी।बताया गया कि खाना बनाने के बाद वह सब्जी दुकान के पास बैठी थी, इसी दौरान कही से एक युवक आया।महिला को अपने पास का थैला देकर बोला कि इसमें पैसे रखे है, इसे संभाल के रखो मैं अपने दोस्त को छोड़कर बस स्टैंड से वापस आता हूं, इसके बदले में युवक ने उसे पैसे देने का भी लालच दिया था।जिसके बाद महिला को अपनी बातों में उलझाकर जेवरात लेकर फरार हो गया।

रुमाल में बाधकर दिए थे जेवर,बाद में देखने पर मिले गिट्टी पत्थर-गुणवंती बाई

ठगी का शिकार हुई महिला गुणवंती बाई ने चर्चा के दौरान बताया कि वह भंडारे का खाना बनाकर पास की ही सब्जी दुकान के किनारे बैठी हुई थी,तभी एक युवक आया उसके हाथ में थैला था बोला कि इस थैले में पैसे रखे हैं, मैं अपने दोस्त को छोड़ने बस स्टैंड जा रहा हूं,तबतक यह थैला संभाल कर रखना। थैला संभालने के बदले में मैं तुम्हें पैसे भी दूंगा, ऐसा कहकर उन्हें अपनी बातों में उलझाए रखा और कहा कि अम्मा जी गहने पहनकर ऐसे मत बैठा करो, कोई भी लूट लेगा। ऐसा कहते हुए उसने मेरे कान से सोने की 2 बाली, 2 तार व हाथों में चांदी के कड़े उतार लिए और उसे एक रुमाल में बांधकर थैली में डालकर दे दिया।5 मिनट में वापस बस स्टैंड से आता हूं कहकर चला गया। जब 2 घंटे हो गए युवक नहीं आया तो उन्होंने थैला खोल कर देखा उसमें कुछ नहीं था जब रुमाल खोल कर देखा तो उसमें जेवर की जगह गिट्टी पत्थर रखे हुए थे।

जनविश्वास अभियान के अंतर्गत व्यापारी संगठन के पदाधिकारी, कर सलाहकारों और कर विशेषज्ञों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनविश्वास अभियान के अंतर्गत 25 सितंबर को वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा कर सलाहकारों, Ta& Advocates, चार्टर्ड अकाउंटेंट (C) एवं अकाउंटेंट्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सपन कुमार सोनटके, अपर आयुक्त, वाणिज्यिक कर, जबलपुर परिक्षेत्र द्वारा उपस्थित व्यापारियों, कर सलाहकारों एवं कर विशेषज्ञों से GST से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान

व्यापारियों, कर सलाहकारों एवं अन्य प्रतिभागियों द्वारा GST से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं एवं कठिनाइयों को अपर आयुक्त के समक्ष रखा गया। श्री सोनटके द्वारा समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके यथाशीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया गया। साथ ही, व्यापारियों, करदाताओं एवं कर सलाहकारों को GST से संबंधित प्रक्रियाओं में आ रही कठिनाइयों के निराकरण हेतु विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रयास किए जाने की बात कही गई। इस अवसर पर राज्य कर सहायक आयुक्त श्रीमती सरिता सिरसाम ने बताया कि विभाग द्वारा भविष्य में भी ऐसे संवाद एवं फोरम आयोजित किए जाते रहेंगे, जिनमें कर सलाहकारों, CA, Ta& Advocates एवं अन्य संबंधित हितधारकों की समस्याओं को सुना जाएगा तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य कर प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं सुगम बनाना तथा करदाताओं एवं विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना है। कार्यक्रम के माध्यम से विभाग एवं समस्त हितधारकों के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाने तथा GST अनुपालन प्रक्रिया को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। कार्यक्रम में टैक्स बार एसोसिएशन बालाघाट के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल , संदीप नेमा, संजय बाफना,कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अध्यक्ष भवानीशंकर टेकडीवाल, थोक व्यापारी संगठन की ओर से दिलीप कारडा एवं अन्य व्यापारी एवं कर सलाहकार उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन को बचाने के प्रयास में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

इटोरा के सांई मंदिर के पास हुआ हादसा, चारों पहिए ऊपर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट से छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जा रहा किराना सामान से भरा ट्रक शुक्रवार 25 सितंबर की इटोरा के साईं मंदिर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।बताया गया कि सामने से आ रहे अज्ञात वाहन को बचाने के प्रयास में ट्रक चालक ने वाहन को सड़क की ओर साइड किया, इसी दौरान संतुलन बिगड़ गया और ट्रक सड़क किनारे पलटकर चारों खाने चित हो गया। हादसे में ट्रक के चारों पहिए ऊपर की ओर हो गए। राहत की बात यह रही कि चालक सुरक्षित बच गया और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

अचानक सामने आया वाहन, साइड लेते ही बिगड़ा संतुलन

जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीडी 9038 बालाघाट से किराने का सामान लेकर खैरागढ़ की ओर जा रहा था। तड़के करीब 3 से 4 बजे के बीच इटोरा स्थित साईं मंदिर के पास लांजी की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उक्त ट्रक को पर्याप्त साइड नहीं दी। सामने से वाहन को आता देख ट्रक चालक ने ठोस से बचने के लिए अपने वाहन को साइड किया। इसी दौरान ट्रक का संतुलन बिगड़ा और वह सड़क किनारे पलट गया।

मौके पर पहुंची दूसरी गाड़ी, सामान कराया शिफ्ट

हादसे के बाद ट्रक मौके पर ही पलटा पड़ा रहा। ट्रक मालिक जगदीश पवार, निवासी छिंदवाड़ा को घटना की जानकारी मिली। इसके बाद दूसरी गाड़ी मौके पर बुलाकर ट्रक में लदा किराना सामान उसमें शिफ्ट कराया गया,ताकि सामान को खैरागढ़ भेजा जा सके।बाद में जेसीबी की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क किनारे से हटाया गया।

टला बड़ा हादसा

ट्रक के बुरी तरह पलटने के बावजूद चालक के सुरक्षित बचने से बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना में वाहन को नुकसान पहुंचा है, जबकि सामान को दूसरी गाड़ी में सुरक्षित स्थानांतरित कर दिया गया। फिलहाल अज्ञात वाहन की पहचान नहीं हो सकी है।बताया गया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट